नई दिल्ली। मंगलवार, 27 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 291/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को 2-1 से हराया...
@ विचार स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस...
@ व्यापार शेयर बाजार ने जोरदार की वापसी...

राहुल बोले-ज्ञानेश को हटाएं, 30 सेकेंड में आंदोलन रोक देंगे



एजेंसी ■ नई दिल्ली

राहुल गांधी ने 1 नवंबर को दिल्ली में होने वाली महारैली को टालने से इनकार कर दिया। राहुल ने सोमवार को X पर लिखा कि दिल्ली के हर व्यापारी से हम प्यार करते हैं, उनकी बात सुन रहे हैं।

पीएम मोदी से कहिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटा दें। 30 सेकंड में आंदोलन रुक जाएगा। दिल्ली के कश्मीरी गेट पर सोमवार को व्यापारियों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने कांग्रेस से 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली को दिवाली के बाद कराने की मांग की। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने कहा कि इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के सभी दलों को पत्र लिखा जाएगा। संगठन ने दिवाली फेस्टिवल सीजन में 10 हजार करोड़ रुपए के व्यापारिक नुकसान की चेतावनी दी है।

खड़गे ने X पर लिखा- यह त्योहार का मौसम है, लेकिन इस समय आप कमरतोड़ महंगाई से जूझ रहे हैं। सरकार को इसकी बिल्कुल भी चिंता नहीं, क्योंकि वह सिर्फ वोट चोरी करना जानते हैं। इसी सिलसिले में 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महा रैली होगी। आप से अपील है कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए, इस रैली में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले और इस मुहिम को सफल बनाए।

व्यापारी संगठन बोले- कारोबार पर असर पड़ेगा

1 नवंबर की रैली से थोक बाजारों पर गंभीर असर पड़ सकता है। कारोबार पर भारी असर पड़ेगा, क्योंकि रिपोर्टों के मुताबिक रामलीला मैदान में 10 लाख लोग जुट सकते हैं, जबकि इसकी वास्तविक क्षमता करीब 50 हजार है।

चुनाव आयोग का सुप्रीम कोर्ट में स्पष्टीकरण

सीईसी के एकतरफा फैसले संबंधी दावों से इनकार

एजेंसी ■ नई दिल्ली



भारत निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। आयोग ने हलफनामे में कहा कि जून 2025, अक्टूबर 2025 और मई 2026 में जारी किए गए तीनों एसआईआर आदेश सर्वसम्मति से लिए गए थे।

यह हलफनामा मुख्य निर्वाचन आयुक्त के कामकाज पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं के जवाब में दाखिल किया गया था। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसके समक्ष दाखिल किए गए प्रति-हलफनामे को मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दोनों निर्वाचन आयुक्तों ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी थी।

चुनाव आयोग के कामकाज और विभिन्न राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर दायर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी समेत 13 विपक्षी नेताओं की याचिकाओं पर चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों ने एक साथ हलफनामा सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया है।

ईसीआई ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में सीईसी पर लगाए गए आरोपों को खारिज किया है। चुनाव आयोग ने कहा है कि याचिका सिर्फ एक खबर पर आधारित है। सीईसी ज्ञानेश कुमार के एकतरफा फैसले लेने की खबर को गलत बताया गया है।

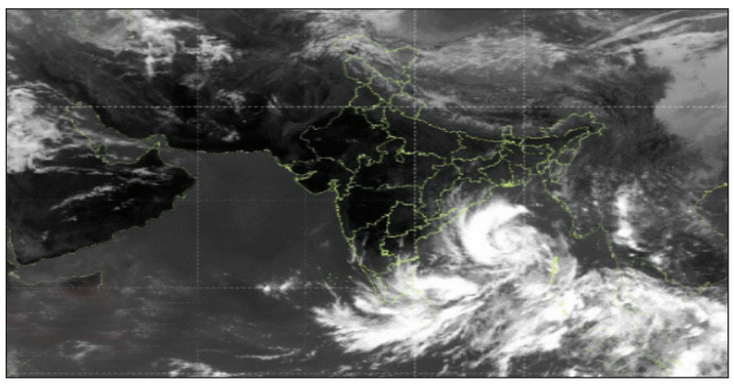
हलफनामे में कहा गया है कि एसआईआर के तीनों आदेश (जून 2025, अक्टूबर 2025 और मई 2026) आयोग के सर्वसम्मत फैसले हैं। हलफनामे में कहा गया है कि फाइल सिस्टम के मुताबिक फाइल पहले एक चुनाव आयुक्त, फिर दूसरे चुनाव आयुक्त, फिर मुख्य चुनाव आयुक्त के पास जाती है। नोट या सवाल फैसले नहीं होते हैं।

हलफनामे के मुताबिक, 28 जुलाई का ऑर्डर एडिशनल सेक्रेटरी ने जारी किया था। दोनों चुनाव आयुक्तों ने अगले दिन कैबिनेट सचिव को लिखा। 30 जुलाई को दोनों आयुक्तों के संयुक्त निर्देश के बाद यह आदेश लागू नहीं हुआ।

हलफनामे में बताया गया है कि फॉर्म 6 में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसे सिर्फ सरकार बदल सकती है। एसआईआर डिक्लेरेशन अलग है। 21 अक्टूबर से ऑनलाइन फॉर्म भी दो हिस्सों में बंटेगा, फॉर्म 6 और डिक्लेरेशन।

चक्रवात अर्नब आंध्र की तरफ बढ़ा, 4 राज्यों में अलर्ट, 6 लाख लोगों को हटाया जाएगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली



चक्रवात अर्नब बंगाल की खाड़ी से आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह 27 अक्टूबर तक तूफान का रूप ले सकता है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान 140 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

आंध्र प्रदेश में करीब 6 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी है। तटीय जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मछुआरों को 29 अक्टूबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और पुडुचेरी में अलर्ट है।

ओडिशा में 60 रेस्क्यू टीमें तैनात होंगी। छह जिलों में 28 और 29 अक्टूबर को स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। इस तूफान के असर से MP-UP समेत 10 राज्यों में बारिश की भी संभावना है। वहीं, तमिलनाडु में पिछले 3 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। अरनी के भास्कर नगर में पानी भर गया है। लोग अपने घरों में फंस गए हैं। कोडाइकनाल में पर्यटकों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है।

खबर झरोखा

फिंगरप्रिंट नहीं मिलने पर भी हितग्राहियों को मिलेगा राशन



रायपुर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन प्राप्त करने के लिए फिंगरप्रिंट का मिलान नहीं होने पर भी पात्र हितग्राहियों को राशन उपलब्ध कराने की वैकल्पिक व्यवस्था का प्रावधान है। बुजुर्गों सहित ऐसे हितग्राही, जिन्हें बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण में परेशानी होती है, वे नियमानुसार नॉमिनी (नामांकित व्यक्ति) अथवा ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से राशन प्राप्त कर सकते हैं। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल फिंगरप्रिंट का मिलान नहीं होने से यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है कि संबंधित हितग्राही को राशन नहीं मिल सकता।

रायपुर जिले के खाद्य नियंत्रक ने इस संबंध में स्पष्टीकरण जारी करते हुए बताया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में हितग्राहियों की सुविधा के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है।

जल, थल व वायुसेना के लिए 2.12 लाख करोड़ रुपए के रक्षा सौदों को मंजूरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली



सशस्त्र बलों की क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 2.12 लाख करोड़ रुपए की रक्षा खरीद के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इन प्रस्तावों में सेना के लिए आधुनिक तोप प्रणाली, हल्के हेलीकॉप्टर, वायु रक्षा प्रणाली और लंबी दूरी तक मारने करने वाले ड्रोन शामिल हैं। वहीं, नौसेना के लिए मिसाइलों से बचाव की क्षमता बढ़ाने वाली प्रणाली और आधुनिक युद्धपोतों सहित प्रमुख नौसैनिक प्लेटफॉर्म की खरीद को मंजूरी दी गई।

वायु सेना के लिए हेलीकॉप्टर, वायु रक्षा प्रणाली, हथियार और मौसम की निगरानी करने वाले रडार खरीदे जाएंगे। सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में यह फैसला लिया गया। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने इन प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। यह रक्षा खरीद की प्रक्रिया में शुरुआती मंजूरी है। खास बात यह है कि कुल स्वीकृत प्रस्तावों में से लगभग 82 प्रतिशत खरीद भारतीय उद्योग से की जाएगी। इससे देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ सशस्त्र बलों को आधुनिक उपकरणों से लैस करने में मदद मिलेगी।

इसके तहत थल सेना को आधुनिक हथियार और निगरानी प्रणालियां मिलेंगी। भारतीय थल सेना के लिए कई तरह के आधुनिक सैन्य उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी गई है। इनमें उच्च गतिशीलता वाले वाहन, स्वचालित तोप प्रणाली, तोप के गोले दागे जाने का पता लगाने वाली प्रणाली, हल्के बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर और बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली शामिल हैं। इसके अलावा, मानवरहित हवाई प्रणालियों से निपटने वाली प्रणाली, लंबी दूरी तक निगरानी करने वाले मानवरहित विमान, एकीकृत निगरानी एवं प्रहार प्रणाली और लंबी दूरी तक हमला करने वाले आत्मघाती ड्रोन की खरीद भी प्रस्तावित है।

उच्च गतिशीलता वाले ये वाहन कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में सेना की आवाजाही, रसद पहुंचाने और अभियान चलाने की क्षमता बढ़ाएंगे। स्वचालित तोप प्रणाली मशीनीकृत सैन्य टुकड़ियों के साथ बेहतर तालमेल बनाते हुए समान गति से आगे बढ़ने और प्रभावी मारक क्षमता प्रदान करने में मदद करेगी। तोप के गोले दागे जाने का पता लगाने वाली प्रणाली सेना को वास्तविक समय में स्थिति की जानकारी देगी। इससे युद्ध क्षेत्र में दुश्मन की गतिविधियों को समझने और तेजी से कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। हल्के बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल थल सेना और वायु सेना दोनों करेंगी। इनसे दुश्मन की टोह लेने, निगरानी करने, लड़ाकू अभियानों, सैनिकों की खोज एवं बचाव तथा मानवीय सहायता और आपदा राहत जैसे कार्यों में मदद मिलेगी।

पीएम मोदी आज इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी ■ नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार यानी 27 अक्टूबर को शाम 5:30 बजे नई दिल्ली के भारत मंडपम में इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव 2026 का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वे सम्मेलन में मौजूद लोगों को संबोधित भी करेंगे।

27 से 29 अक्टूबर तक चलने वाले इस तीन दिवसीय कॉन्क्लेव में प्रमुख वैज्ञानिक, शोधकर्ता, शिक्षाविद, नीति-निर्माता, उद्योग जगत के दिग्गज, स्टार्टअप और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ एक साथ आएंगे। वे उभरती हुई तकनीकों तथा भारत की विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार से जुड़ी प्राथमिकताओं पर चर्चा करेंगे।

इस दौरान 12 अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श होगा, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोटेक्नोलॉजी, एडवांस्ड मैटेरियल्स, विनिर्माण, हेल्थकेयर, ऊर्जा, जलवायु और महासागर विज्ञान शामिल हैं। चर्चा का मुख्य केंद्र अनुसंधान की प्राथमिकताएं, राष्ट्रीय क्षमताएं और वैज्ञानिक प्रगति को व्यावहारिक उपयोग में लाना होगा। इस कॉन्क्लेव में तकनीक और नवाचार की एक बड़ी प्रदर्शनी भी होगी, जिसमें देश की वैज्ञानिक उपलब्धियों और उभरती हुई तकनीकों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें लगभग 150 डीप-टेक स्टार्टअप के स्टॉल होंगे, जो तकनीकी विकास और विभिन्न क्षेत्रों में उनके संभावित उपयोगों को सामने लाएंगे।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 में हवाई करतब दिखाने रायपुर पहुंची सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम

संवाददाता ■ रायपुर



भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव 2026 में भाग लेने के लिए आज रायपुर पहुँची। टीम नवा रायपुर अटल नगर स्थित सेंध झील क्षेत्र के ऊपर शानदार हवाई प्रदर्शन से दर्शकों को रोमांचित करेगी।

स्वदेश में विकसित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) 'ध्रुव' से उड़ान भरने वाली सारंग टीम अपनी सटीक उड़ान, समन्वित संरचनाओं और रोमांचक हवाई करतबों के लिए प्रसिद्ध है। यह प्रदर्शन भारतीय वायु सेना के उत्कृष्ट उड़ान कौशल, अनुशासन, टीम भावना और पेशेवर दक्षता के साथ भारत की स्वदेशी हेलीकॉप्टर क्षमताओं को भी प्रदर्शित करेगा। यह आयोजन नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं और विमानन में रुचि रखने वालों को हेलीकॉप्टरों की सामूहिक उड़ान में सटीकता और आपसी तालमेल देखने का अवसर प्रदान करेगा। राज्योत्सव में सारंग की भागीदारी समारोह के आकर्षण को बढ़ाने के साथ भारतीय वायु सेना और छत्तीसगढ़ के नागरिकों के बीच जुड़ाव को और सुदृढ़ करेगी। मोर से प्रेरित अपनी विशिष्ट रंग-सज्जा और आदर्श वाक्य 'उत्कृष्टता से प्रेरणा' के साथ सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारतीय वायु सेना की उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करती है। रायपुर में टीम की उपस्थिति युवाओं को प्रेरित करने तथा उनमें विमानन और राष्ट्रसेवा के प्रति रुचि जगाने का माध्यम बनेगी।

खड़े ट्रक से टकराई बस, 5 की मौत

बलौदाबाजार ■ ताराचंद काटोत्रे



बलौदाबाजार जिले में बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर ग्राम दरचुरा के पास सोमवार की सुबह बस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। 3 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वही 2 घायलों ने रायपुर में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई । घटना में 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सुबह करीब 5:30 बजे अंबिकापुर से रायपुर जा रही रॉयल कंपनी की सवारी बस सड़क पर खड़े ट्रक से पीछे से टकरा गई।

हादसे में एक यात्री का पैर कटकर अलग हो गया। बस में फंसे यात्रियों को गैस कटर की मदद से बाहर निकाला गया। हादसा सिमगा थाना क्षेत्र में इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे पर एक ट्रक खराब हो गई थी। सुरक्षा के लिए ट्रक के पास स्टॉपर लगाया गया था। इसी दौरान अंबिकापुर से रायपुर जा रही बस (CG04 NM 0859) ट्रक के पीछे से टकरा गई। बस में 22 यात्री सवार थे। हादसे में जशपुर निवासी ड्राइवर भागीरथी यादव (37), बलरामपुर निवासी हेल्पर पवन देवांगन (24) और बलरामपुर के ही यात्री समीम मोहम्मद (39) की मौत हो गई।

वहीं बलरामपुर के रहने वाले अतुल कुमार (33) और रायगढ़ के रहने वाले सुंदर लाल (49) साल को रायपुर एम्स और मेकाहारा रेफर किया गया था, जहां दोनों की मौत हो गई है।

गैस कटर से निकाले गए बस में फंसे यात्री

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस बल, एंबुलेंस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। टक्कर के बाद कुछ घायल यात्री बस में फंस गए थे। उन्हें गैस कटर और अन्य उपकरणों की मदद से बाहर निकाला गया। घायलों को एंबुलेंस से सरकारी अस्पताल सिमगा भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है।

7 घायलों को रायपुर भेजा गया

सिमगा थाना प्रभारी परिवेश तिवारी ने बताया कि सड़क पर खड़े ट्रक के पीछे तेज रफ्तार सवारी बस टकरा गई। हादसे में 3 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी, जबकि 10 से ज्यादा गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

हमारे कर्मयोगी कार्यकर्ता ही हमारी सच्ची पूंजी: स्मृति इरानी

दो दिवसीय चिंतन में आत्ममंथन, अपनी प्राथमिकताओं को पुनः रेखांकित करने पर दिया जोर

संवाददाता ■ रायपुर



भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री व छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी ने अपने दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दूसरे दिन की बैठकों को सम्बोधित करते हुए कहा है कि यह दो दिवसीय चिंतन का यह अवसर आत्ममंथन, अपनी प्राथमिकताओं को पुन: रेखांकित करने और उस संकल्प को दोहराने का है, जिसने भारतीय जनसंघ से लेकर आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक हमारे हर कदम को दिशा दी है।

उन्होने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता कर्मयोगी है उनके कर्मयोग से ही संगठन हमेशा मजबूत होता है। यह राष्ट्र प्रथम के विचार और कार्यकर्ताओं के नि:स्वार्थ पसीने से सिंचित वैचारिक आंदोलन है। हमारी रीति-नीति 'एकात्म मानववाद' और 'अंत्योदय' की उस भावना से बंधी है, जहाँ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का उत्थान ही हमारी सफलता का पैमाना है। इस यात्रा में जिस तत्व ने हमें सबसे अलग और अडिग बनाया है, वह है हमारा 'अनुशासन' है। पद बदलते रहेंगे, दायित्व आते-जाते रहेंगे, लेकिन कार्यकर्ता सदैव स्थायी होता है। सार्वजनिक जीवन में जब आप और हम खड़े होते हैं, तो लोग केवल एक व्यक्ति को नहीं देखते, वे भारतीय जनता पार्टी की मजबूत विचारधारा से जुड़े होते है। सादगी हमारे सार्वजनिक जीवन का स्थायी आभूषण होनी चाहिए।

प्रदेश प्रभारी इरानी ने कहा कि आज तकनीक का युग है, सोशल मीडिया पर संवाद जरूरी है, लेकिन वह कभी ज़मीनी स्पर्श का विकल्प नहीं हो सकता। हमें गाँव-गाँव, पारा-टोला और बस्तर से लेकर सरगुजा तक जन-जन से सघन संपर्क साधना होगा और आमजन के सुख-दुख में उनकी चौखट पर और मजबूती से खड़ा होना, उनकी बात को सुनना और समाधान तक पहुँचाना, यही कार्यकर्ता का सच्चा धर्म है।

जब कार्यकर्ता जनता के बीच बिना किसी औपचारिकता और सादगी के साथ बैठता है, तब संगठन परिवार बन जाता है। प्रदेश प्रभारी इरानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की देवतुल्य जनता ने हम पर गहरा विश्वास जताया है। यह विश्वास एक बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी लेकर आया है। आगामी समय में हमें न केवल इस भरोसे को बनाए रखना है, बल्कि संगठन के विस्तार को प्रत्येक बूथ तक ले जाकर अभेद्य बनाना है। छत्तीसगढ़ जितना सुंदर है उतने ही सुंदर व सुशील यहां के कार्यकर्ता है। हम सबके पराक्रम व परिश्रम से फिर से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनाएंगे। यह हम सबका संकल्प है।

दिनभर चला बैठकों का दौर

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर (प्रदेश भाजपा कार्यालय) में बैठकों का सघन दौर चला। उन्होंने आगामी राजनीतिक रणनीतियों को गति देने के उद्देश्य से मौजूदा विधायकों, लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों, प्रदेश मंत्रिमंडल और भाजपा कोर ग्रुप के साथ चरणबद्ध बैठकें कीं। बैठक के प्रथम सत्र में मौजूदा विधायकों की बैठक हुई। इसमें जमीनी स्तर पर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, जनता से सीधा संवाद और संगठनात्मक मजबूती पर जोर दिया गया।

संभावित चक्रवात 'अर्नब' का खतरा- छत्तीसगढ़ में हाई अलर्ट

कलेक्टरों को 27 से 29 अक्टूबर तक विशेष एहतियात बरतने के निर्देश

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान 'अर्नब' का प्रभाव छत्तीसगढ़ राज्य में पड़ने की संभावनाओं के मद्देनजर शासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इसे लेकर मंत्रालय महानदी भवन में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।



अपर मुख्य मनोज कुमार पिंगुआ की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में चक्रवात के मद्देनजर 27 से 29 अक्टूबर तक आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टर और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी जुड़े।

शून्य जनहानि का लक्ष्य और सुरक्षा के कड़े इंतजाम

अपर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि चक्रवात से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखी जाए और मौसम संबंधी चेतावनियों को पूरी गंभीरता से लिया जाए। बैठक में मुख्य जोर शून्य जनहानि सुनिश्चित करने पर रहा। इसके तहत विशेष रूप से दक्षिण बस्तर क्षेत्र के बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, बस्तर और नारायणपुर जिलों में अत्यधिक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं, जहां तेज हवाएं चलने की संभावना है। राहत शिविरों को 24 घंटे संचालित रखने और उनमें सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया है। स्वास्थ्य सचिव को चिकित्सा सुविधाओं की निर्बाध उपलब्धता के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही गर्भवती महिलाओं की सूची तैयार कर उन्हें आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के प्रबंध करने को कहा गया है। किसानों को फसलों से संबंधित विस्तृत एडवाइजरी जारी करने तथा चक्रवात से फसलों और पशुधन को होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने के कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी केंद्रों के छोटे बच्चों की सुरक्षा के लिए स्थानीय परिस्थितियों का आकलन कर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को निर्धारित स्थानों पर पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

बुनियादी ढांचे और सेवाओं को सुचारू रखने के निर्देश

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव शम्मी आबिदी ने बैठक में बताया कि तेज हवाओं से कच्चे मकानों को होने वाले संभावित नुकसान का आकलन किया जाए और संवेदनशील क्षेत्रों से लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। बिजली के खंभे गिरने से होने वाले नुकसान से निपटने के लिए विद्युत विभाग को तैयार रहने को कहा गया है। साथ ही, दूरसंचार सेवाएं बाधित न हों, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। तेज हवाओं के कारण यदि पेड़ गिरते हैं, तो उन्हें तत्काल हटाने की व्यवस्था करने को कहा गया है ताकि सड़क मार्ग अवरुद्ध न हों और आवागमन सुचारू बना रहे। होर्डिंग्स और अन्य असुरक्षित संरचनाओं की स्थिति का भी आकलन करने पर जोर दिया गया है।

इस उच्चस्तरीय बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया के अलावा एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग और गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। राज्य शासन ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी मुस्तैदी दिखाने को कहा है।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा सबसे बड़ा माध्यम, आइडिया को स्टार्टअप में बदलें - डेका



विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। राज्यपाल रमेन डेका ने युवाओं से अपने नए विचारों को स्टार्टअप में बदलने, नवाचार को अपनाने और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा सबसे बड़ा माध्यम है और युवाओं के विचार देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकते हैं। स्टार्टअप की संभावनाएं अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि छोटे शहरों और गांवों में भी नए उद्यम आकार ले रहे हैं। युवाओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी पहचान स्वयं बनानी चाहिए।

राज्यपाल रमेन डेका आईटीएम विश्वविद्यालय, रायपुर के 11वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में 16 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, चार शोधार्थियों को पीएचडी तथा 464 विद्यार्थियों को स्नातक और स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गईं।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्टार्टअप और उद्यमिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। युवा अपने विचारों को व्यावहारिक रूप देकर नए उद्यम शुरू कर सकते हैं और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि वे केवल नौकरी पाने तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी क्षमता, ज्ञान और रचनात्मकता के बल पर रोजगार सृजन की दिशा में भी आगे बढ़ें।

आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति इरानी ने दी पुष्पांजलि

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में सोमवार को महाकाव्य रामायण के रचयिता आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री व छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी तथा राष्ट्रीय मंत्री व प्रदेश सह प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू ने पुष्पांजलि कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों के साथ महर्षि वाल्मीकि के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके आदर्शों को स्मरण किया।



इस पुष्पांजलि कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री द्वय अखिलेश सोनी व डॉ. नवीन मार्कण्डेय, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज सहित प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी ने महर्षि वाल्मीकि के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प दोहराया।

महर्षि वाल्मीकि का संदेश वर्ग-विहीन, समतामूलक और मर्यादापूर्ण समाज के निर्माण की प्रेरणा देता है : भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति इरानी

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी इरानी ने इस मौके पर प्रदेशवासियों को आदि कवि, ज्ञान, समरसता और तपस्या के पावन प्रतीक महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि महर्षि वाल्मीकि केवल रामायण के रचनाकार ही नहीं, अपितु भारतीय सनातन संस्कृति और सामाजिक समरसता के मूल स्तंभ हैं। जब विश्व में साहित्य और सभ्यताएँ अपनी शैशवावस्था में थीं, तब महर्षि वाल्मीकि ने हमें 'रामायण' जैसा अलौकिक महाकाव्य दिया।

पारस संगम 2026 में प्रतिभाओं का सम्मान, 101 शिक्षकों को मिला गौरव

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में 24 अक्टूबर 2026 को शहीद स्मारक भवन, घड़ी चौक, रायपुर में 'पारस संगम 2026-एक्सीलेंस अवॉर्ड' समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा, समाजसेवा, उद्यमिता, महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य सेवा, युवा नेतृत्व, साहित्य, कला एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 101 शिक्षकों, 11 स्कूलों, कॉलेजों एवं शिक्षण संस्थानों तथा पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के सेंटर संचालकों को सम्मान प्रदान किया गया।



कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करना तथा उनके योगदान को व्यापक पहचान दिलाना रहा। सम्मान समारोह के साथ विद्यार्थियों के स्वागत एवं विदाई कार्यक्रम ने आयोजन को विशेष स्वरूप प्रदान किया।

अतिथियों की उपस्थिति में हुआ सम्मान समारोह

समारोह में रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुनील सोनी, बाल आयोग की अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त डॉ. वर्डिका शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य शिक्षा आयोग के अध्यक्ष सुधीर गौतम, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा तथा केंद्रीय लोक शिकायत जांच आयोग से संबंधित प्रतिनिधि शिव पात्रे सहित विभिन्न क्षेत्रों के अतिथि उपस्थित रहे। इसके अलावा सकीला खान, प्रीति रानी तिवारी, उमा कुशवाहा तथा सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

खंडेलवाल युवा मंच ने एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम चलाया



विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। खंडेलवाल युवा मंच ,रायपुर ने संत सुंदर दास 'स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान 'के अंतर्गत रविवार 25 अक्टूबर को एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम की शुरुआत की। इस पहल के माध्यम से बच्चों को एचपीवी संक्रमण से बचाव के लिए टीकाकरण का लाभ दिया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर अभिषेक खंडेलवाल और डॉक्टर नंदिनी गुप्ता ने स्वास्थ्य सुरक्षा और एचपीवी वैक्सीनेशन के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में रसिक ,नवीन, हनुमान ,अभिषेक, विशेष सहित अन्य सामाजिक जन उपस्थित थे।

हृदय रोग से जूझ रही प्रसूता को अम्बेडकर अस्पताल में मिला नया जीवन

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। प्रसव के बाद गंभीर हृदय रोग से जूझ रही एक प्रसूता को पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) स्थित एसीआई के कार्डियोलॉजी विभाग में नया जीवन मिला है। महिला पोस्टपार्टम कार्डियोमायोपैथी, कंप्लीट हार्ट ब्लॉक और वेंट्रिकुलर टैकीकार्डिया जैसी गंभीर हृदय संबंधी जटिलताओं से पीड़ित थी। उसकी स्थिति इतनी गंभीर थी कि हृदय की धड़कन लगभग 40 प्रति मिनट रह गई थी और हृदय की पंपिंग क्षमता घटकर मात्र 25 प्रतिशत रह गई थी।

मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने पहले आपातकालीन स्थिति में टेम्पररी पेसमेकर लगाया। इसके बाद मरीज की स्थिति स्थिर होने पर इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफिब्रिलेटर (ICD) पेसमेकर नि:शुल्क प्रत्यारोपित किया गया। मरीज की आर्थिक और पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री की पहल पर नि:शुल्क उपचार की व्यवस्था की गई। वहीं, चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी एवं अम्बेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने भी प्रसूता के केस की गंभीरता को देखते हुए कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव को मरीज के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए और उपचार की प्रगति की विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी, ताकि उपचार की समुचित निगरानी की जा सके।

प्रसव के बाद बिगड़ी हृदय की स्थिति

डॉ. स्मित श्रीवास्तव के अनुसार, महिला की डिलीवरी कोरबा में सिजेरियन ऑपरेशन से हुई थी। प्रसव के बाद उसे सांस फूलने की शिकायत होने लगी और हृदय की धड़कन असामान्य रूप से कम हो गई। जांच में उसके हृदय में कंप्लीट हार्ट ब्लॉक पाया गया। साथ ही, प्रसव के बाद होने वाली गंभीर हृदय संबंधी बीमारी पोस्टपार्टम कार्डियोमायोपैथी के कारण हृदय की मांसपेशियों की कार्यक्षमता प्रभावित हो गई थी। इसके चलते हृदय की रक्त पंप करने की क्षमता घटकर 25 प्रतिशत रह गई थी। मरीज को वेंट्रिकुलर टैकीकार्डिया की समस्या भी हो रही थी, जिसमें हृदय के निचले कक्षों से असामान्य रूप से तेज धड़कन उत्पन्न होती है। इस दौरान उसकी धड़कन अनियंत्रित हो जाती थी और वह बेहोश हो जाती थी। यह स्थिति जानलेवा साबित हो सकती थी।

क्या है पोस्टपार्टम कार्डियोमायोपैथी ?

डॉ. स्मित के अनुसार, पोस्टपार्टम कार्डियोमायोपैथी गर्भावस्था के अंतिम चरण या प्रसव के आसपास विकसित होने वाली हृदय की एक गंभीर बीमारी है। इसमें हृदय की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं और शरीर में रक्त पंप करने की उसकी क्षमता कम हो जाती है। इसके कारण सांस फूलना, अत्यधिक थकान, पैरों में सूजन और हृदय गति में बदलाव जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7) - : : मंगलम कामप्लेक्स अशोक चौक, रायपुर :: Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....36589./ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 26-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36589
वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR715F00053** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **LAXMI SHRIVASTAV** पिता/पति श्री श्रीमती **BIHARI SHRIVASTAV** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती ब्रिजबिहारी श्रीवास्तव पिता / पति श्री श्रीमती स्व गोदावरी लाल श्रीवास्तव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / सपथ पत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7) - : : मंगलम कामप्लेक्स अशोक चौक, रायपुर :: Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....36586./ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 26-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36586
वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR715D00364** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RASHMI AHLUWALIYA** पिता/पति श्री श्रीमती **LALIT AHLUWALIYA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती संतोष कुमार गुप्ता पिता /पति श्री श्रीमती मुन्ना लाल गुप्ता ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7) - : : मंगलम कामप्लेक्स अशोक चौक, रायपुर :: Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....36595/ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 26-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36595
वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 33 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR715D00192** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **VAISHALI** पिता/पति श्री श्रीमत **S. K. PANDIT** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती 1. आशीष पंडित पिता स्व सुभाष पंडित 2. देवेश पंडित पिता स्व सुभाष पंडित 3. परेश पंडित पिता स्व सुभाष पंडित पिता/पति श्री/श्रीमती ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / सपथ पत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2) - : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....36567..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 26-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36567
वार्ड का नाम - 28 - शहीद हेमूकालाणी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 28 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR225B00028** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **INDER DAWANI** पिता / पति श्री/श्रीमती **DINESH DAWANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SMT. DAMINI KESWANI** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O RAJU KESWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं- 6) - : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: : - Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36594..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 26-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36594
वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455J0010B** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **Babulal Thakur** पिता / पति श्री श्रीमती **Chanlal Thakur** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SANGEETA DEEP** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O CHANDAN DEEP** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/ SHAPATH PATRA, SAHMATI PATRA /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6) -: : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: : - Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36593..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 26-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36593
वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455J0010A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **Babulal Thakur** पिता / पति श्री श्रीमती **Chanlal Thakur** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती.. **LAXMI BAI THAKUR** पिता / पति श्री श्रीमती **D/O PARAS RAM THAKUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SAHMATI PATRA OR SHAPATH PATRA** / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : - Email ID - mczone4@gmail.com

पत्र क्रं /....36496..../ न. पा. नि. जोन क्र 1/2026
रायपुर, दिनांक 26-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36496
वार्ड का नाम 17-ठक्कर बापा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR107A00409** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SANDEEP SINGH** पिता/पति श्री श्रीमती **RAJENDRA SINGH** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **KANTI NIRMALKAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O KANHAIYA LAL NIRMALKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : - Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....36497..../ न. पा. नि. जोन क्र 1/2026
रायपुर, दिनांक 26-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36497
वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR104N00065** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SANJAY PORGADE** पिता / पति श्री श्रीमती **CHAMPALAL PORGADE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **MAMTA TIWARI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O OMPRAKASH TIWARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर :: Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....36511..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 26-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36511
वार्ड का नाम 4 यतीयतनलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR104B00208** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **BHACHCHI BEN PATEL** पिता/पति श्री श्रीमती **KARAMSI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01.**DEVSI BHAI PATEL** 02. **RAMESH CHANDRA PATEL** 03. **RAJNIKANT PATEL** पिता/पति श्री श्रीमती **S/O LATE. KARAMSHI BHAI PATEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / 01.**DEATH CERTIFICATE** 02. **Bv** 03. **TAX RASID** 04. **FOUTI NAMANTRAN** 05.**VASIYATNAMA KE AADHAR PAR /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 5) - : : ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर: : - Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं /....36432..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 5/2026
रायपुर, दिनांक 26-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36432
वार्ड का नाम 40 पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 40 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR569E00161** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RAJU DUBEY** पिता / पति श्री/श्रीमती **BHAIRODAYAL DUBEY** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती यामिनी पटेल पिता / पति श्री/श्रीमती पिता छबिराम पटेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (5)
नगर पालिक निगम, रायपु

भारत-कनाडा के बीच पहली 'माइग्रेशन एंड मोबिलिटी डायलॉग' वार्ता, आवागमन और सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत और कनाडा ने सोमवार को नई दिल्ली में अपनी पहली 'माइग्रेशन एंड मोबिलिटी डायलॉग' वार्ता आयोजित की। इस दौरान दोनों देशों ने लोगों के आवागमन को आसान बनाने और प्रवासन प्रबंधन को बेहतर करने के तरीकों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि यह पहल भविष्य में भारत-कनाडा संबंधों की मजबूती और विकास का एक महत्वपूर्ण आधार बन सकती है।



इस वार्ता की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय की सचिव श्रीप्रिया रंगनाथन और कनाडा के आव्रजन, शरणार्थी एवं नागरिकता विभाग (आईआरसीसी) के उप मंत्री टेड गैलीवन ने की।

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि यह बैठक भारत और कनाडा के बीच लोगों से लोगों के संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। श्रीप्रिया रंगनाथन और कनाडा के आव्रजन, शरणार्थी और नागरिकता विभाग के उप मंत्री टेड गैलिवन ने सोमवार को नई दिल्ली में पहली 'भारत-कनाडा माइग्रेशन एंड मोबिलिटी डायलॉग' की सह-अध्यक्षता की।'

मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने ऐसे रास्तों पर चर्चा की जो लोगों के सहज आवागमन को बढ़ावा दें और प्रवासन से जुड़े मुद्दों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करें।

उनका मानना है कि यह सहयोग भविष्य में भारत-कनाडा संबंधों को नई गति दे सकता है। इस महीने की शुरुआत में कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ भी बातचीत की थी। अनीता आनंद ने कहा था कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच दोनों देशों के लिए आर्थिक संबंधों को मजबूत करना बेहद महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद अनीता आनंद ने कहा कि भारत और कनाडा के पास मिलकर एक अधिक समृद्ध भविष्य बनाने की बड़ी क्षमता है। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि लगभग 80 वर्षों के कूटनीतिक संबंधों को परिवारों, छात्रों और उद्यमियों की कई पीढ़ियों ने और मजबूत बनाया है, जिन्होंने दोनों देशों को करीब लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आनंद ने प्रधानमंत्री मोदी को इस दिसंबर कनाडा आने के लिए आमंत्रित करने का भी उल्लेख किया।

गुजरात सरकार की डिजिटल सर्विस से आम नागरिकों की योजनाओं तक पहुंच हुई आसान

विश्व केसरी



गांधीनगर। ई-गवर्नेंस के माध्यम से गुजरात सरकार नागरिकों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ ऑनलाइन उपलब्ध कराने में जुटी हुई है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार का 'मारी योजना' पोर्टल बेहद कारगर सिद्ध हो रहा है।

इस पोर्टल पर समाज कल्याण, शिक्षा, कृषि, पशुपालन, खेल, स्वास्थ्य, स्थानीय प्रशासन, महिला विकास, ग्राम विकास, राजस्व विभाग और रोजगार समेत सभी विभागों की 600 से ज्यादा योजनाएं नागरिकों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध हैं। लोगों को अब सरकारी दफ्तर में चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है, बल्कि घर बैठे ही उन्हें सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। इसके साथ ही उनके समय और पैसे की भी बचत हो रही है।

लाभार्थी गिरीश नीलगिरी ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत बहुत ही सरल तरीके से काम हो रहा है। विधवा पेंशन से लेकर आय प्रमाणपत्र पाने में आसानी हुई है। इसके साथ ही सीनियर सिटीजन प्रमाणपत्र है। ये सभी काम आसानी से और कम समय में यहां पर हो जाते हैं।

लाभार्थी तुषार कुमार पटेल ने कहा कि हमें ऑनलाइन सेवाओं से बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और समय की भी बचत होती है। जीवन प्रमाणपत्र हासिल करने में अब बहुत आसानी हो गई है।

इतना ही नहीं, अब नागरिकों को जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, स्थायी निवास सर्टिफिकेट, जाति प्रमाणपत्र या फिर पेंशन और स्कॉलरशिप के लिए भी कहीं जाने की जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें सारी सेवाएं भी एक ही क्लिक पर मिल रही हैं।

गांधीनगर के एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट एवं मामलतदार एमडी गोहेल ने बताया कि 'मारी योजना' पोर्टल सरकार का एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है और एक सराहनीय कदम है, जिसमें करीब 680 सेवाएं यानी शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, पशुपालन और कृषि जैसे विभागों की 680 से अधिक सरकारी योजनाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं और इनके बारे में हम एक क्लिक पर जानकारी हासिल कर सकते हैं।

मारी योजना पोर्टल का मुख्य उद्देश्य सरकारी प्रक्रिया को ज्यादा आसान, पारदर्शी और टाइम-एफिशिएंट बनाना है।

विदेश में अवैध संपत्ति घोषित करने की स्कीम को अच्छा रिस्पॉन्स

विश्व केसरी



नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से 'छोटे करदाताओं के लिए विदेशी संपत्ति - प्रकटीकरण योजना, 2026' को करदाताओं से बंपर रिस्पॉन्स मिला है और अब तक करीब 1,100 करदाता इस स्कीम के तहत अपनी विदेशी संपत्ति घोषित कर चुके हैं। यह जानकारी सूत्रों की ओर से सोमवार को दी गई।

छोटे करदाताओं के लिए विदेशी संपत्ति - प्रकटीकरण योजना, 2026, करदाताओं को अब तक घोषित न की गई विदेशी संपत्तियों और आय का खुलासा करने का एक बार का अवसर प्रदान करती है।

सूत्रों ने बताया कि करदाताओं की सुविधा के लिए, विभाग ने ई-फाइलिंग पोर्टल पर एक सुविधा दी है। इसके जरिए करदाता अपने पैन से जुड़ी उन विदेशी संपत्तियों की जानकारी देख सकते हैं, जिन्हें विदेशी अधिकार-क्षेत्रों द्वारा 'ऑटोमैटिक एक्सचेंज ऑफ इंफॉर्मेशन' (एईओआई), जिसे आमतौर पर सीआरएस/एफएटीसीए के नाम से जाना जाता है, के तहत रिपोर्ट किया गया है। करदाता ई-फाइलिंग पोर्टल पर लॉग इन करके 2022-2024 तक के तीन वर्षों की यह जानकारी डाउनलोड कर सकते हैं।

सूत्रों ने बताया है कि ई-फाइलिंग पोर्टल पर केवल उसी जानकारी को दिखाया गया है, जो सीआरएस/एफएटीसीए फ्रेमवर्क के हस्ताक्षरकर्ताओं से एईओआई के तहत प्राप्त हुई है। विभाग को अन्य बहुपक्षीय फ्रेमवर्क के तहत भी जानकारी मिलती है, जिसे विभिन्न जोखिम कारकों या जानकारी न उजागर करने की प्रतिबद्धताओं के कारण पोर्टल पर नहीं दिखाया गया है।

सर्दियों में उत्तराखंड में घूमने के लिए क्या हैं सबसे अच्छी जगहें, जानिए यहां तक कैसे पहुंचे?

विश्व केसरी



नई दिल्ली। अगर सर्दियों के मौसम में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो उत्तराखंड एक बेहतर विकल्प है। उत्तराखंड में ऐसी कई जगह हैं, जहां आप घूम सकते हैं। खासकर दिसंबर महीना उत्तराखंड घूमने के लिए सबसे जादुई महीनों में से एक है, जो बर्फीले पहाड़, सुंदर हिल स्टेशन, सुहावना सर्दियों का मौसम और आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है।

उत्तराखंड में मसूरी को एक प्रसिद्ध हिल स्टेशन बनाने वाली कई चीजें हैं। केबल कार की सवारी, केम्प्टी जलप्रपात, लैंडौर बाजार और मॉल रोड लोकप्रिय पर्यटन स्थल हैं। बर्फबारी का आनंद लेने के लिए दिसंबर मध्य से फरवरी मध्य के बीच यहां आ सकते हैं। मॉल रोड पर टहलना और जयपी रिज़ॉर्ट के आइस रिंक में आइस स्केटिंग का मजा लेना सर्दियों में सबसे लोकप्रिय गतिविधियों में से हैं। देहरादून से 38 किलोमीटर दूर मसूरी अपनी हरी पहाड़ियों और विविध वनस्पतियों और जीवों के साथ, एक आकर्षक हिल स्टेशन है। यह उत्तर-पूर्व में हिमालयी बर्फ पर्वतमाला और दून वैली का एक अद्भुत नजारा पेश करता है। मसूरी 'गंगोत्री' और 'यमुनोत्री' मंदिरों के लिए एक गेटवे भी है। मसूरी दिल्ली से लगभग 273 किमी दूर है। देहरादून में जॉलीग्रैंट हवाई अड्डा मसूरी के निकट है। वहीं, देहरादून रेलवे स्टेशन लगभग 36 किमी दूर है।

शांति का अनुभव करने, प्रकृति से फिर से जुड़ने और आध्यात्मिकता की गहराई को जानने के लिए सर्दियों में ऋषिकेश एक स्वर्ग के समान है। हिमालय की भव्य तलहटी में बसा यह शांत शहर रोमांच और आंतरिक शांति की तलाश करने वाले यात्रियों को आकर्षित करता है। योग रिट्रीट से लेकर रोमांचक नदी यात्राओं तक, सर्दियों में ऋषिकेश अविस्मरणीय अनुभवों से भरपूर एक खूबसूरत जगह में बदल जाता है।

ऋषिकेश में गंगा नदी धीरे-धीरे बहती है, जो किसी पोस्टकार्ड की तस्वीर जैसी मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती है। सर्दियों की हल्की धूप नदी के किनारों पर सुनहरी चमक बिखेरती है, जिससे प्राकृतिक सुंदरता और भी बढ़ जाती है। ताजी हवा, धुंध भरी सुबह और बर्फ से ढकी चोटियों के मनोरम दृश्य इसे फोटोग्राफरों, प्रकृति प्रेमियों और ध्यान के शौकीनों के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में गंगा की बर्फीली धाराओं में राफ्टिंग का आनंद ले सकते हैं।

दिल्ली से ऋषिकेश लगभग 239 किलोमीटर है। ऋषिकेश ट्रेन, बस, टैक्सी या हवाई मार्ग का विकल्प चुन सकते हैं। ऋषिकेश का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा जॉली ग्रांट हवाई अड्डा है, जो 20-25 किलोमीटर दूर देहरादून में स्थित है।

तमिलनाडुः भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़, नीलगिरि के गांव का संपर्क बाकी इलाकों से टूटा

विश्व केसरी



नीलगिरि। तमिलनाडु के नीलगिरि जिले में थेनगुमाराहाडा गांव के निवासी सोमवार को उस समय फंस गए, जब भारी बारिश के कारण मोयार नदी में बाढ़ आ गई। इससे बाहरी दुनिया से उनका संपर्क टूट गया और भोजन तथा दवाओं जैसी जरूरी चीजों की आवाजाही भी बाधित हो गई।

सत्यमंगलम और मुदुमलाई टाइगर रिजर्व के पास, कोटागिरी तालुक के घने जंगलों में स्थित एक दूरदराज की बस्ती के लोगों को जरूरी सुविधाओं तक पहुंचने के लिए नदी पार करनी पड़ती है।

मोयार नदी के खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण, नदी पार करने के रास्ते बंद कर दिए गए हैं, जिससे ग्रामीण सुरक्षित रूप से बाहर नहीं जा पा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से नीलगिरी और आसपास के इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़ गया है। सोमवार को नदी का पानी बहुत तेज बहाव के साथ बह रहा था, जिससे आम तौर पर इस्तेमाल होने वाले रास्ते से नदी पार करना खतरनाक हो गया है।

इस रुकावट के कारण दवाइयों और अन्य जरूरी चीजों तक पहुंचने को लेकर चिंता बढ़ गई है, खासकर उन लोगों के लिए जो अपनी जरूरतों के लिए गांव के बाहर की सुविधाओं पर निर्भर हैं। खतरनाक हालात के चलते नदी पार करने की सुविधा बंद है।

यह बाढ़ ऐसे समय में आई है, जब पहाड़ी जिले में बारिश से काफी नुकसान हुआ है। पिछले 24 घंटों में यहां भूस्खलन की 60 से ज्यादा घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें छोटी-मोटी मिट्टी खिसकने से लेकर बड़े पैमाने पर ढलान ढहने तक के मामले शामिल हैं।

एक दुखद घटना में, शुक्रवार को मेट्टुपलयम-कुन्नूर पहाड़ी सड़क पर परालियार के पास एक बड़े भूस्खलन की चपेट में आने से 51 वर्षीय सरकारी बस ड्राइवर जनगराज की मौत हो गई। इस घटना ने दिखा दिया है कि लंबे समय तक बारिश होने पर अस्थिर ढलान कितने खतरनाक हो सकते हैं।

करवा चौथ का निर्जला व्रत किसे नहीं रखना चाहिए? कहीं आप भी तो इस लिस्ट में नहीं शामिल

विश्व केसरी



नई दिल्ली। करवा चौथ का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए व्रत रखती हैं। इस साल करवा चौथ का व्रत 29 अक्टूबर 2026, गुरुवार को रखा जाएगा। इस दिन महिलाएं सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं। हालांकि, आस्था और परंपरा के इस पर्व पर अपनी सेहत का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है। कुछ महिलाओं के लिए निर्जला व्रत रखना नुकसानदायक हो सकता है।

गर्भावस्था के दौरान महिला के शरीर को पर्याप्त पोषण और पानी की जरूरत होती है। ऐसे में लंबे समय तक भूखे-प्यासे रहने से डिहाइड्रेशन, चक्कर आना और कमजोरी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसका असर मां की सेहत पर पड़ सकता है। इसलिए गर्भवती महिलाओं को निर्जला व्रत रखने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

जो महिलाएं अपने नवजात या छोटे बच्चे को स्तनपान कराती हैं, उन्हें भी निर्जला व्रत रखने से बचना चाहिए। इस दौरान शरीर को पर्याप्त तरल पदार्थ और पोषण की जरूरत होती है। लंबे समय तक पानी न पीने से मां को थकान, सिरदर्द और डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। अगर आप स्तनपान करा रही हैं, तो अपनी सेहत और बच्चे की जरूरतों को प्राथमिकता दें।

डायबिटीज यानी मधुमेह से पीड़ित महिलाओं के लिए लंबे समय तक भूखे रहना जोखिम भरा हो सकता है। खासकर वे महिलाएं जो इंसुलिन या ब्लड शुगर कम करने वाली दवाएं लेती हैं, उन्हें लो ब्लड शुगर की समस्या हो सकती है। वहीं, कुछ परिस्थितियों में ब्लड शुगर बढ़ भी सकता है। इसलिए डॉक्टर की सलाह के बिना निर्जला व्रत नहीं रखना चाहिए।

अगर आपको दिल या किडनी से जुड़ी कोई बीमारी है, तो व्रत रखने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। ऐसी बीमारियों में खान-पान और तरल पदार्थों को लेकर खास सावधानी बरतनी पड़ सकती है। बिना पानी पिए लंबे समय तक रहने से शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बिगड़ सकता है। इससे परेशानी बढ़ने का खतरा रहता है।

जयशंकर ने अरब लीग के राजनयिकों से की मुलाकात, दुनिया को बदलने में तकनीक की भूमिका पर की चर्चा

विश्व केसरी



नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को नई दिल्ली में सुषमा स्वराज इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन सर्विस में प्रशिक्षण ले रहे अरब लीग (लीग ऑफ अरब स्टेट्स) के राजनयिकों के एक समूह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दुनिया में चल रहे संघर्षों के व्यापक प्रभाव और आज की दुनिया को बदलने में तकनीक की बढ़ती भूमिका पर चर्चा की।

जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि उन्हें अरब लीग के उन राजनयिकों से मिलकर खुशी हुई जो भारत में प्रशिक्षण ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि बातचीत में मौजूदा वैश्विक संघर्षों के दूरगामी असर और तकनीक के बदलते प्रभाव पर विचार किया गया।

उन्होंने कहा कि भारत और अरब देश पड़ोसी होने के साथ-साथ ग्लोबल साउथ के साझेदार भी हैं। ऐसे में आर्थिक सहयोग को मजबूत करना जरूरी है, ताकि व्यापार और विकास में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सके और किसी भी तरह के अनुचित दबाव का मुकाबला किया जा सके।

जयशंकर ने राजनयिकों को सलाह दी कि वे भारत में अपने समय का पूरा लाभ उठाएं और देश, उसकी संस्कृति तथा यहां के लोगों को बेहतर तरीके से समझने की कोशिश करें। उन्होंने सभी को प्रशिक्षण अवधि के लिए शुभकामनाएं देते हुए इसे उपयोगी और यादगार अनुभव बनाने की बात कही।

इससे पहले अगस्त में विदेश मंत्रालय में कांसुलर, पासपोर्ट, वीजा और प्रवासी भारतीय मामलों की सचिव श्रीप्रिया रंगनाथन ने अरब लीग के सहायक महासचिव खालिद मंजलावी से मुलाकात की थी। इस बैठक में मुख्य रूप से भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक में अपनाए गए 2026-28 कार्यकारी कार्यक्रम को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई थी।

भारत के अरब लीग के सदस्य देशों के साथ लंबे समय से दोस्ताना और मजबूत संबंध रहे हैं। अरब लीग की स्थापना 1945 में काहिरा में हुई थी। शुरुआत में इसके सात सदस्य देश थे और इसका उद्देश्य सदस्य देशों के साझा हितों को आगे बढ़ाना था। वर्तमान में इस संगठन में उत्तर अफ्रीका और पश्चिम एशिया के कुल 22 अरब देश शामिल हैं।

मिस्र में भारतीय दूतावास के अनुसार, अरब लीग के देश भारत के विस्तारित पड़ोसी क्षेत्र का हिस्सा माने जाते हैं। इस क्षेत्र के साथ संबंध मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता, अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर समान सोच और मजबूत व्यापारिक एवं आर्थिक रिश्ते, भारत-अरब संबंधों की मजबूत नींव हैं।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में संदिग्ध गतिविधि के बाद हाई अलर्ट, ग्रामीणों की सूचना पर सर्च ऑपरेशन शुरू

विश्व केसरी



जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में ग्रामीणों द्वारा इलाके में संदिग्ध गतिविधि की सूचना दिए जाने के बाद सोमवार को सुरक्षा बलों ने एक तलाशी अभियान शुरू किया।

अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों से कुछ संदिग्ध लोगों के मौजूद होने की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने कठुआ के जंगली इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया।

उन्होंने बताया कि इन सूचनाओं की पुष्टि करने और इलाके में सुरक्षा मजबूत करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस, स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी), सेना और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने करनाडी इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। इससे पहले भी संदिग्ध गतिविधियों, ड्रोन देखे जाने और घुसपैठ की आशंकाओं की कई रिपोर्टों के बाद, सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास बड़े पैमाने पर तलाशी और छानबीन अभियान चलाए हैं।

सोमवार को कठुआ जिले के करनाडी और नदी वाले इलाकों में यह तलाशी अभियान तब शुरू किया गया, जब ग्रामीणों ने सीमा के पास कुछ संदिग्ध लोगों को देखे जाने की सूचना दी। इसी तरह कोटे पनु और पुंडोरी गांवों में उज्जा नाले के पास भी नदी के रास्ते संदिग्ध गतिविधियों को लेकर अलर्ट जारी किए गए थे।

इस महीने पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने और सीमा पार से संभावित गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद स्थानीय निवासियों और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किए गए और घुसपैठ विरोधी अभियान चलाए गए।

संपादकीय

जननी जन्मभूमि एवं स्त्रियों का सम्मान उन्नत राष्ट्र की विशिष्ट पहचान



संजीव ठाकुर

भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को 'माता भूमिह पुत्र अहं पृथ्व्या' अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उद्घोष हो गया था। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि 'मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा'। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलत: माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं ।अत: महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अत: स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति मैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है।

स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस



ललित गर्ग

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे के विरोधी अवश्य होते हैं, लेकिन उनकी भाषा शत्रुता की नहीं, वैचारिक प्रतिस्पर्धा की होनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की शक्ति हैं, पर जब ये मतभेद व्यक्तिगत कटाक्ष, पारिवारिक टिप्पणियों और अपमानजनक शब्दों में बदलने लगते हैं, तब राजनीति का स्तर गिरता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस के अनेक नेताओं की आक्रामक टिप्पणियों और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पटना में दिए गए विवादास्पद बयान ने एक बार फिर भाषाई मर्यादा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 25 अक्टूबर 2026 को पटना में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में खड़गे की एक टिप्पणी राजनीतिक विवाद का कारण बन गई। कार्यक्रम में उपस्थित एक व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा, 'मोदी का बाप भी जाएगा।' इस बयान की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तीखी आलोचना की। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस टिप्पणी को वैचारिक संदर्भ में समझाने का प्रयास किया। समाचारों के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने भी बाद में कहा कि उसकी पूरी बात नहीं सुनी गई थी। इस घटनाक्रम के विभिन्न पक्ष अपनी-अपनी व्याख्या प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन विवाद से अलग एक बुनियादी प्रश्न अपनी जगह कायम है-क्या देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति विरोध जताने का यही तरीका होना चाहिए?

खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है। लेकिन जब जवाब व्यक्तिगत संबंधों और परिवार तक पहुंच जाए, तब मुद्दे की गंभीरता पीछे छूट जाती है और शब्दों का विवाद मुख्य समाचार बन जाता है। राजनीति में शब्द केवल वक्ता की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं होते, वे उसकी सार्वजनिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक संस्कारों की भी परीक्षा लेते हैं। कांग्रेस की राजनीति में नरेंद्र मोदी को लेकर तीखे और विवादास्पद वक्तव्यों का इतिहास भी इस बहस को व्यापक संदर्भ देता है। वर्ष 2007 में सोनिया गांधी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी के लिए 'मौत का सौदागर' शब्द का प्रयोग किया था। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मणिशंकर अय्यर की 'चायवाला' संबंधी टिप्पणी ने भी बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा किया। बाद के वर्षों में राहुल गांधी के 'चौकीदार चोर है' नारे ने राजनीतिक बहस को व्यक्तिगत आरोपों की दिशा में मोड़ा। इन बयानों के पीछे अपने-अपने राजनीतिक संदर्भ और वक्ताओं की दलीलें रही हैं, लेकिन इनका सार्वजनिक प्रभाव इस प्रश्न को सामने लाता है कि क्या किसी नेता की आलोचना उसके कामकाज तक सीमित रखी जा सकती है, अथवा उसे व्यक्तिगत उपहास का विषय बनाना आवश्यक समझा जाने लगा है?

प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मोदी और उनकी सरकार के विरुद्ध कई अवसरों पर तीखे राजनीतिक हमले



किए हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि तीखी आलोचना अपने आप में अमर्यादित नहीं होती। सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब नीतिगत असहमति को व्यक्तिगत अपमान से जोड़ दिया जाता है और तर्क के स्थान पर कटाक्ष को राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनाया जाने लगता है। किसी नेता के प्रत्येक बयान को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं, लेकिन बार-बार होने वाले विवादों से राजनीतिक भाषा के स्तर पर विचार करने की आवश्यकता अवश्य पैदा होती है। यहां कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती है। विपक्ष के रूप में उसकी सार्थकता इस बात से तय होगी कि वह जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितना प्रभावी विमर्श खड़ा करती है। किसानों की समस्याएं, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि सार्वजनिक चर्चा बार-बार प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सिमट जाती है, तो नीतिगत बहस पीछे छूटने का खतरा रहता है। इससे विपक्ष की आलोचना का वास्तविक आधार भी कमजोर पड़ सकता है। राजनीतिक विमर्श में मुद्दों की जगह व्यक्तियों को केंद्र में रख देने से लोकतंत्र को अपेक्षित लाभ नहीं मिलता।

दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व और उनकी वैश्विक सक्रियता भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विदेश यात्राएं, विभिन्न देशों के नेतृत्व के साथ संवाद, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भागीदारी और आर्थिक एवं रणनीतिक साझेदारियों को आगे बढ़ाने के प्रयास देश की वैश्विक भूमिका से जुड़े हैं। उनके समर्थक इन गतिविधियों को भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि के रूप में देखते हैं। साथ ही, किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का निष्पक्ष आकलन केवल अंतरराष्ट्रीय छवि से नहीं, बल्कि घरेलू नीतियों, आर्थिक परिणामों, सामाजिक समावेशन और शासन के रिकॉर्ड से भी किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी में है कि नेतृत्व की उपलब्धियों का सम्मान हो और उसके निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा भी संभव बनी रहे। यह भी विचारणीय है कि किसी नेता के विरुद्ध जितनी अधिक व्यक्तिगत और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होता है, उतना ही उसके समर्थकों में प्रतिक्रिया की भावना पैदा हो सकती है। नरेंद्र मोदी के संदर्भ में कांग्रेस की आलोचना का राजनीतिक असर हमेशा एक जैसा रहा हो, ऐसा निष्कर्ष निकालना तथ्यों से परे होगा। चुनावी परिणाम अनेक कारणों से प्रभावित होते हैं-नेतृत्व, संगठन, स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार, गठबंधन और मतदाताओं की अपेक्षाएं। फिर भी, यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जोखिम है कि यदि विपक्ष अपनी आलोचना को प्रमाण और नीतिगत विकल्पों के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों पर आधारित करता है, तो वह अपनी बात जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का अवसर खो सकता है। इसके विपरीत भाजपा को भी केवल विरोधियों के विवादास्पद बयानों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपने कामकाज और नीतियों के आधार पर जनता के सामने जवाबदेह रहना चाहिए।

राजनीति की भाषा समाज के व्यवहार को प्रभावित करती है। जब शीर्ष नेता सार्वजनिक मंचों पर संयम खोते हैं, तब उनके समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच भी कटुता बढ़ने की आशंका रहती है। सोशल मीडिया इस प्रवृत्ति को और तेज कर देता है, जहां किसी बयान का छोटा-सा अंश पूरे विमर्श पर हावी हो सकता है। इसलिए नेताओं को बोलने से पहले शब्दों के सामाजिक प्रभाव और पद की गरिमा पर विचार करना चाहिए। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को अपमानित करना और उसके तर्क को पराजित करना दो अलग बातें हैं, लोकतंत्र में दूसरी बात अधिक महत्वपूर्ण है। अंतत: कांग्रेस हो या भाजपा, किसी भी दल की वास्तविक राजनीतिक शक्ति उसकी भाषा की आक्रामकता से नहीं, बल्कि उसके विचारों, नीतियों, जनसेवा और जनता के विश्वास से निर्धारित होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन आलोचना तथ्यों और तर्कों पर आधारित होनी चाहिए। इसी प्रकार कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे हों या सत्तापक्ष के अन्य नेता सभी से अपेक्षा है कि वे असहमति को अपमान में न बदलें। राजनीति में शब्दों की मर्यादा कोई औपचारिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। सत्ता बदलेगी, नेता बदलेंगे और दलों की स्थितियां बदलेंगी, लेकिन सार्वजनिक जीवन में बोले गए शब्द लंबे समय तक समाज की स्मृति में रहते हैं। इसलिए राजनीति को कटुता की नहीं, संवाद की भाषा चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में विचारों की विजय होनी चाहिए, व्यक्तिगत अपमान की नहीं।

रिजीम चेंज के नारे से इतनी घबराहट!

राजेश अचल

भारतीय राजनीति में इन दिनों एक ऐसा नारा चर्चा में है, जिसने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग से शुरू हुई लड़ाई का पूरा राजनीतिक परिदृश्य बदल दिया है। नारा है—रिजीम चेंज! यानी सत्ता परिवर्तन !तख्ता पलट.

सवाल है कि क्या इस नारे से सरकार घबरा गई है? क्या विपक्ष ने अपनी लड़ाई का दायरा बढ़ाकर भाजपा को नया हथियार दे दिया है? और क्या अभिजीत दिपके की कॉकरोच जनता पार्टी इस मुद्दे पर अपने साथियों से अलग रास्ता चुन रही है.क्या सरकार पर विपक्ष को विलेन बनाने की धुन सवार हो गई है जो बार-बार सामने आती है.

कहानी शुरू हुई मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एस आई आर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उठे विरोध से। विपक्ष और आंदोलनकारी समूहों का आरोप है कि मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने से लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। चुनाव आयोग का कहना है कि हटाए गए नामों में मृत, स्थानांतरित और अन्य कारणों से अपात्र मतदाता शामिल हैं तथा गलत तरीके से नाम हटने पर दोबारा पंजीकरण का रास्ता खुला है।

यानी एक तरफ चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल हैं, दूसरी तरफ चुनाव आयोग अपने फैसलों का बचाव कर रहा है।

लेकिन अब यह लड़ाई केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक



सीमित नहीं रह गई है।

रिजीम चेंज का नारा किसने बुलंद किया?

आपको याद होगा कि 15 अक्टूबर को दिल्ली में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि संघर्ष अब रिजीम चेंज की लड़ाई है। छात्र नेता नेहा बोरा की बांग्लादेश के छात्र आंदोलन से जुड़ी टिप्पणी ने भी भाजपा को विपक्ष पर हमला करने का अवसर दिया।

भाजपा ने इसे बांग्लादेश जैसी सत्ता परिवर्तन की कोशिश बताना शुरू कर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि विपक्ष देश में अराजकता पैदा करना और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करना चाहता है। लेकिन यहाँ एक बुनियादी सवाल है—क्या किसी निर्वाचित सरकार को लोकतांत्रिक तरीके से बदलने की मांग अपने आप में अपराध या तख्तापलट की साजिश है?

लोकतंत्र में सरकार बदलने का रास्ता चुनाव है। शांतिपूर्ण विरोध और राजनीतिक असहमति भी लोकतंत्र का हिस्सा हैं। हाँ, हिंसा या गैरकानूनी तरीके से सत्ता पर कब्जे की कोशिश अलग विषय है। दोनों को एक ही तराजू में तौलना उचित नहीं होगा।

आधी रात को दिपके ने दूरी क्यों बनाई?

इस कहानी में दिलचस्प मोड़ आता है तब,जब

अभिजीत दिपके ने देर रात अपनी पार्टी सीजेपी की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका आंदोलन सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने और उनकी जगह स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव आयुक्त नियुक्त करने के लिए है। इसका मतलब यह नहीं कि हर आंदोलनकारी या विपक्षी नेता को भी यही कहना चाहिए। लेकिन इतना जरूर है कि एक साझा आंदोलन में शामिल लोगों के लक्ष्य अलग-अलग हो सकते हैं।

बोध कथा

मित्रता

उषा ने पति अनिल से कहा,कितनी देर तक समाचार पत्र पढ़ते रहोगे? यहाँ आओ और अपनी प्यारी बेटी को खाना खिलाओ। अनिल ने समाचार पत्र एक तरफ़ फेका और बेटी ईशा की और ध्यान दिया। बेटी की आंखों में आँसू थे और सामने खाने की प्लेट। ईशा एक अच्छी लड़की है और अपनी उम्र के बच्चों से ज्यादा समझदार. अनिल ने खाने की प्लेट को हाथ में लिया और ईशा से बोला,बेटी खाना क्यों नहीं खा रही हो ?.आ जाओ मैं खिलाता हूँ . ईशा जिसे खाना नहीं भा रहा था। सुबक सुबक कर रोने लगी और कहने लगी,मैं पूरा खाना खा लूँगी पर एक वादा करना पड़ेगा आपको. वादा,अनिल ने बेटी को समझाते हुआ कहा,इस प्रकार कोई महँगी चीज खरीदने के लिए जिद नहीं करते. नहीं पापा,मैं कोई महँगी चीज के लिए जिद नहीं कर रही हूँ. फिर ईशा ने धीरे धीरे खाना पूर्ण किया और कहा,मैं अपने सभी बाल कटवाना चाहती हूँ. सभी प्रकारसे समाझाने पर भी ईशा नहीं मानी और अपना वचन निभाने हेतु ईशा की बात माननी ही पड़ी ।

अगले दिन अनिल ईशा को स्कूल छोड़ने गया.वहां उसने उसी के आयु का एक गंजा बालक देखा जिसकी और ईशा भागते गयी थ. उसी समय एक महिला ने अनिल से कहा,क्या ईशा आपकी बेटी है ? बहुत ही होनहार लड़की है . मेरा बेटा कैंसर से पीड़ित है और इलाज में उसके सारे बाल खत्म हो गए हैं. वह इस हालत में स्कूल नहीं आना चाहता था क्योंकि स्कूल में लड़के उसे चिढ़ाते हैं. पर ईशा ने कहा कि वह भी गंजी होकर स्कूल आयेगी और वह आ गई। इस कारण देखिये मेरा बेटा भी स्कूल आ गया. आप धन्य हैं कि आपके ऐसी बेटी है अनिल को यह सब सुनकर रोना आ गया और उसने मन ही मन सोचा कि आज बेटी ने सीखा दिया कि प्यार क्या होता है. इस पृथ्वी पर खुशहाल वह नहीं हैं जो अपनी शर्तों पर जीते हैं बल्कि खुशहाल वे हैं जो,जिन्हें वे प्यार करते हैं,उनके लिए बदल जाते हैं।

कविता

अथ श्रीरामायण कथा



उद्देश्य तिवारी 'उदय'

कथा है श्रीराम की,
जानकी के मान की,
लखन के निष्काम की,
भरत के स्वभाव की।

अवधवासी गा रहे,
राम का गुणगान,
जय सिया राम।

कथा है श्रीराम की,
शिव के आराध्य की,
हनुमन्त के नाथ की,
शबरी के प्रभु राम की।

माता के प्यार की,
पिता के दुलार की,
सखा के साथ की,
गुरुवर के छाँव की।

कथा है रघुनाथ की,
घर से वनवास की,
विषाद से निषाद की,
राम से श्रीराम की।

संतों के आशीर्वाद की,
मुनियों के वरदान की,
ऋषियों के ज्ञान की,
विद्वानों के मान की।

कथा है रघुराज की,
पुण्य के प्रभाव की,
पाप के विनाश की,
सद्गति के मार्ग की।

व्यंग्य केसरी

महानता की चुल्ल



डॉ. प्रेम कुमार पाण्डेय

इस धरती पर आपको जो कुछ दिख रहा है जैसे पेड़-पौधे,नदी-पहाड़, पशु-पक्षी सभी अपनी स्वाभाविक जिंदगी जीते हैं। इनके अंदर किसी भी तरह की महत्वाकांक्षा नहीं होती। ये सभी अपनी स्वाभाविक जिंदगी जीते हुए इस धरती से बिना कुछ लिए, बिना कुछ नुकसान पहुंचाए, अपनी सामर्थ अनुसार धरती को बहुत कुछ देकर जाते हैं। धरती पर मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जो महानता जीवी है। वह महान हो न हो पर हर हाल में महान दिखना चाहता है।अरे भाई! यह क्यों नहीं समझते कि साधारण रहने के अपने फ़ायदे हैं। मरने के अधिकतम बारह दिन तक आपके गुणधर्म की चर्चा होती है, तेरहवें दिन लोग नरम पूरी ढूंढते हैं,खाने के बाद रसगुल्ला दबाकर अपनी ट्रेन पकड़ते हैं। इसके बाद आप आराम से मरे रहिए बाकी जिंदगी सामान्य। अब आ जाइए महान आदमी के मर्म पर , लाश को तीन चार दिन दर्शन के लिए रखते हैं। अरे बाबा! महान है तो क्या सड़ेगा नहीं? बेचारा मरकर अमर हो जाता है। गली चौराहों पर मूर्तियां स्थापित हो जाती हैं। पक्षी खोपड़ी पर निपटते हैं,शराबी गले मिलते हैं, श्वान अपनी सारी शंकाओं का समाधान करता है। रहे आओ महान, दुनिया अपने अनुसार चलेगी। कुछ और दिन बीतने पर कुछ लोग फूलमाला चढ़ाएंगे और कुछ सार्वजनिक रूप से चीर-हरण करेंगे। बने रहो महान। साधारण रहते तो आराम से मरते। ये महानता की चुल्ल, तुम्हें चैन से मरने भी नहीं दे रही? है।

मुझे लगता है महानता की चुल्ल मरने के बाद भी धरती पर कब्जा करने की प्रवृत्ति का परिणाम है। समाधि बना दो, एकाध एकड़ भूमि पर कब्जा। मूर्ति लगा दो ,चौराहे की बेशकीमती जमीन का पट्टा। सारे तथाकथित(विलोपित)स्थल कहीं न कहीं महानता के नाम पर कब्जा स्थल ही तो हैं। लौकिक, अलौकिक, पारलौकिक समस्त महामानवों से करबद्ध प्रार्थना है कि सांस चलते आपने जो ताण्डव किया वो पर्याप्त था,अब कब्जा छोड़ो, तुम्हारी महानता दोनों के लिए घातक है। जी लिए अब जीने दो। इसलिए जो मज़ा साधारण रहकर मरने में है वो महानता में कहां?

लोगों को कितना समझाओं कोई समझता कहां है?इस महान धरती के महान लोकतंत्र के महान नायक की महान बुद्धि में चुल्ल उठी कि उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। इस इच्छा के विपरीत नोबेल समिति के दिमाग़ में तत्काल ईमानदारी की चुल्ल उत्पन्न हुई। एक शांति के पुजारी को नोबेल नहीं मिला। उसने ऐसी अशांति मचाई कि पूरा विश्वास लहुलुहान हो गया। इस प्रकरण में पूरा दोष नोबेल कमेटी की ईमानदारी की चुल्ल का है। भाई! एक ग़लत आदमी को नोबेल मिल जाता तो क्या पहाड़ टूट जाता? ग़लत नोबेल पुरस्कार पाने का दबाव ही उस महान को खून-खराबा करने से रोकता । पर क्या हो? एक बार फिर दो महान लोगों के महान होने की चुल्ल ने धरती को नरक बना दिया।

लेखकों सावधान! अभी-अभी

इतिहास

27 अक्टूबर का दिन भारत और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है:

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं

1947: भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर में कदम रखा, जब महाराजा हरि सिंह ने भारत में विलय के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। (इस दिन को भारत में इंफैंट्री दिवस के रूप में मनाया जाता है)।

1795: अमेरिका और स्पेन के बीच मैड्रिड (सैन लोरेंजो) की संधि पर हस्ताक्षर हुए।

1958: पाकिस्तान में जनरल अयूब खान ने राष्ट्रपति सिकंदर मिर्जा का तख्तापलट कर सत्ता संभाली।

1961: बर्लिन के 'चेकप्वाइंट चार्ली' पर अमेरिकी और सोवियत संघ के टैंक आमने-सामने आए और 16 घंटे तक तनाव बना रहा।

1978: मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात और इज़राइल के प्रधानमंत्री मेनाचेम बेगिन को संयुक्त रूप से नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया।

रेलवे आरक्षण केंद्र 10 दिनों से बंद, कर्मचारियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

आम जनता ने जल्द सेवा शुरू करने की मांग

विश्व केसरी

मुंगेली (रवि शुक्ला)। जिले के नागरिकों को बेहतर रेलवे सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग लंबे समय से उठती रही है,लेकिन मुंगेलीवासियों के लिए रेल सुविधा का इंतजार अब भी खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। एक ओर वर्ष 2018 में कटघोरा-मुंगेली-डोंगरगढ़ रेल लाइन परियोजना को लेकर उम्मीदें जगी थीं,लेकिन रेल लाइन का सपना अब तक साकार नहीं हो पाया है। वहीं दूसरी ओर,वर्ष 2014 से संचालित रेलवे यात्री आरक्षण केंद्र पिछले 10 दिनों से बंद होने की जानकारी सामने आई है। इससे जिले के नागरिकों और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आरक्षण केंद्र के बंद होने का मामला अब जिला प्रशासन तक पहुंच गया है। केंद्र में कार्यरत कर्मचारी द्वारा कलेक्टर को आवेदन सौंपकर रेलवे अधिकारियों की कार्रवाई पर सवाल उठाए गए हैं। कर्मचारी ने आवेदन में आरोप लगाया है कि पिछले लगभग 12 वर्षों से संचालित आरक्षण संबंधी कार्य को बंद करा दिया गया है। साथ ही अपने ऊपर लगाए गये आरोपों को निराधार



बताते हुए निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है।

10 दिनों से बंद आरक्षण केंद्र,यात्रियों की बढ़ी परेशानी

मुंगेली में रेलवे यात्री आरक्षण केंद्र की शुरुआत जिलेवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा के रूप में हुई थी। इस केंद्र के माध्यम से नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को लंबी दूरी की ट्रेनों में आरक्षित टिकट प्राप्त करने की सुविधा मिलती रही है। विशेष रूप से बुजुर्गों, विद्यार्थियों, व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों और ग्रामीण यात्रियों के लिए यह केंद्र उपयोगी साबित हुआ।

आरक्षण केंद्र बंद होने से अब यात्रियों को टिकट आरक्षित कराने के लिए दूसरे स्थानों का रुख करना पड़ सकता है। इससे समय और अतिरिक्त खर्च दोनों बढ़ने की आशंका है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि केंद्र का संचालन किसी प्रशासनिक,तकनीकी या अन्य कारण से रोका गया है, तो उसकी स्पष्ट जानकारी आम नागरिकों को क्यों नहीं दी जा रही है?

जिलेवासियों की अपेक्षा है कि संबंधित विभाग बंदी के कारणों को सार्वजनिक करे और नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर आरक्षण सुविधा को जल्द बहाल करने की दिशा में पहल करे।

2014 में तत्कालीन सांसद लखनलाल साहू की पहल से शुरू हुआ था आरक्षण केंद्र

मुंगेली में रेलवे यात्री आरक्षण केंद्र की स्थापना के पीछे जिलेवासियों की वर्षों पुरानी मांग और रेल सुविधाओं के अभाव की समस्या प्रमुख कारण रही थी। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मुंगेली क्षेत्र से लखनलाल साहू सांसद निर्वाचित हुए थे। उनके निर्वाचन के बाद स्थानीय नागरिकों ने मांग उठाई थी कि जब तक मुंगेली में रेलवे लाइन की सुविधा उपलब्ध नहीं होती,तब तक कम से कम नगर में यात्री आरक्षण केंद्र शुरू कराया जाए। उस समय यात्रियों को आरक्षित रेल टिकट लेने के लिए बिलासपुर अथवा रायपुर जाना पड़ता था। इससे न केवल अतिरिक्त समय लगता था,बल्कि आने-जाने में अनावश्यक खर्च भी उठाना पड़ता था।

धान और चावल की रिसाइक्लिंग बर्दाश्त नहीं होगी : कलेक्टर

विश्व केसरी



बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने राइस मिलर्स को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि धान एवं चावल की रीसाइक्लिंग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। धान उपार्जन, मिलिंग और चावल जमा करने की पूरी प्रक्रिया में नियमों का पालन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आगामी धान खरीदी के लिए आवश्यक बारदाना शीघ्र जमा करने तथा भारतीय खाद्य निगम में 15 दिनों से अधिक समय से लंबित स्टेक के मामलों की जांच करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित जिले के राइस मिलर्स की बैठक में चावल जमा की प्रगति, मिलिंग संबंधी समस्याओं और खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि उपार्जन एवं मिलिंग व्यवस्था में अनियमितताओं को रोकने के लिए संबंधित अधिकारी सतर्कता बरतें। मिलर्स निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुरूप कार्य करें। आगामी धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आवश्यक बारदाने की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित करने पर जोर दिया। जिले में 15 नवंबर 2026 से धान खरीदी प्रारंभ होना प्रस्तावित है। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने मिलर्स को बारदाना जल्द जमा करने और संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय से सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।

भारतीय खाद्य निगम में चावल जमा की स्थिति की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने 15 दिनों से अधिक समय से लंबित स्टेक वाले मिलर्स के मामलों की जांच का जिम्मा खाद्य नियंत्रक को सौंपा। उन्होंने लंबित मामलों में आवश्यक कार्रवाई करते हुए चावल जमा की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में नागरिक आपूर्ति निगम में चावल जमा की प्रगति तथा अन्य जिलों में निगम के अंतर्गत चावल जमा करने की स्थिति पर भी चर्चा हुई। चावल में 10 प्रतिशत ब्रोकन की निर्धारित सीमा से संबंधित विषयों और मिलर्स की समस्याओं की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने विगत धान खरीदी वर्ष में मिल सत्यापन के दौरान कमियां पाए जाने वाले राइस मिलर्स के मामलों की भी समीक्षा की। उन्होंने मिलिंग और चावल जमा से जुड़े कार्यों में निर्धारित मानकों एवं प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में खाद्य नियंत्रक अमृत कुजूर, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम नितिन दीवान, भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधक अनूप कुमार, जिला विपणन अधिकारी उपेंद्र खांडे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और जिले के राइस मिलर्स उपस्थित थे।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सक्ती में 'सुरक्षित बचपन अभियान' पर विधिक जागरूकता शिविर

विश्व केसरी



सक्ती (ईश्वर लोधी)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार स्कूली बच्चों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो एक्ट) के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से संचालित 'सुरक्षित बचपन अभियान' के अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सक्ती में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में लीना अग्रवाल द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम, 2012 तथा 'सुरक्षित बचपन अभियान' के उद्देश्य, महत्व एवं कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि बच्चों को लैंगिक अपराधों एवं यौन शोषण से संरक्षण प्रदान करने के लिए यह कानून महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने छात्राओं को कानून के प्रति जागरूक रहने, अपने अधिकारों को समझने तथा किसी भी प्रकार की अनुचित घटना होने पर चुप रहने के बजाय उचित माध्यम से शिकायत करने के लिए प्रेरित किया। अपने संबोधन में अग्रवाल ने छात्राओं को घर से विद्यालय आने-जाने के दौरान सतर्क रहने तथा अपने आसपास की परिस्थितियों के प्रति सजग रहने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के अनावश्यक स्नेह, दुलार या व्यवहार को सहज मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, यदि उससे असहजता महसूस हो। छात्राओं को अपनी असहजता को पहचानने, अपनी बात स्पष्ट रूप से रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर विश्वसनीय व्यक्ति से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आज जिले में सत्यनिष्ठा की शपथ के साथ शुभारंभ हुआ। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अधिकारियों-कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। सभी ने अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी और पारदर्शिता से करते हुए जनहित में कार्य करने तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध सजग रहने का संकल्प लिया। जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में भी अधिकारियों-कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा ली। केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार इस वर्ष 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' की थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में सप्ताह के प्रथम दिन शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रतिज्ञा के दौरान अधिकारियों कर्मचारियों ने जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी और कानून के शासन का पालन करने, न रिश्वत लेने और न ही रिश्वत देने, सभी कार्यों को ईमानदारी एवं पारदर्शिता से करने तथा व्यक्तिगत व्यवहार में सत्यनिष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत करने की शपथ ली।

राशन कार्ड के अभाव में भूख से जूझ रहे राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र पहाड़ी कोरवा परिवार

विश्व केसरी



लखनपुर (रिक्की)। केंद्र और राज्य सरकार विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही हैं। इसके बावजूद सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चांदों के आश्रित ग्राम घंटा डुगु में रहने वाले कई पहाड़ी कोरवा परिवार आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। इन परिवारों के पास राशन कार्ड नहीं होने के कारण उन्हें शासकीय राशन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि परिवारों को अपनी जरूरत का राशन बाजार की दुकानों से पैसे देकर खरीदना पड़ रहा है। आर्थिक तंगी के बीच जीवनयापन कर रहे कोरवा परिवारों के सामने भोजन जुटाना चुनौती बन गया है।

बार-बार गुहार, फिर भी नहीं बना राशन कार्ड - प्रभावित पहाड़ी कोरवा परिवारों का आरोप है कि उन्होंने राशन कार्ड बनवाने के लिए सरपंच और सचिव से कई बार गुहार लगाई। उन्हें हर बार आश्वासन तो मिला, लेकिन अब तक राशन कार्ड नहीं बन सका है। ग्रामीणों के मुताबिक, राशन कार्ड नहीं होने से वे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले खाद्यान्न का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। ऐसे में उन्हें मजबूरी में दुकानों से राशन खरीदकर परिवार का पेट पालना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सीमित आय और आर्थिक परेशानियों के बीच बाजार से राशन खरीदना उनके लिए मुश्किल साबित हो रहा है। सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने की उम्मीद में वे लगातार जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदारों से संपर्क कर रहे हैं लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

प्रधानमंत्री जनमन योजना का उद्देश्य भी सवालों के घेरे में - विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) संचालित किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य इन समुदायों तक पक्का मकान, पेयजल, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, संचार सुविधा और आजीविका के अवसर जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है।

कलेक्टर अजीत वसंत ने साप्ताहिक बैठक में योजनाओं की समीक्षा कर दिए निर्देश



विश्व केसरी

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। कलेक्टर अजीत वसंत ने सोमवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। बैठक में जिले में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों में प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई तथा पूर्व में दिए गए निर्देशों पर प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर कलेक्टर प्रताप विजय खेस्स, नगर निगम आयुक्त विनय अग्रवाल सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर वसंत ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों का गंभीरता से गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करने, संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करने निर्देश दिए। वहीं डीएमएफ अंतर्गत वसूली प्रकरणों की स्थिति, डीएमएफ अंतर्गत अपूर्ण कार्यों की जानकारी, जाति प्रमाणपत्र एवं जन्म प्रमाणपत्र निर्माण में प्रगति की जानकारी, मुआवजा प्रकरणों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जनदर्शन, जन चौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल आदि पर समीक्षा की गई।

शबरी के बेर से मिटेगा भारत का बैर, प्रेम और समरसता से होगा राष्ट्र का उत्थान : सदगुरु ऋतेश्वर

विश्व केसरी



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। आनंदम धाम में आयोजित शरद पूर्णिमा महोत्सव में सदगुरु ऋतेश्वर जी ने माता शबरी की भक्ति को सामाजिक समरसता का आदर्श बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में जाति-पांति, ऊंच-नीच और आपसी वैमनस्य से विभाजित समाज को प्रेम और सद्भाव की आवश्यकता है। महानदी के पावन संगम पर स्थित शिवरीनारायण धाम से ऐसा संदेश निकलेगा, जो भारत के आपसी बैर को मिटाकर एकता का मार्ग प्रशस्त करेगा।

उन्होंने कहा, 'शबरी के बेर चखकर भारत के बैर मिटेंगे और भारत का उत्थान होगा।' माता शबरी की गुरु-निष्ठा का उल्लेख करते हुए गुरुदेव ने कहा कि मतंग ऋषि के वचनों पर विश्वास रखकर शबरी ने 80 वर्षों तक भगवान की प्रतीक्षा की। वे प्रतिदिन मार्ग की सफाई करतीं और प्रभु के आगमन की तैयारी करतीं। अंतत: भगवान श्रीराम उनकी कुटिया पहुंचे। शबरी ने पहले गुरु की चरण-पादुकाओं को प्रणाम किया, फिर प्रभु के चरणों में नमन किया। गुरुदेव ने कहा कि भगवान श्रीराम ने न जाति देखी, न पांति, न ऊंच-नीच और न स्त्री-पुरुष का भेद। उन्होंने शबरी के निर्मल प्रेम और गुरु के प्रति अटूट समर्पण को स्वीकार किया। यही भाव भारत को सामाजिक भेदभाव से मुक्त कर रामराज्य के आदर्शों की ओर अग्रसर कर सकता है।

चिरमिरी के बरतूंगा में बिक रही अवैध महुआ शराब

विश्व केसरी



चिरमिरी (राजेश उपाध्याय)। कोरिया जिले के अंतर्गत आने वाले चिरमिरी के बरतूंगा क्षेत्र में अवैध महुआ शराब का कारोबार इन दिनों अपनी चरम सीमा पर है। पुलिस प्रशासन की तमाम सख्ती और समय-समय पर की जाने वाली कार्रवाई के बावजूद अवैध शराब के कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं। मोटी कमाई के लालच में तस्कर कानून को ठेंगा दिखाकर बेखौफ होकर इस अवैध धंधे को संचालित कर रहे हैं।

विश्वसनीय सूत्रों से हुआ बड़ा खुलासा - विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बरतूंगा क्षेत्र में अवैध महुआ शराब का एक बड़ा नेटवर्क सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

होम डिलीवरी का खेल: सूत्रों का कहना है कि देवराज नामक एक व्यक्ति इस अवैध कारोबार में संलिप्त है, जो फोन पर ऑर्डर लेकर ग्राहकों तक घर-घर यानी होम डिलीवरी के जरिए महुआ शराब पहुंचा रहा है। धार्मिक स्थल के पास खुलेआम बिक्री: वहीं दूसरी ओर, क्षेत्र में स्थित मस्जिद के पास 'टूरी' नामक व्यक्ति द्वारा खुलेआम अवैध महुआ शराब की बिक्री की जा रही है। सरेआम हो रहे इस अवैध कारोबार से स्थानीय रहवासियों और आसपास के लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शंकर मंदिर में गूंजे श्रद्धा के स्वर, पूजा-अर्चना कर आदिकवि को किया नमन

विश्व केसरी



मुंगेली (रवि शुक्ला)। महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर 25 अक्टूबर को मुंगेली नगर स्थित शंकर मंदिर में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना, वंदना एवं जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने आदिकवि महर्षि वाल्मीकि का श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। साथ ही उनके आदर्शों, विचारों और शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन भारतीय संस्कृति, साहित्य और आध्यात्मिक परंपरा की अमूल्य धरोहर है। उनके द्वारा रचित रामायण ने सदियों से समाज को सत्य, धर्म, मर्यादा, त्याग, कर्तव्यपरायणता और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी है।

आदिकवि महर्षि वाल्मीकि के योगदान को किया याद - महर्षि वाल्मीकि को संस्कृत साहित्य के आदिकवि के रूप में प्रतिष्ठित माना जाता है। उनके द्वारा रचित रामायण भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन एवं चरित्र का वर्णन करने के साथ ही समाज को नैतिक और मानवीय मूल्यों की शिक्षा देती है। रामायण में वर्णित सत्य, धर्म, मर्यादा, त्याग, करुणा और कर्तव्य के संदेश आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। उनके विचार समाज में सद्भाव, संस्कार, नैतिकता और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं। परंपरागत मान्यताओं के अनुसार महर्षि वाल्मीकि के पिता का नाम महर्षि प्रचेता तथा माता का नाम चर्षणी बताया जाता है, हालांकि उनके जीवन से संबंधित विभिन्न परंपराओं एवं ग्रंथों में अलग-अलग उल्लेख भी मिलते हैं।

अर्बन साइक्लोन के प्रभाव पर वर्षा की संभावना के मद्देनजर कलेक्टर ने की वीडियो कॉन्फ्रेंस

विश्व केसरी



सक्ती (ईश्वर लोधी)। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टरों की बैठक ली। बैठक में अर्नब साइक्लोन के प्रभाव से प्रदेश में 27 से 29 अक्टूबर तक संभावित वर्षा और मौसम विभाग द्वारा जारी ऑरेंज अलर्ट को देखते हुए जिला प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्यों के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित रखे जाने के निर्देश दिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जिलों में कंट्रोल रूम सक्रिय रखने, राहत एवं बचाव दलों को तैयार रखने और जनहानि रोकने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बता दे कि चक्रवात के प्रभाव से छत्तीसगढ़ प्रदेश में 27 से 29 अक्टूबर तक वर्षा होने की संभावना को देखते हुए राज्य शासन ने सभी जिलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर जयश्री जैन, अपर कलेक्टर के एस पैंकरा, अपर कलेक्टर नवीन भगत, डिप्टी कलेक्टर प्रीतेश राजपूत सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्नब साइक्लोन के उत्तरी आंध्र प्रदेश तट पर लैंडफॉल करने की संभावना है। इसके प्रभाव से 27 अक्टूबर को सुकमा एवं दंतेवाड़ा जिले तथा 28 और 29 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों में वर्षा होने की संभावना है।

शेयर बाजार ने जोरदार की वापसी, मार्केट कैप करीब 5 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार ने सोमवार को लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद दमदार वापसी की। दिन के अंत में सेंसेक्स 482.92 अंक या 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,606.75 और निफ्टी 153.20 अंक या 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,675 पर बंद हुआ।

इस तेजी से बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केट कैप करीब 5 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 456 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो कि शुक्रवार को करीब 451 लाख करोड़ रुपए था।



बाजार में व्यापक आधार पर तेजी देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 245.55 अंक या 1.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,985.00 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 664.75 अंक या 1.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 56,465.40 पर बंद हुआ।

सूचकांकों में निफ्टी मेटल (2.21 प्रतिशत), निफ्टी हेल्थकेयर (1.77 प्रतिशत) और निफ्टी फार्मा (1.76 प्रतिशत) की मजबूती के साथ टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी कमोडिटीज (1.60 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (1.46 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (1.35 प्रतिशत), निफ्टी इन्फ्रा (1.25 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया डिफेंस (1.18 प्रतिशत), निफ्टी पीएसई (1.12 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग (1.03 प्रतिशत) और निफ्टी आईटी (0.87 प्रतिशत) की मजबूती के साथ सबसे ज्यादा बढ़ने वाले सूचकांक थे। केवल निफ्टी मीडिया (0.34 प्रतिशत) और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.21 प्रतिशत) की गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पैक में अदाणी पोर्ट्स, इटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, इंडिगो, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, इन्फोसिस, एक्सिस बैंक, एलएंडटी, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, टाइटन, आईटीसीआईसीआई बैंक,टेक महिंद्रा, टीसीएस, एसबीआई और एमएंडएम गेनर्स थे। दूसरी तरफ बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी, एचसीएल टेक और पावर ग्रिड लूजर्स थे। वहीं, एचयूएल और सन फार्मा सपाट बंद हुए। जानकारों ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार आज के सत्र में रिकवरी देखने को मिली, जिसमें वैल्यू बाइंग और मेटल, बिजली और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों का मजबूती का योगदान रहा। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और फेड, ईसीबी और बैंक ऑफ जापान के नीतिगत फैसलों से पहले बरती जा रही सतर्कता ने बाजार के रुख को संतुलित रखा। उन्होंने आगे कहा कि पिछले सप्ताह की तेज गिरावट के बाद मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में भी कुछ सुधार देखने को मिला, हालांकि निवेशक चुनिंदा बने रहे और उन्होंने मुनाफे की स्पष्टता और बेहतर वैल्यूएशन को प्राथमिकता दी।

भारत के कंज्यूमर और रिटेल क्षेत्र में तीसरी तिमाही में हुईं 127 डील्स

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत के कंज्यूमर और रिटेल क्षेत्र में 2026 की तीसरी तिमाही में 127 डील्स रिकॉर्ड की गई हैं और इनकी वैल्यू करीब 1.92 अरब डॉलर रही। इसमें विलय और अधिग्रहण (एमएंडए), प्राइवेट इक्विटी एवं वेंच कैपिटल (पीईएंडवीसी) और पब्लिक मार्केट लेनदेन शामिल हैं। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीओ और क्यूआईपी को छोड़कर, एमएंडए और पीई/वीसी की ओर से कंज्यूमर और रिटेल क्षेत्र में 113 डील्स की गई हैं, जिनका कुल मूल्य 94.8 करोड़ डॉलर रहा। पिछली तिमाही की तुलना में, डील्स की संख्या में 19 प्रतिशत और उनके कुल मूल्य में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आईपीओ और क्यूआईपी का योगदान 97.5 करोड़ डॉलर रहा, जो कुल डील वैल्यू का 51 प्रतिशत है। वहीं, निवेशकों की दिलचस्पी मुख्य रूप से ब्रांडेड कंज्यूमर व्यवसायों, खासकर ज्वेलरी, कपड़े और लाइफस्टाइल से जुड़े क्षेत्रों में बनी रही।

2026 की तीसरी तिमाही में एमएंडए गतिविधियों के तहत 22.9 करोड़ डॉलर मूल्य की 29 डील्स हुईं, जबकि दूसरी तिमाही में 17.9 करोड़ डॉलर मूल्य की 19 डील्स हुई थीं। घरेलू डील्स की संख्या कुल डील्स का 76 प्रतिशत और उनका कुल मूल्य 86 प्रतिशत रहा, जो भारतीय रणनीतिक खरीदारों द्वारा किए जा रहे एकीकरण को दर्शाता है। कपड़ा, परिधान और आभूषण क्षेत्र का एमएंडए मूल्य में 59 प्रतिशत योगदान रहा। पर्सनल केयर और एफएमसीजी क्षेत्रों में भी रणनीतिक खरीदारों ने दिलचस्पी दिखाई, क्योंकि वे अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करना चाहते थे। पीईएंडवीसी गतिविधियां डील्स में सबसे बड़ा योगदान देने वाली रहीं। इसमें 71.9 करोड़ डॉलर मूल्य के 84 सौदे हुए, जो कुल डील्स की संख्या का 74 प्रतिशत और एमएंडए और पीई/वीसी डील्स के कुल मूल्य का 76 प्रतिशत है। इसके अलावा, वॉल्यूम के हिसाब से निवेश गतिविधियों में तिमाही-दर-तिमाही 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें अर्ली-स्टेज और मिड-मार्केट के डील्स ने मुख्य भूमिका निभाई। रिपोर्ट के अनुसार, रिटेल टेक्नोलॉजी क्षेत्र में सबसे अधिक निवेश आया।

पर्सनल केयर सेगमेंट में डील्स के मूल्य में छह गुना वृद्धि दर्ज की गई, जबकि ई-कॉमर्स, 2024 की चौथी तिमाही के बाद पहली बार, वॉल्यूम के लिहाज से सबसे सक्रिय सेगमेंट बनकर उभरा। तीसरी के दौरान पब्लिक मार्केट की गतिविधियों में तेजी आई; नौ आईपीओ के जरिए 71.3 करोड़ डॉलर और पांच क्यूआईपी के जरिए 26.2 करोड़ डॉलर जुटाए गए।

एथेनॉल-आधारित मोबिलिटी को बढ़ावा; फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए सरकार ने लागू किए ई100 ईंधन मानक

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एथेनॉल-आधारित हरित ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में संशोधन किया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सोमवार से फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए 100 प्रतिशत एथेनॉल (ई100) ईंधन से संबंधित नए उत्सर्जन और ईंधन मानक लागू हो गए हैं।

नए नियमों के तहत सरकार ने विभिन्न उत्सर्जन मानकों और परीक्षण प्रक्रियाओं में केवल ई85 ईंधन के संदर्भों को बदलकर ई85 या ई100 कर दिया है। इससे फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों में 100 प्रतिशत एथेनॉल ईंधन के उपयोग का मार्ग प्रशस्त हो गया है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि ई85 या ई100 ईंधन का उपयोग केवल उन्हीं फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों में किया जा सकेगा, जिन्हें मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) इस प्रकार के ईंधन के लिए डिजाइन करेंगे। संशोधित नियमों में कुछ वाहन और ईंधन श्रेणियों में भी बदलाव किए गए हैं। उदाहरण के लिए, एक उत्सर्जन तालिका में सकल वाहन भार की सीमा 3,000 किलोग्राम से बढ़ाकर 3,500 किलोग्राम कर दी गई है। इसके अलावा हाइड्रोजन-कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (एचसीएनजी), 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20), बायोडीजल मानकों और उत्सर्जन परीक्षण से संबंधित तकनीकी संशोधन भी किए गए हैं। इस वर्ष की शुरुआत में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि यदि वाहन पूरी तरह एथेनॉल पर चलें तो ईंधन की लागत लगभग 25 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल के बराबर हो सकती है।

उन्होंने यह भी कहा था कि 'दुनिया के 19 देशों में एथेनॉल का उपयोग हो रहा है और भारत में भी अब तक इससे वाहनों को लेकर कोई बड़ी शिकायत सामने नहीं आई है।'

इस बीच, ब्रिकवर्क रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि यदि देश में ई25 मिश्रण का लक्ष्य हासिल किया जाता है तो वित्त वर्ष 2030-31 तक एथेनॉल की मांग बढ़कर 17.9 अरब लीटर तक पहुंच सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान 18.25 अरब लीटर की स्थापित डिस्टिलेशन क्षमता इस मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। यदि एथेनॉल मिश्रण स्तर ई20 पर बना रहता है, तब भी मांग लगभग 14.3 अरब लीटर रहने का अनुमान है, जो मौजूदा क्षमता के लगभग 78 प्रतिशत उपयोग के बराबर होगा।

भारत में ऑफिस लीजिंग तीसरी तिमाही में मजबूत रही, बीएफएसआई और फ्लैक्स स्पेस से मिला सपोर्ट : रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत का ऑफिस रियल एस्टेट मार्केट 2026 की जुलाई-सितंबर तिमाही में मजबूत रहा है और इस दौरान बीएफएसआई और फ्लैक्स स्पेस कंपनियों की ओर से मांग को सपोर्ट मिला है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

वर्कप्लेस सॉल्यूशंस फर्म वेस्टियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में ऑफिस स्पेस की खपत 2026 की तीसरी तिमाही में 23.7 मिलियन स्क्वायर फीट रही है। इसमें सालाना आधार पर 20 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। हालांकि, भू-राजनीतिक अस्थिरता के चलते मांग तिमाही आधार पर समान रही है।

रिपोर्ट में बताया कि 2026 तीसरी तिमाही में ऑफिस स्पेस की खपत का आंकड़ा अब तक रिकॉर्ड किया गया सबसे बड़ा डेटा है। इसमें बड़े शहरों में ग्रेड-ए के ऑफिस स्पेस की मांग मजबूत रही है। हालांकि, आईटी-आईटीईएस सेक्टर ऑफिस लीजिंग में सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना रहा, लेकिन कुल खपत में इसकी हिस्सेदारी 2026 की दूसरी तिमाही के 41 प्रतिशत और 2025 की तीसरी तिमाही के 31 प्रतिशत से घटकर इस तिमाही में 23 प्रतिशत रह गई।

रिपोर्ट के अनुसार, इसके विपरीत बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) सेक्टर की हिस्सेदारी में भारी उछाल आया और यह 20 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो पिछली तिमाही में 8 प्रतिशत और एक साल पहले 15 प्रतिशत थी।

फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस ऑपरेटर ने 2026 की तीसरी तिमाही में ऑफिस स्पेस की खपत को बढ़ावा दिया। इस दौरान कुल लीजिंग में फ्लेक्स स्पेस और मैनेज्ड ऑफिस की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत रही। यह पिछले तिमाही के 22 प्रतिशत से थोड़ा कम है, लेकिन एक साल पहले दर्ज किए गए 14 प्रतिशत से काफी अधिक है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस तिमाही में कुल लीजिंग गतिविधि में बीएफएसआई और फ्लेक्स स्पेस का संयुक्त योगदान 40 प्रतिशत रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक, मांग के बदलते पैटर्न का असर अलग-अलग शहरों में भी देखने को मिला। चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता में बीएफएसआई कंपनियां ऑफिस स्पेस खपत को बढ़ावा देने में आगे रहीं, जबकि पुणे और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस ऑपरेटरों की लीजिंग गतिविधि सबसे ज्यादा रही।

सोने-चांदी में लौटी चमक, सिल्वर में 0.74 प्रतिशत की उछाल

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। कई दिनों की लगातार गिरावट के बाद हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में रिकवरी देखने को मिली। पिछले सप्ताह सोना और चांदी दोनों तेज दबाव में रहे थे, लेकिन कारोबारी सप्ताह के पहले दिन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में खरीदारी लौटने से दोनों कीमती धातुओं के भाव में तेजी दर्ज की गई। हालांकि बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह फिलहाल तकनीकी रिकवरी है और निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 27-28 अक्टूबर को होने वाली नीतिगत बैठक और अमेरिका के पीसीई मुद्रास्फीति आंकड़ों पर बनी हुई है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर वायदा भाव करीब 0.50 प्रतिशत यानी 761 रुपए चढ़कर 1,42,733 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार करता दिखाई दिया। वहीं चांदी का दिसंबर वायदा भाव 0.49 प्रतिशत यानी 968 रुपए की तेजी के साथ 1,96,687 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया।

वहीं दिन के कारोबार में सोना एक समय अपने पिछले बंद भाव 1,42,024 रुपए से 864 रुपए यानी 0.60 प्रतिशत उछलकर 1,42,888 रुपए प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, तो वहीं चांदी एक समय अपने पिछले बंद 1,95,719 रुपए से 1,467 रुपए यानी 0.74 प्रतिशत उछलकर 1,97,186 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी।

पिछले सप्ताह सोना करीब 4 प्रतिशत और चांदी 7 प्रतिशत से अधिक टूट गई थी, ऐसे में निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी दिखाई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोना और चांदी दोनों में सुधार देखा गया। सोमवार सुबह के कारोबार में सोना 0.48 प्रतिशत चढ़कर 4,027 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई दिया, हालांकि इसने 0.50 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ 4,032.90 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छुआ।

वहीं, सुबह के कारोबार में चांदी 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 54.35 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती नजर आई। हालांकि कारोबारी सत्र में इसने 0.90 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के साथ 54.47 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छुआ।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह स्पॉट गोल्ड पहली बार जुलाई के बाद 4,000 डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसल गया था, जिससे बाजार में भारी दबाव बन गया था।

विश्लेषकों के अनुसार, 4,000 डॉलर का स्तर सोने के लिए एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक समर्थन (सपोर्ट) क्षेत्र साबित हो रहा है। हालिया गिरावट के बाद इस स्तर पर खरीदारी लौटने से कीमतों को सहारा मिला है। हालांकि अभी भी बाजार में सावधानी बनी हुई है क्योंकि ऊंची ऊर्जा कीमतें महंगाई संबंधी चिंताओं को बढ़ा रही हैं।

बाजार की सबसे बड़ी नजर अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक पर है। विशेषज्ञों के अनुमानों के मुताबिक, अक्टूबर की बैठक में ब्याज दर बढ़ने की संभावना सीमित है, लेकिन दिसंबर में दर बढ़ोतरी की आशंका अभी भी बनी हुई है। यही वजह है कि सोने और चांदी में बड़े निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिकी पर्सनल कंजम्प्शन एक्सपेंडिचर (पीसीई) मुद्रास्फीति आंकड़े बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। यदि महंगाई उम्मीद से अधिक रहती है तो ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा बनाए रखने की संभावना बढ़ सकती है, जो सोने और चांदी के लिए नकारात्मक संकेत माना जाएगा।

रायपुर की बेटी सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट सुगंधा जैन ने डब्ल्यूआईआई देहरादून में दी पोश पर मैंडेट ट्रेनिंग

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। राजधानी रायपुर में पढ़ी-बढ़ी सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट सुगंधा जैन ने देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान में पोश पर मैंडेट ट्रेनिंग दी।

संस्थान में 22 और 23 अक्टूबर को दो दिवसीय मैंडेट ट्रेनिंग का आयोजन डब्ल्यूआईआई के एम्प्लॉईज के लिए किया गया था।

इस सत्र की सबसे खास बात इसका इंटरैक्टिव होना रहा। यह अब तक का सबसे ज्यादा इंटरैक्टिव सेशन बताया जा रहा है, जहाँ डब्ल्यूआईआई के एम्प्लॉईज खुलकर अपनी बात रख पाए, अपने सवाल पूछ पाए और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पा सके।

एडवोकेट सुगंधा जैन ने पोश एक्ट 2013, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की परिभाषा, इंटरनल कमेटी के गठन और उसकी कार्यप्रणाली, शिकायत करने की प्रक्रिया और शिकायतकर्ता के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।



एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल रायपुर में फेफड़ों की सेहत और सांस से जुड़ी बीमारियों पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

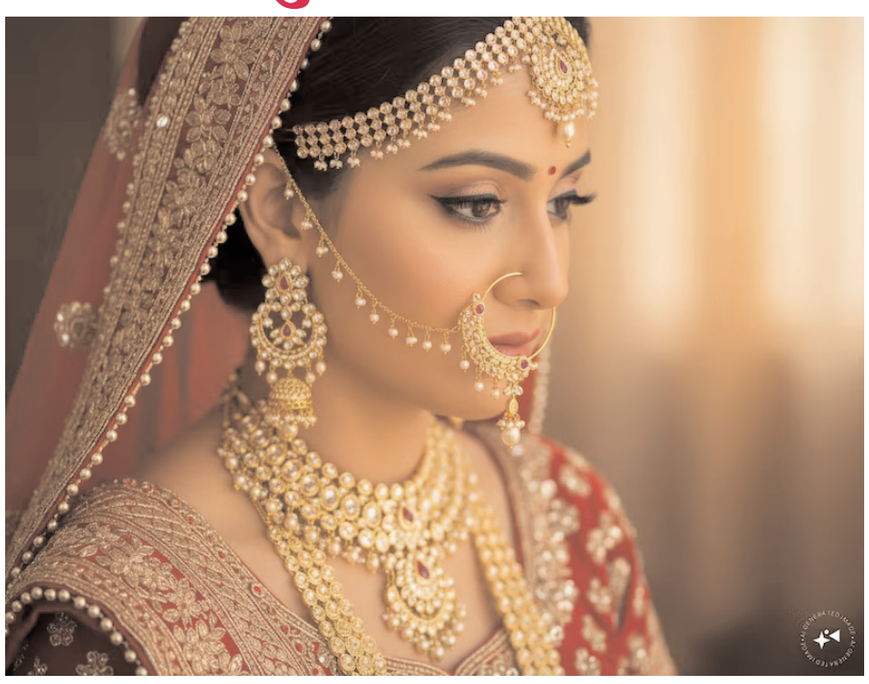
विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल रायपुर ने सांस की सेहत से जुड़े जागरूकता सप्ताह के दौरान 'हर सांस, हर पल' विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की। इसका उद्देश्य लोगों को फेफड़ों की सेहत, सांस से जुड़ी आम बीमारियों और उनसे बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक करना था। चर्चा में विशेषज्ञों ने बताया कि प्रदूषण, धूम्रपान, संक्रमण और रोजमर्रा की कुछ आदतें फेफड़ों को कैसे प्रभावित कर सकती हैं और समय पर इलाज क्यों जरूरी है।

इस चर्चा में डॉ. दिपेश मस्के, सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनोलॉजी; डॉ. आकांक्षा सरडा सक्सेना, एसोसिएट कंसल्टेंट, पल्मोनोलॉजी; और डॉ. दिव्या मल्ले, एसोसिएट कंसल्टेंट, पल्मोनोलॉजी शामिल थीं। सत्र का संचालन डॉ. जितेंद्र चंद्राकर, कंसल्टेंट, इमरजेंसी मेडिसिन ने किया। कार्यक्रम में मीडिया प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों ने भी हिस्सा लिया। चर्चा के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि लोग अक्सर फेफड़ों की सेहत पर तब ध्यान देते हैं, जब परेशानी बढ़ जाती है। लगातार खांसी, सांस फूलना या सांस लेते समय घरघराहट जैसी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इन्हें केवल मौसम, उम्र या थकान का असर मानने के बजाय डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। विशेषज्ञों ने बाहर और घर के अंदर होने वाले वायु प्रदूषण के बारे में भी बात की। खाना बनाते समय निकलने वाला धुआं, सिगरेट का धुआं, वेपिंग और ई-सिगरेट फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगरबत्ती, मच्छर भगाने वाली कॉइल और रूम फ्रेशनर से निकलने वाला धुआं या खुशबूदार कण भी कुछ लोगों में सांस की परेशानी बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों ने घर और काम की जगह पर प्रदूषण से बचने के आसान तरीके बताए। उन्होंने यह भी समझाया कि ह्95 मास्क प्रदूषण के कुछ कणों से बचाव में मदद कर सकता है, लेकिन यह हर तरह के प्रदूषण से पूरी सुरक्षा नहीं देता। पैनल में अस्थमा और सीओपीडी जैसी बीमारियों से जुड़ी आम गलतफहमियों पर भी चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि अस्थमा केवल बचपन में ही नहीं, बल्कि बड़ों में भी हो सकता है। उन्होंने इनहेलर के सही इस्तेमाल और उससे जुड़ी चिंताओं को दूर करने पर जोर दिया। डॉक्टर की सलाह के अनुसार इनहेलर का इस्तेमाल करना चाहिए और गलतफहमी या इसकी आदत पड़ने के डर से दवा अपने आप बंद नहीं करनी चाहिए। सांस से जुड़े संक्रमण और टीबी भी चर्चा के अहम विषय रहे। विशेषज्ञों ने बताया कि लंबे समय तक खांसी रहने या दूसरे चिंताजनक लक्षण दिखने पर डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। जरूरत के अनुसार टीकाकरण और बचाव के दूसरे उपाय भी अपनाने चाहिए। बुजुर्गों में निमोनिया का खतरा और उससे होने वाली परेशानियां अधिक गंभीर हो सकती हैं। मोटापा और नींद के दौरान सांस रुकने की समस्या, जिसे स्लीप एपनिया कहते हैं, भी फेफड़ों की सेहत को प्रभावित कर सकती है।

सोलह श्रृंगार में क्या-क्या आता है? जानें हिन्दूओं में शादीशुदा महिलाएं क्यों करती हैं सोलह श्रृंगार



सोलह श्रृंगार में सोलह चीजों का इस्तेमाल होता है. इसे शादीशुदा महिलाएं पूजा-पाठ जैसे खास मौकों पर करती है. इसी कड़ी में 29 अक्टूबर को करवा चौथ का व्रत रखने वाली महिलाएं सोलह श्रृंगार करके अपनी सुहाग की लंबी उम्र के लिए प्रर्थना करेंगी. लेकिन क्या आप जानते हैं, सोलह श्रृंगार में क्या-क्या चीजें आती हैं और इसका क्या महत्व है. चलिए इस लेख में समझते हैं.

हिंदू परंपराओं में सोलह श्रृंगार को सुंदरता, सौभाग्य और सुहाग का प्रतीक माना जाता है. ये परंपरा माता पार्वती से भी जुड़ी है, जिन्हें सुखी वैवाहिक जीवन और प्रेम का प्रतीक माना जाता है. सोलह श्रृंगार का अर्थ है सोलह तरह की सजने-संवरने की चीजें. इसमें मेकअप, आभूषण, कपड़े और अन्य पारंपरिक सजने-संवरने की वस्तुएं शामिल होती हैं. करवा चौथ पर भी कई महिलाएं पूजा और चंद्रमा को अर्घ्य देने से पहले सोलह श्रृंगार करती हैं.

सोलह श्रृंगार में शामिल हैं ये 16 चीजें: सिंदूर- सिंदूर को सुहाग का प्रतीक माना जाता है. विवाहित महिलाएं मांग में सिंदूर लगाती हैं. करवा चौथ पर इसे लगाना कई महिलाओं के लिए खास परंपरा है.

बिंदी- माथे पर लगाई जाने वाली बिंदी चेहरे की सुंदरता बढ़ाती है. लाल बिंदी को शुभता और पारंपरिक सौंदर्य और मातृत्व से जोड़कर देखा जाता है. ये भी माना जाता है कि बिंदी लगाने से एकाग्रता बढ़ती है और मानसिक शक्ति में सुधार होता है.

काजल- काजल आंखों को आकर्षक बनाता है और मेकअप को पूरा करता है. पारंपरिक मान्यताओं में इसे बुरी नजर से बचाव से भी जोड़ा जाता है. पुराने समय में इसे घी से तैयार किया जाता था, माना जाता था कि इससे आंख की सफाई होती है और रोशनी तेज होती है. हालांकि इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है.

मेहंदी- मेहंदी करवा चौथ की खास पहचान है. महिलाएं हाथों और कभी-कभी पैरों पर भी सुंदर डिजाइन बनवाती हैं. इसे प्रेम, खुशी और शुभ अवसरों का प्रतीक माना जाता है.

चूड़ियां- लाल, हरी और रंग-बिरंगी चूड़ियां पारंपरिक श्रृंगार का अहम हिस्सा हैं. कई समुदायों में इन्हें सुहाग और खुशहाली से जोड़कर देखा जाता है. ये भी माना जाता है कि चूड़िया बनने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है.

मंगलसूत्र- मंगलसूत्र विवाहित महिलाओं के लिए विवाह के बंधन का प्रतीक है. इसमें अक्सर काले मोती और सोने के डिजाइन होते हैं. हालांकि पहले ये सिर्फ एक धागा हुआ करता था।



लिविंग रूम, सोफे की दीवार, टीवी यूनिट...दिवाली से पहले 3 जगहों को दें लग्जरी लुक, 4 हजार में हो सकता है काम



दिवाली पर घर को नया लुक देने के लिए महंगे रेनोवेशन की जरूरत नहीं. PVC और WPC पैनल, LED स्ट्रिप लाइट और आकर्षक वॉल डिजाइन से घर की खूबसूरती बढ़ाई जा सकती है. गाजीपुर के इंटीरियर डिजाइनर पिंटू बता रहे हैं कि लिविंग रूम, टीवी यूनिट और बेडरूम को कैसे सजाएं. लोकल 18 से वे कहते हैं कि अगर इस दिवाली आप बिना बड़े रेनोवेशन के अपने घर को आकर्षक बनाना चाहते हैं, तो इंटीरियर डिजाइनिंग के कुछ विकल्प आपके काम आ सकते हैं. घर में कुछ खास जगहों पर सजावटी पैनल और सही लाइटिंग लगाकर पूरे कमरे का लुक बदला जा सकता है. इसके लिए जरूरी नहीं कि हर दीवार पर काम कराया जाए.

दिवाली पर घर की साफ-सफाई के साथ उसे नया लुक देने की तैयारी भी शुरू हो जाती है. कोई घर में रंग-रोगन कराता है, तो कोई सजावटी लाइट और नए डिजाइन से दीवारों की खूबसूरती बढ़ाता है. अगर इस दिवाली आप बिना बड़े रेनोवेशन के अपने घर को आकर्षक बनाना चाहते हैं, तो इंटीरियर डिजाइनिंग के कुछ विकल्प आपके काम आ सकते हैं. लोकल 18 से गाजीपुर के इंटीरियर डिजाइनर पिंटू बताते हैं कि घर में कुछ खास जगहों पर सजावटी पैनल और सही लाइटिंग लगाकर पूरे कमरे का लुक बदला जा सकता है. इसके लिए जरूरी नहीं कि हर दीवार पर काम कराया जाए. लिविंग रूम, सोफे के पीछे की दीवार, टीवी यूनिट और बेड के आसपास की जगह को आकर्षक बनाकर घर को नया अंदाज दे सकते हैं.

सोफे की दीवार ऐसे सजाएं

घर में मेहमानों के बैठने की जगह यानी लिविंग रूम का लुक काफी मायने रखता है. ऐसे में सोफे के पीछे की खाली दीवार को डेकोरेटिव PVC या WPC पैनल से सजाया जा सकता है. हल्की LED लाइटिंग लगाने से दीवार को आकर्षक लुक मिलता है. पिंटू के मुताबिक, अगर सोफे के पीछे की दीवार 10म10 फीट की है, तो साधारण डिजाइन में 4,000 से 4,500 रुपये तक खर्च आ सकता है. हालांकि, यह बताए गए अनुमानित रेट हैं. वास्तविक लागत पैनल की गुणवत्ता, डिजाइन, फिटिंग और लाइटिंग के हिसाब से अलग हो सकती है।

न टीवी, न मोबाइल! बेटी की परवरिश के लिए असिन ने अपनाया खास तरीका, घर में भर रखा है ये खजाना



अभिनेत्री असिन और उनके पति राहुल शर्मा ने अपनी बेटी अरिन को टीवी और मोबाइल से दूर रखा है. उनके घर में किताबों और सीखने का माहौल है, जहां अरिन को कई भाषाओं में रुचि है.

आमिर खान की फिल्म 'गजनी' से बॉलीवुड में पहचान बनाने वाली हिरोइन असिन थोट्टुमकल अब फिल्मों से दूर हैं. 26 अक्टूबर को असिन अपना 41वां जन्मदिन मना रही हैं. वह अपनी बेटी अरिन रेन शर्मा की परवरिश पर खास ध्यान देती हैं. उनके पति और माइक्रोमैक्स के सह-संस्थापक राहुल शर्मा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनकी बेटी अब तक टीवी और मोबाइल फोन से दूर है. उनके घर में किताबों को खास जगह दी जाती है. राहुल ने बेटी की परवरिश में असिन की भूमिका की भी तारीफ की.

1. बेटी को टीवी और मोबाइल से रखा दूर

आजकल छोटे बच्चे भी मोबाइल फोन और टीवी पर काफी समय बिताते हैं. वे वीडियो देखते हैं और गेम खेलते हैं. लेकिन असिन और राहुल शर्मा ने अपनी बेटी के लिए अलग तरीका अपनाया है. राहुल ने MyGov India के साथ बातचीत में बताया था कि उनकी बेटी को अब तक टीवी और मोबाइल इस्तेमाल करने की आदत नहीं डाली गई है. उनका मानना है कि बच्चों को किताबें पढ़ने और दूसरी गतिविधियों में समय बिताने का मौका मिलना चाहिए.

2. घर में किताबों की भरमार

राहुल शर्मा ने बताया था कि उनके घर में बहुत सारी किताबें हैं. उन्होंने कहा कि घर में उनकी बेटी के स्कूल से भी ज्यादा किताबें हो सकती हैं. अरिन दूसरी कक्षा में पढ़ती हैं।

ट्रैवलिंग के दौरान हो जाते हैं बीमार? घूमने का मजा न हो खराब, बैग में जरूर रखें ये 5 चीजें



घूमने जाने का प्लान हो और सफर के दौरान तबीयत खराब हो जाए, तो सारा मजा किरकिरा हो जाता है. ऐसे में ट्रिप पर निकलने से पहले बैग में कुछ जरूरी चीजें जरूर रखनी चाहिए, ताकि छोटी-मोटी परेशानियों से निपटने में मदद मिल सके...

घूमने जाने का प्लान हो और सफर के दौरान ही तबीयत खराब हो जाए, तो सारी मौज-मस्ती फीकी पड़ जाती है. कभी सिरदर्द, कभी उल्टी तो कभी पेट खराब होने की वजह से घूमने का प्लान भी बदलना पड़ता है. सफर में खानपान बदलने, कम नींद लेने और साफ-सफाई का ध्यान न रखने से ऐसी परेशानियां हो सकती हैं. इसलिए ट्रिप पर जाने से पहले कपड़ों के साथ कुछ जरूरी चीजें भी बैग में रख लें. ये छोटी-छोटी चीजें जरूरत पड़ने पर आपके काम आ सकती हैं.

सफर के दौरान बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, होटल और घूमने वाली जगहों पर कई चीजों को छूना पड़ता है. ऐसे में हाथों की सफाई का ध्यान रखना जरूरी है. अपने बैग में हैंड सैनिटाइजर जरूर रखें. ऐसा सैनिटाइजर चुनें, जिसमें कम से कम 60 प्रतिशत अल्कोहल हो. खाना खाने से पहले हाथ साफ करें. अगर साबुन और पानी मिल जाए, तो उनसे हाथ धोना सबसे अच्छा है.

सफर में उल्टी या दस्त होने पर शरीर में पानी की कमी हो सकती है. ज्यादा गर्मी में पसीना आने से भी शरीर में पानी और जरूरी लवण कम हो सकते हैं. ऐसी स्थिति में ओआरएस का घोल मदद कर सकता है. इसलिए अपने बैग में ओआरएस के कुछ पैकेट रखें. इसे पैकेट पर लिखे निर्देशों के अनुसार साफ पानी में मिलाकर पिएं. अगर उल्टी या दस्त लगातार हो रहे हैं, तो डॉक्टर से सलाह लें.

अगर आपको सफर में सिरदर्द, एलर्जी या उल्टी जैसी परेशानी होती है, तो डॉक्टर की सलाह से जरूरी दवाइयां साथ रखें. अगर आप रोज कोई दवा लेते हैं, तो ट्रिप के दिनों के हिसाब से उसकी पर्याप्त मात्रा जरूर रख लें. दवाइयों को उनकी पैकिंग में ही रखें, ताकि उन्हें पहचानने में परेशानी न हो. बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक या दूसरी दवाइयां न लें.

घूमते समय कभी पैर में चोट लग जाती है, तो कभी हाथ-पैर छिल जाते हैं. ऐसी छोटी-मोटी परेशानियों के लिए बैग में फर्स्ट एड किट रखना अच्छा रहता है. इसमें बैंडेज, मेडिकल टेप, गॉज और एंटीसेप्टिक वाइप्स रख सकते हैं. इससे छोटी चोट की शुरुआती देखभाल की जा सकती है. अगर चोट गहरी है या खून नहीं रुक रहा है, तो डॉक्टर की मदद लें.

अगर आप घूमने के लिए ऐसी जगह जा रहे हैं, जहां धूप तेज रहती है, तो सनस्क्रीन जरूर रखें. यह त्वचा को धूप से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करती है. वहीं, जंगल, पहाड़ या ऐसी जगहों पर जाने पर जहां मच्छर ज्यादा हों, मच्छरों से बचाने वाला उत्पाद साथ रखें. इसे इस्तेमाल करते समय पैक पर दिए निर्देशों का पालन करें.

इन पांच चीजों के अलावा सफर में कुछ छोटी आदतों का ध्यान रखना भी जरूरी है. पर्याप्त नींद लें, साफ पानी पिएं और ताजा व अच्छी तरह पका हुआ खाना खाएं।

ट्रेन का टिकट कन्फर्म है, लेकिन सफर आरामदायक होगा या नहीं? कोच चुनते समय इन बातों पर दें ध्यान



ट्रेन का कन्फर्म टिकट मिल जाना सफर की सबसे बड़ी चिंता जरूर कम कर देता है, लेकिन आरामदायक यात्रा के लिए सिर्फ टिकट कन्फर्म होना काफी नहीं है. आपने कौन-सा कोच चुना है, आपकी सीट कहां है और सफर दिन का है या रात का, इन बातों का भी काफी असर पड़ता है. एक ही ट्रेन में Sleeper, AC 3 Tier, AC 2 Tier, AC First Class, Chair Car और Second Sitting जैसे अलग-अलग विकल्प मिल सकते हैं.

IRCTC की बुकिंग जानकारी में भी अलग-अलग यात्रा क्लास के विकल्प दिए जाते हैं. ऐसे में टिकट बुक करते समय अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से कोच चुनना समझदारी है.

सफर की लंबाई देखकर चुनें कोच

अगर यात्रा कुछ घंटों की है और दिन में पूरी होनी है, तो Chair Car या दूसरी बैठने वाली क्लास सुविधाजनक हो सकती है. वहीं रातभर या लंबी दूरी का सफर है तो सोने की सुविधा वाला कोच ज्यादा आरामदायक रहता है. लंबे सफर में AC 3 Tier, AC 2 Tier या AC First Class जैसे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है. बजट कम हो तो Sleeper भी एक विकल्प है. हालांकि, किस कोच में कितनी सीटें और किस तरह की बर्थ होंगी, यह ट्रेन के हिसाब से अलग हो सकता है.

AC कोच चुनने का मतलब यह नहीं है कि हर यात्री के लिए वही सबसे अच्छा विकल्प होगा, अगर आपको खुली हवा पसंद है, बार-बार सामान निकालना पड़ता है या सफर छोटा है।

सर्दियों की शाम को खास बना देगा गरमागरम मैकरोनी सूप, टमाटर और रंग-बिरंगी सब्जियों से आएगा स्वाद



सर्दियों में गरमागरम सूप पीना बहुत से लोगों को पसंद होता है, लेकिन रोज एक ही तरह का सूप पीकर मन भर सकता है. अगर आप कुछ अलग बनाना चाहते हैं, तो इस बार घर पर सब्जियों से भरपूर मैकरोनी सूप तैयार कर सकते हैं. इस रेसिपी में मैकरोनी के साथ टमाटर की प्यूरी, प्याज, लहसुन, गाजर, शिमला मिर्च और स्वीट कॉर्न का इस्तेमाल किया जाता है. टमाटर और लहसुन से सूप को अच्छा स्वाद मिलता है, जबकि रंग-बिरंगी सब्जियां इसे और आकर्षक बनाती हैं. मैकरोनी को सब्जियों के साथ सूप में ही पकाया जाता है, जिससे वह सभी चीजों का स्वाद सोख लेती है.

सर्दियों में शाम होते ही कुछ गरमागरम और स्वादिष्ट खाने का मन करने लगता है. ऐसे में कोई चाय के साथ पकौड़े खाना पसंद करता है, तो कोई गरम सूप पीना चाहता है. हालांकि, रोज एक ही तरह का टमाटर या वेजिटेबल सूप पीकर कई बार मन भर जाता है. अगर आप भी सूप में कुछ नया बनाना चाहते हैं, तो इस बार मैकरोनी सूप बनाकर देख सकते हैं. यह एक ऐसी रेसिपी है, जिसमें सूप और पास्ता दोनों का स्वाद एक साथ मिलता है. खास बात यह है कि इसे बनाने के लिए बहुत ज्यादा सामग्री या लंबी तैयारी की जरूरत नहीं पड़ती. घर में रखी मैकरोनी, टमाटर, प्याज, लहसुन और कुछ सब्जियों की मदद से इसे आसानी से तैयार किया जा सकता है.

इसमें गाजर, शिमला मिर्च और स्वीट कॉर्न डालने से स्वाद के साथ रंग भी अच्छा आता है. वहीं, टमाटर की प्यूरी सूप को हल्का खट्टा स्वाद देती है और लहसुन की खुशबू इसे और भी स्वादिष्ट बना देती है. बच्चों को भी मैकरोनी खाना पसंद होता है, इसलिए उनके लिए यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है. इसे शाम की हल्की भूख में या रात के खाने से पहले परोसा जा सकता है. अगर आपके घर में सब्जियां खाने में आनाकानी की जाती है, तो इस तरह सूप बनाकर उन्हें खाने में शामिल कर सकते हैं. आइए जानते हैं घर पर मैकरोनी सूप बनाने का आसान तरीका.

मैकरोनी सूप बनाने के लिए क्या-क्या चाहिए? मैकरोनी सूप बनाने के लिए एक कप मैकरोनी और एक कप टमाटर की प्यूरी लें. इसके अलावा एक बड़ा प्याज, सात से आठ लहसुन की कलियां, आधा कप हरी शिमला मिर्च, आधा कप पीली शिमला मिर्च और आधा कप गाजर की जरूरत होगी. इसमें आधा कप स्वीट कॉर्न भी डालें. स्वाद के लिए एक छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर, थोड़ा इटैलियन मसाला और जरूरत के अनुसार नमक रखें. इसके अलावा एक बड़ा चम्मच तेल या मक्खन और करीब दो कप पानी की जरूरत होगी. अगर आपको ज्यादा पतला सूप पसंद है, तो पानी की मात्रा बढ़ा सकते हैं

सबसे पहले सब्जियों को काटकर तैयार करें: इस रेसिपी को बनाने से पहले सभी सब्जियों को अच्छी तरह धो लें. अब प्याज और लहसुन को बारीक काट लें. इसके बाद हरी और पीली शिमला मिर्च को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें. गाजर को भी बारीक काट लें, ताकि वह जल्दी पक जाए. अगर आप ताजा स्वीट कॉर्न इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उसके दाने अलग कर लें. सब्जियों को छोटे आकार में काटने से सूप पीते समय हर चम्मच में मैकरोनी के साथ सब्जियों का स्वाद भी मिलेगा. इसके अलावा सभी चीजें लगभग एक साथ पकने में भी आसानी होगी.

प्याज और लहसुन को मक्खन में भूनें: अब गैस पर एक गहरा पैन या कड़ाही रखें. इसमें एक बड़ा चम्मच मक्खन या तेल डालकर गर्म



'मैं भी अपनी शर्तों पर जीती हूं', 'दिल पड़ोसी' में दीया का किरदार निभाने पर बोलीं न्यारा एम बनर्जी



"दीया मेरे जैसी है, इसलिए मुझे वह किरदार बहुत पसंद आया" – न्यारा एम बनर्जी

मुंबई । अभिनेती न्यारा एम बनर्जी इन दिनों अपनी सीरीज 'दिल पड़ोसी' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में वह दीया का किरदार निभा रही हैं। न्यारा का कहना है कि उन्हें इस किरदार की सबसे खास बात यह लगी कि दीया बिना किसी झिझक के अपनी पहचान के साथ जीती है। वह अपने फैंसले खुद लेती है। निजी जिंदगी में वह खुद भी इसी तरह की सोच रखती हैं, इसलिए उन्हें दीया का किरदार पसंद आया।

दीया के किरदार के बारे में

बात करते हुए न्यारा ने कहा, ''सच कहूं तो मैं दीया की तरफ इसलिए आकर्षित हुई, क्योंकि मैं भी उसकी ही तरह हूं। उसके अंदर महत्वाकांक्षा है, आत्मविश्वास है और उसे अच्छी तरह पता है कि वह कौन है। मुझे इस किरदार को निभाते हुए काफी अच्छा लगा। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सबसे दिलचस्प किरदार वही होते हैं, जिन्हें आसानी से किसी एक खांचे में नहीं रखा जा सकता। दीया भी उन्हीं में से एक है।''

"दीया जिंदगी में सबकुछ अपने आप होने का इंतजार नहीं करती, बल्कि खुद आगे बढ़कर चीजों को बदलने की कोशिश करती है। मुझे इस किरदार का यही अंदाज पसंद आया।'' – न्यारा एम बनर्जी



शेमारूमी के साथ काम का अनुभव

न्यारा ने आगे कहा, ''शेमारूमी के साथ 'दिल पड़ोसी' में काम करने का अनुभव मेरे लिए काफी दिलचस्प रहा। इस कहानी में कलाकारों को अपने किरदारों के अलग-अलग पहलुओं को दिखाने का मौका मिलता है। यही वजह है कि दीया जैसा किरदार निभाना मेरे लिए खास रहा। मेरा मानना है कि ऐसे किरदार ही सबसे ज्यादा दिलचस्प होते हैं, जो अपनी अलग सोच रखते हैं और जिन्हें सिर्फ अच्छा या बुरा कहकर समझना आसान नहीं होता।''

दिल पड़ोसी

▶ 'दिल पड़ोसी' शेमारूमी पर शेमारू प्रीमियर के तहत स्ट्रीम हो रही है।

प्यार के दर्द और जुदाई की खामोशी को बयां करता है गाना 'मरके विखावांगा': अमित गुप्ता



विश्व केसरी ■

मुंबई। सिंगर अमित गुप्ता ने अपने नए गाने 'मरके विखावांगा' को प्यार के सबसे दर्दनाक पहलू से जुड़ा हुआ बताया है। उन्होंने कहा कि यह गाना किसी ऐसे इंसान को खोने के दर्द को बयां करता है, जो कभी आपकी जिंदगी में सब कुछ हुआ करता था। इस गाने के जरिए प्यार में दिल टूटने, जुदाई के बाद आने वाली खामोशी और रिश्ते के खत्म होने के बाद भी दिल में रह जाने वाली भावनाओं को दिखाने की कोशिश की गई है।

मीडिया के साथ खास बातचीत में अमित गुप्ता ने कहा कि 'मरके विखावांगा' प्यार के उस दर्द को दिखाता है, जिसे शब्दों में बयां करना आसान नहीं होता।

उन्होंने कहा, ''मरके विखावांगा' प्यार के सबसे दर्दनाक पहलू की झलक है। यह उस इंसान को खोने का दुख है, जो आपके लिए सब कुछ था। इस गाने के जरिए हम दिल टूटने के दर्द, प्यार खत्म होने के बाद छा जाने वाली खामोशी और उन भावनाओं को दिखाना चाहते थे, जो रिश्ता खत्म होने के बाद भी हमारे साथ रहती हैं। यह गाना मेरे लिए बेहद निजी है और मुझे उम्मीद है कि सुनने वाले इसकी सच्ची भावनाओं से जुड़ पाएंगे।''

उन्होंने कहा, ''मरके विखावांगा' एक एहसास के साथ शुरू हुआ था और बाद में गाने का रूप ले पाया। मैं ऐसे दिल टूटने के दर्द के बारे में लिखना चाहता था, जो शोर नहीं करता। जब कोई इंसान जिंदगी से चला जाता है, तो उसके बाद जो खामोशी और खालीपन रह जाता है, मैं उसे दिखाना चाहता था। यश ईश्वरी के बोलों ने उन भावनाओं को बयां कर दिया, जिन्हें मैं खुद शब्द नहीं दे पा रहा था। शेन खेम्पराई के प्रोडक्शन ने गाने को वह गहराई दी, जिसकी इसे जरूरत थी। हमने म्यूजिक को आज के दौर के हिसाब से रखा, लेकिन धुन और दर्द को सबसे ज्यादा अहमियत दी।''

सिंगर ने गाने के म्यूजिक वीडियो को लेकर भी अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, ''टीम इसे ज्यादा चमक-दमक वाला वीडियो बनाने के बजाय ऐसा रखना चाहती थी, जो सीधे दिल तक पहुंचे। इसके लिए क्लोज-अप शॉट्स, खामोशी और चेहरे के छोटे-छोटे भावों का इस्तेमाल किया गया।

'पता नहीं कहां भीख मांगेंगे', दीपिका सिंह से शादी के बाद बदली रोहित राज गोयल के परिवार की जिंदगी

विश्व केसरी ■

मुंबई। टीवी डायरेक्टर रोहित राज गोयल ने अपनी पत्नी और एक्ट्रेस दीपिका सिंह की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि दीपिका ने न सिर्फ उन्हें, बल्कि उनके पूरे परिवार को अपनाया और उनका ख्याल रखा। ये सब बातें उन्होंने रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में कही। शो में अपने परिवार और दीपिका के बारे में बात करते हुए रोहित इमोशनल हो गए।

उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी था, जब लोग उनके परिवार को लेकर ऐसी बातें कहते थे कि उनके बच्चों की शादी नहीं होगी और उन्हें आगे चलकर भीख मांगनी पड़ेगी, लेकिन दीपिका के साथ आने से लोगों की सोच बदली।

शो में रोहित ने बताया कि दीपिका ने अपने करियर के पीक पर उनसे शादी करने का फैसला लिया था। उस समय दीपिका टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस थीं, लेकिन उन्होंने शादी के लिए ऐसे इंसान को चुना, जो एक जॉइंट फैमिली में रहता था।

रोहित ने कहा, ''जैसा कि उन्होंने कहा, मैं उनका आशिक हूं। लेकिन कोई आशिक ऐसे ही नहीं बन जाता। अपने करियर के पीक पर दीपिका ने शादी करने का फैसला लिया और वह भी ऐसे लड़के से, जो जॉइंट फैमिली में रहता है। उन्होंने मेरे पूरे परिवार को अपनाया, मेरी मां, पापा, भाई और भाभी को भी।''

इसके बाद रोहित ने अपने पिता और दीपिका के बीच के रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''जिस तरह हम स्पेशल चाइल्ड की बात करते हैं, वैसे ही मेरे पापा भी हैं। उन्हें अपनाना, उनसे बात करना और उनका ख्याल रखना, यह सब सिर्फ दीपिका करती हैं।''

दूसरे सीजन के साथ लौट रहा परिणीति चोपड़ा का शो 'मॉम टॉक्स', नवंबर में स्ट्रीमिंग

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा शो 'मॉम टॉक्स: मां की बात मां के जज्बात' के दूसरे सीजन के साथ वापसी करने जा रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि उनके शो का मकसद पेरेंटिंग से जुड़ी ईमानदार और बेबाक बातचीत को सामने लाना है।

अभिनेत्री ने अपने शो के बारे में बात करते हुए कहा, 'यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि मेरा 'मॉम टॉक्स: मां की बात मां के जज्बात' दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रहा है। इस शो की खासियत है कि यह पेरेंटिंग को लेकर ईमानदार, बेबाक बातचीत को सामने लाता है, जो मदरहुड के नजरिए को पेश करती है।

त्रिनेत्र एआई के को-फाउंडर और चीफ बिजनेस ऑफिसर अजीम लालानी ने शो की वापसी को लेकर कहा, 'पहले सीजन ने दिखाया गया था कि पेरेंटिंग पर बना कंटेंट दर्शकों और ब्रांड पार्टनर्स दोनों के लिए कितना अहम हो



सकता है। सीजन 2 हमें इन पार्टनरशिप्स को अधिक मजबूत करने और शो की बढ़ती पॉपुलैरिटी को आगे ले जाने का मौका देता है।'

सीजन 2 के अप्रोच के बारे में बात करते हुए बुलेट माइक्रोड्रामा के हेड ऑफ एवीओडी एंड पार्टनरशिप्स मुनाफ मर्चेंट ने कहा, 'सीजन 2 के साथ हम चाहते हैं कि 'मॉम टॉक्स' पेरेंटिंग से जुड़ी बातचीत को और आसान और इंटरेस्टिंग बनाए, जिसमें खुली, मजेदार बातों के साथ यंग पेरेंट्स के लिए प्रैक्टिकल जानकारी भी हो। जब सेलिब्रिटी पेरेंट्स अपने खुद के अनुभव शेयर करते हैं और साथ में एक्सपर्ट्स की राय भी मिलती है, तो हम पर्सनल और जानकारी से भरपूर दोनों तरह की बातों को सामने ला पाते हैं।'

'मॉम टॉक्स: मां की बात मां के जज्बात' के दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू हो गई है, जिसमें परिणीति चोपड़ा होस्ट के तौर पर वापसी कर रही हैं। पेरेंटिंग पर आधारित यह टॉक शो नवंबर में बुलेट माइक्रोड्रामा ऐप और जी5 पर स्ट्रीम होगा। पहले सीजन में राघव चड्ढा, इमरान खान, नेहा धूपिया, विक्रांत मैसी और शीतल ठाकुर जैसी जानी-मानी हस्तियों के साथ खुलकर बातचीत हुई थी, जिसमें पर्सनल कहानियों और एक्सपर्ट डिस्कशन के जरिए पेरेंटहुड की असलियत को दिखाया गया था।

अदनान सामी ने फैमिली फ्रेंड्स के साथ किया डे आउट एन्जॉय, पत्नी की होममेड ब्रेड की तारीफ



विश्व केसरी ■

मुंबई। गायक-कंपोजर अदनान सामी अपने काम के साथ-साथ परिवार को भी भरपूर समय देते हैं। सोमवार को गायक ने परिवार के साथ बिताए गए खूबसूरत पल की शानदार झलक शेयर की।

अदनान सामी ने इंस्टाग्राम पर संडे ब्रंच की झलक शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि इस ब्रंच के दौरान स्वादिष्ट खाने और बातचीत के बीच वक्त बिताया। साथ ही उन्होंने अपनी पत्नी रोया सामी खान की तारीफ की, जिन्होंने घर पर प्यार से अलग-अलग तरह की ब्रेड बनाई थीं। उन्होंने लिखा, 'सबसे खूबसूरत एहसास है कि रविवार की सुबह की शुरुआत परिवार जैसे दोस्तों के साथ की जाए और ब्रंच पर साथ में ब्रेड तोड़ी जाए, स्वादिष्ट खाने और प्यारी बातचीत के साथ! सारी अलग-अलग ब्रेड घर पर प्यार से मेरी प्यारी पत्नी रोया सामी खान जान ने ताजा बनाई थीं!'

गायक और संगीतकार अदनान सामी ने अपने जीवन में कुल चार शादियां की हैं। रोया उनकी तीसरी पत्नी हैं, जो कि अफगान-जर्मन मूल की हैं और एक रिटायर्ड आर्मी/डिप्लोमैट अफसर की बेटी हैं।

अदनान सामी हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भाषाओं में भारतीय और पश्चिमी संगीत गाते हैं। उन्हें दुनिया के सबसे तेज कीबोर्ड वादकों और पियानो पर भारतीय शास्त्रीय संगीत बजाने वाले पहले संगीतकार के तौर पर जाना जाता है। गायक को 32 अलग-अलग वाद्ययंत्र बजाने में महारत हासिल है, जिनमें पियानो उनका सबसे प्रमुख वाद्ययंत्र है। उन्हें पियानो पर भारतीय शास्त्रीय संगीत बजाने वाले शुरुआती संगीतकारों में गिना जाता है।

उन्होंने बहुत कम उम्र से संगीत सीखना शुरू किया और पियानो वादन में विशेष महारत हासिल की। उन्हें पियानो पर संतूर और भारतीय शास्त्रीय संगीत बजाने वाले शुरुआती कलाकारों में गिना जाता है। लंबे समय तक पाकिस्तान और अन्य देशों से जुड़े रहने के बाद, उन्होंने भारत में बसने का फैसला किया और 1 जनवरी 2016 को उन्हें आधिकारिक तौर पर भारत की नागरिकता प्रदान की गई। संगीत के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा 26 जनवरी 2020 को उन्हें भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

फिल्म 'ओम' में साई पल्लवी के किरदार का खुलासा, निभा रहीं नित्या रेड्डी का किरदार

विश्व केसरी ■

मुंबई। निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म 'ओम' सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में तमिल स्टार धनुष और मलयालम सुपरस्टार ममूटी लीड रोल में नजर आएंगे। इसी बीच मेकर्स ने फैंस का इंतजार खत्म करते हुए अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार का खुलासा कर दिया है।

हालांकि एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक सोमवार शाम को रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने पहले ही बता दिया है कि वह फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगी।

फिल्म को प्रोड्यूस कर रही प्रोडक्शन कंपनी वंडरबार फिल्म्स ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डायरेक्टर राजकुमार पेरियासामी से मजाकिया अंदाज में पूछा, 'सर, सब लोग पूछ रहे हैं कि साई पल्लवी की झलक कब आएगी, बता दें क्या सर,



राजकुमार केपी?'

इस ट्वीट का जवाब देते हुए डायरेक्टर राजकुमार पेरियासामी ने कहा, 'बेझिझक बता सकते हैं। आज, 26 अक्टूबर को शाम 6 बजे। फिल्म में अभिनेत्री साई पल्लवी नित्या रेड्डी का किरदार निभाएंगी।' बॉलीवुड स्टार नसीरुद्दीन शाह भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टाइटल के साथ 'चैप्टर 1' की टैगलाइन है, जिससे संकेत मिलता है कि इसका सीक्वल भी आ सकता है।

कुछ समय पहले मेकर्स द्वारा रिलीज किए गए टाइटल टीजर से पता चला था कि कहानी लाल चंदन काटकर जीवन यापन करने वालों के इर्द-गिर्द घूमती है। धनुष खुद फिल्म में एक लकड़हारे की भूमिका में हैं। टीजर में दिखाया गया था कि पुलिसकर्मी अवैध रूप से लाल चंदन काट रहे लकड़हारों को पकड़ रहे हैं। जैसे ही वे बंदूक की नोक पर मजदूरों को बंधक बनाते हैं, धनुष उन्हें बचाने के लिए आता हुआ दिखाई देता है। फिल्म इस साल 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बता दें कि मेकर्स ने पहले फिल्म को 16 अक्टूबर को रिलीज करने का प्लान बनाया था।

भारत-नीदरलैंड्स आर्थिक रिश्तों को नई मजबूती, व्यापार और निवेश बढ़ाने पर जोर: पीयूष गोयल

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नीदरलैंड्स के साथ व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को और मजबूत बनाने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई है। अपनी नीदरलैंड्स यात्रा के दौरान उन्होंने समुद्री परिवहन, लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन और भारतीय समुदाय से जुड़े कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया तथा दोनों देशों के बीच नई आर्थिक संभावनाओं पर चर्चा की।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान गोयल ने यूरोप के सबसे बड़े बंदरगाह पोर्ट ऑफ रॉटरडैम का दौरा किया, जहां उनके साथ बंदरगाह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बोडेवाइन सीमोंस भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रॉटरडैम यूरोपीय बाजारों तक भारतीय उत्पादों की पहुंच का एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है और वैश्विक व्यापार तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं में इसकी रणनीतिक भूमिका बेहद अहम है।



गोयल ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच पोर्ट-आधारित विकास, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार, सप्लाई चेन कनेक्टिविटी को मजबूत करने और व्यापार एवं निवेश के नए अवसरों को बढ़ावा देने पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। उन्होंने कहा कि भारत अपने बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और विश्वस्तरीय समुद्री अवसंरचना के विकास पर तेजी से काम कर रहा है तथा इस क्षेत्र में नीदरलैंड्स की विशेषज्ञता भारत के लिए काफी उपयोगी हो सकती है।

उन्होंने कहा कि भारत और नीदरलैंड्स के बीच समुद्री क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं, विशेष रूप से ऐसे समय में जब भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच रही है। भारत-ईयू एफटीए लागू होने के बाद भारतीय निर्यातकों के लिए यूरोपीय बाजारों में बड़े अवसर पैदा होंगे। ऐसे में नीदरलैंड्स के अत्याधुनिक बंदरगाह, मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और यूरोप के विभिन्न बाजारों से उसकी उत्कृष्ट कनेक्टिविटी भारत-यूरोप व्यापार को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बयान में आगे कहा गया है कि अपने दौरे के दौरान गोयल ने एम्स्टर्डम स्थित वाल्डोर्फ एस्टोरिया में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया, जिसमें लगभग 70 भारतीय मूल के कारोबारी, पेशेवर और सामुदायिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

गोयल ने भारतीय समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि प्रवासी भारतीय, भारत और नीदरलैंड्स के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

ब्राजील का राष्ट्रपति चुनाव: दूसरे दौर में लूला ने हासिल की जीत

विश्व केसरी■

ब्रासीलिया। ब्राजील के सुपीरियर इलेक्टोरल कोर्ट की ओर से जारी किए गए नतीजों के अनुसार, सत्ताधारी वर्कर्स पार्टी के उम्मीदवार और ब्राजील के मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर (रनऑफ) में जीत हासिल की है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 99.89 प्रतिशत वोटों की गिनती पूरी होने पर, लूला को कुल वैध वोटों का 51.78 प्रतिशत हिस्सा मिला। वहीं, लिबरल पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे, फ्लेवियो बोल्सोनारो को 48.23 प्रतिशत वोट मिले। पहले दौर में लूला पिछड़ गए थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की।

लूला 5 जनवरी 2027 को चार



साल के कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। यह चौथी बार होगा जब वे ब्राजील के राष्ट्रपति बनेंगे।

वे पहले दौर में पीछे रह गए थे। उनकी इस जीत ने लैटिन अमेरिका में उस दक्षिणपंथी झुकाव को रोक दिया है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन हासिल था। लूला 2027 से 2030 तक शासन करेंगे। उनके सामने एक ऐसी कांग्रेस (संसद) होगी, जिसमें बोल्सोनारो की लिबरल पार्टी के पास दशकों में सबसे ज्यादा सीटें हैं। रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लूला ने लिखा: 'एक बार फिर, ब्राजील की जनता ने मुझे दिखाया कि जब हम साथ मिलकर चलते हैं, तो कोई भी सपना बहुत बड़ा नहीं होता। हमने इन दिनों खूब मेहनत की। हर कदम, हर काम और हर मार्च, केवल चुनाव प्रचार के पल नहीं थे। ये सपनों के साक्षात होने का प्रमाण थे, जो ठोस उपलब्धियों में बदल गए—जैसे कि 6×1 कार्यदिवस (सप्ताह में 6 दिन काम) का अंत। लोगों के आगे बढ़े हाथ और उनकी मुस्कान ने मुझे याद दिलाया कि मैंने अपना जीवन इस देश के मजदूरों की लड़ाई के लिए क्यों समर्पित किया है।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम इस सफर से और अधिक मजबूत, एकजुट और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए तैयार होकर निकले हैं।

संक्षिप्त खबर

अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में भूकंप, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.2 दर्ज

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। अफगानिस्तान के हिंदुकुश पर्वतीय क्षेत्र में रविवार रात को 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप 25 अक्टूबर को स्थानीय समय के मुताबिक रात करीब 11:14 बजे दर्ज किया गया। इसका केंद्र जमीन से करीब 110 किलोमीटर की गहराई में था। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ईएमएससी) ने शुरुआती आकलन में भूकंप की तीव्रता 5.8 बताई गई थी, जिसे बाद में संशोधित कर 5.2 कर दिया गया। तत्काल किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई। अफगानिस्तान पिछले कुछ वर्षों में कई शक्तिशाली भूकंपों की त्रासदी झेल चुका है। हिंदुकुश क्षेत्र में भूकंपीय गतिविधियां लगातार दर्ज की जाती रही हैं। मार्च 2026 में भी इसी क्षेत्र में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया था। वर्ष 2025 में भी हिंदुकुश क्षेत्र में कई बार धरती कांपी थी। हालिया बड़ी त्रासदियों में अगस्त 2025 के पूर्वी क्षेत्र का भूकंप शामिल है। 31 अगस्त को 6.0 तीव्रता के भूकंप ने कुनार और नंगरहार प्रांतों में भारी तबाही मचाई थी। इस आपदा में दो हजार से अधिक लोगों की मौत हुई थी और हजारों लोग घायल हुए। कई गांवों में मकान ढह गए थे। पहाड़ी इलाकों में सड़क संपर्क बाधित होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य भी प्रभावित हुए थे।

'मौत के कुएं' में स्टंट के दौरान बाइक में लगी आग, युवती झुलसी

विश्व केसरी■



जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर में दुर्गा पूजा मेले के दौरान रविवार रात एक बड़ा हादसा टल गया। बर्मामाइंस दुर्गा पूजा मैदान में बने 'मौत के कुएं' में मोटरसाइकिल से करतब दिखा रही एक युवती की बाइक में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने के बाद संतुलन बिगड़ने से युवती नीचे गिर गई और झुलस गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के समय कुएं के भीतर युवती तेज रफ्तार से मोटरसाइकिल चला रही थी। इसी दौरान बाइक के इंजन के पास से धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते वाहन आग की लपटों से घिर गया। आग लगने से घबराई युवती बाइक पर नियंत्रण नहीं रख सकी और करीब 20 फीट ऊंचे ढांचे के निचले हिस्से में जा गिरी। घटना के बाद मेले में अफरा-तफरी मच गई। कुएं के ऊपरी हिस्से में मौजूद दर्शक आग की लपटें देखकर बाहर निकलने के लिए संकरी सीढ़ियों की ओर भागने लगे। इससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ लोग हादसे के दौरान मोबाइल फोन से वीडियो भी बनाते रहे। हादसे के तुरंत बाद मेला संचालकों और कर्मचारियों ने आग बुझाने की कोशिश की। पानी और मिट्टी डालकर आग पर काबू पाया गया। राहत की बात यह रही कि आग लकड़ी से बने कुएं के ढांचे तक नहीं फैली। ऐसा होने पर बड़ा अग्निकांड हो सकता था। हालांकि, आग से मोटरसाइकिल पूरी तरह जल गई। सोमवार को घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हादसे की चर्चा तेज हो गई।

होर्मुज से 1.5 अरब बैरल तेल के निर्यात में मदद का अमेरिकी दावा

विश्व केसरी■



वाशिंगटन। अमेरिका की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने पिछले छह महीनों में खाड़ी देशों को होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते 1.5 अरब बैरल से अधिक कच्चे तेल के निर्यात में मदद की है।

सेंटकॉम के मुताबिक, कूपर ने रविवार को अमेरिकी सेना के सीएच-47 चिनूक हेलीकॉप्टर से होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर उड़ान भरकर वहां के परिचालन हालात का जायजा लिया। कमांड ने कहा कि पिछले छह महीनों में उसके सहयोग से 3,000 से अधिक वाणिज्यिक जहाज इस समुद्री मार्ग से गुजर चुके हैं। अमेरिकी सेना का यह भी दावा है कि हाल के महीनों में स्ट्रेट से गुजरने वाले 95 प्रतिशत से अधिक जहाज सुरक्षित रहे हैं। कूपर ने कहा कि अमेरिका खाड़ी क्षेत्र के अपने साझेदारों और नौवहन उद्योग के साथ मिलकर समुद्री यातायात को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह दौरा होर्मुज के रास्ते निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करने के अमेरिकी संकल्प को दर्शाता है।

सेंटकॉम के अनुसार, अमेरिकी सेना ने हाल के महीनों में होर्मुज के अंतरराष्ट्रीय नौवहन मार्गों से समुद्री बारूदी सुरंगों को हटाने का अभियान चलाया। कूपर ने इस अभियान में शामिल अमेरिकी सैन्यकर्मियों से भी मुलाकात की। अमेरिकी कमांड का कहना है कि प्रमुख नौवहन मार्ग अब ईरान की ओर से बिछाई गई समुद्री सुरंगों से मुक्त हैं और वहां वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही बनाए रखने पर ध्यान दिया जा रहा है।

होर्मुज विवाद फरवरी में अमेरिका-इजरायल के ईरान पर संयुक्त हवाई हमले के बाद और गहरा गया था। यूएस और ईरान इस मुद्दे को लेकर आमने सामने हैं। संयुक्त हवाई हमले के बाद तेहरान ने इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की और स्ट्रेट पर अपना नियंत्रण जताया। ईरान ने जहाजों के गुजरने के लिए शुल्क या अनुमति की मांग भी की।

लिकटेंस्टीन प्रिंस एलोइस राजकीय दौरे पर पहुंचे मुंबई

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। लिकटेंस्टीन के कार्यवाहक राष्ट्राध्यक्ष और वंशानुगत राजकुमार एलोइस ने भारत दौरे की शुरुआत मुंबई से की है। हवाई अड्डे पर उनका स्वागत महाराष्ट्र सरकार के प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल ने किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, 'भारत में लिकटेंस्टीन के हेरेडिटरी प्रिंस एलोइस का स्वागत है। वो भारत की राजकीय यात्रा पर मुंबई पहुंचे। महाराष्ट्र सरकार के प्रोटोकॉल मंत्री, जयकुमार रावल ने उनका स्वागत किया।'

विदेश मंत्रालय ने रविवार को ही इस यात्रा का अपडेट शेयर किया था। बताया था कि प्रिंस देर रात भारत पहुंचेंगे और 28 अक्टूबर तक यहीं रहेंगे। उनकी पत्नी प्रिंसेस सोफी, लिकटेंस्टीन की उप प्रधानमंत्री सबीने मोनाउनी और वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी आया है। प्रधानमंत्री मोदी और प्रिंस एलोइस की द्विपक्षीय बैठक मंगलवार को नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में होगी। दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रम पर भी विचार साझा करेंगे।

प्रिंस एलोइस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति उनके सम्मान में आधिकारिक भोज की मेजबानी करेंगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी उनसे मुलाकात करेंगे। यात्रा के दौरान उच्चस्तरीय संपर्क के साथ कारोबारी प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

भारत और लिकटेंस्टीन ने 1993 में राजनयिक संबंध स्थापित किए थे।

पढ़ाई से नौकरी तक का रास्ता आसान बनाने पर जोर, सीबीएसई का राष्ट्रीय सम्मेलन

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। हुनर को पढ़ाई जैसी अहमियत मिलेगी। इसके लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) स्कूलों की पढ़ाई को रोजगार से जोड़ने के विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि छात्र केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि स्कूल से निकलने के बाद उच्च शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और नौकरी की दुनिया में भी आसानी से आगे बढ़ सकें।

यह आयोजन सोमवार 26 अक्टूबर व 27 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचे के जरिए छात्रों के कौशल को शिक्षा व्यवस्था के अलग-अलग स्तरों पर मान्यता देने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसका मकसद है कि छात्रों की सीखने की प्रक्रिया केवल परीक्षा और अंकों तक सीमित न रहे, बल्कि उनके व्यावहारिक ज्ञान और हुनर को भी महत्व मिले। इसके साथ ही स्कूलों में कौशल आधारित शिक्षा को सामान्य पढ़ाई का हिस्सा बनाने के तरीकों पर चर्चा हो रही है। इससे छात्रों को पढ़ाई के दौरान ही कामकाज की दुनिया की जरूरतों को समझने और भविष्य के लिए जरूरी क्षमताएं विकसित करने का अवसर मिल सकेगा।

'स्कूल से कामकाजी दुनिया तक की राह आसान बनाना' विषय पर आयोजित इस चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में स्कूलों के प्रमुख, शिक्षक, उद्योग जगत के विशेषज्ञ और नीति निर्माता हिस्सा ले रहे हैं। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के विद्यालय संगठनों के सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में इस बात पर चर्चा हो रही है कि बदलती जरूरतों के हिसाब से छात्रों को कैसे तैयार किया जाए।

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव टी के अनिल कुमार और सीबीएसई के अध्यक्ष डॉ. मंदीप भंडारी भी सम्मेलन में मौजूद रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए टी के अनिल कुमार ने चार प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देने की बात कही।

बच्चों को शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार और अनुशासन देना भी जरूरी : सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी■



बड़वानी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ जीवन में अच्छे संस्कार, सनातन संस्कृति के मूल्य और अनुशासन सिखाना अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार और समाज के संयुक्त प्रयासों से संचालित ऐसे अभियान समाज सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार भी इस दिशा में बड़ा काम कर रहा है। सौभाग्य की बात है कि रविवार रात गायत्री परिवार के आश्रम में रुकने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि यहां बच्चों और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न संस्कारों एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ जीवन में अच्छे संस्कार, सनातन संस्कृति के मूल्य और अनुशासन सिखाना अत्यंत आवश्यक है। आश्रम में प्रात: योगाभ्यास सहित विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता कर मुझे सुखद अनुभूति हुई। ऐसे प्रयास हमारी भावी पीढ़ी को संस्कारवान, चरित्रवान और जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि उन्होंने कहा कि बड़वानी निमाड़ का पेरिस है। बड़वानी के इस प्रवास में समाज निर्माण और सांस्कृतिक चेतना के अनेक प्रेरणादायी कार्यों को करीब से देखने का अवसर मिला। शरद पूर्णिमा से दीपावली तक का यह पावन समय हमारी सनातन परंपरा में विशेष महत्व रखता है। राज्य सरकार भी प्रदेशवासियों के कल्याण, सामाजिक उत्थान और जनजीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसे पर्व हमें समाज में सद्भाव, सेवा, संस्कार और जनकल्याण के संकल्प को और अधिक मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं।

शान्ति गया साहित्य, कला एवं खेल संवर्द्धन समिति के वार्षिक सम्मान समारोह में साहित्यकार दिनेश माली सम्मानित

विश्व केसरी■



भोपाल। शान्ति-गया साहित्य, कला एवं खेल संवर्द्धन समिति के वार्षिक सम्मान समारोह में, साहित्य अकादमी सम्मान से सम्मानित गोविन्द मिश्र की अध्यक्षता एवं प्रसिद्ध कवि राजेश जोशी के मुख्य आतिथ्य में साहित्य, कला और खेल से जुड़ी 17 विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान किया गया। समारोह में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के भूतपूर्व न्यायाधीश अनिल वर्मा, मशहूर बाल साहित्यकार सुरेंद्र विक्रम (लखनऊ) एवं स्टार हॉकी खिलाड़ी अशोक ध्यानचंद विशेष अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित थे। सम्मान समारोह का आयोजन दुष्यंत पांडुलिपि संग्रहालय के सभागार में किया गया। जयपुर के प्रबोध गोविल को शान्ति-गया स्मृति शिखर सम्मान तथा हॉकी खिलाड़ी अशोक ध्यानचंद को शान्ति-गया लाइफटाइम स्पोर्ट्स अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। ओड़िशा से पधारे साहित्यकार दिनेश माली को इस संस्था के शिखर सम्मान पुरस्कार श्रेणी के अंतर्गत विशिष्ट पुरस्कार हरिशंकर श्रीवास्तव स्मृति साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, नोयडा से पधारे आचार्य राजेश कुमार को नैली राजेश सिंह स्मृति उपन्यास शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया।

अन्य सम्मानित साहित्यकारों में लघुकथा के लिए मनोरमा पंत (भोपाल) तथा बाल साहित्य के लिए डॉ मालती बसंत (भोपाल) एवं पद्मा चौगांवकर (गंज बासौदा), कला के लिए सुधीर कुमार पांड्या (भोपाल) को भी नैली राजेश सिंह स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। दीपक गिरकर (इंदौर) एवं सुदर्शन सोनी (भोपाल) को ललिता देवी स्मृति सम्मान, कर्नल डॉ गिरिजेश सक्सेना एवं डॉ वर्षा ढोबले (दोनों भोपाल) शकुंतला मिश्र स्मृति सम्मान, लाल देवेंद्र श्रीवास्तव (बस्ती) एवं जीनत एहसान कुरैशी (मुंबई) को शकुंतला उर्मलिया स्मृति सम्मान, अंतरराष्ट्रीय सेलिंग खिलाड़ी एवं द्रोणाचार्य सम्मान से सम्मानित सेलिंग कोच जी.एल. यादव को ज्ञानप्रकाश खरे स्मृति खेल रत्न सम्मान एवं खेल लेखक व सांख्यिकीविद हरीश हर्ष (भिलाई) को सरोज खरे स्मृति खेल रत्न सम्मान प्रदान किए गए।

ब्रह्माकुमारीज संस्था के 'नशा-मुक्त भारत' अभियान को पूरा समर्थन देगी सरकार: नितिन नवीन

विश्व केसरी■



सिरोही। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आबू रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज के शांतिवन में आयोजित 'ग्लोबल समिट 2026' में हिस्सा लिया। यह आयोजन संस्था की 90 वर्षों की आध्यात्मिक और सेवा यात्रा के उपलक्ष्य में किया गया था।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने ब्रह्माकुमारीज को संबोधित करते हुए कहा, 'आपने जो 'नशा-मुक्त भारत' अभियान शुरू किया है, उसे हमारी सरकार पूरा समर्थन देगी। प्रधानमंत्री का यह ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि वे जो भी संकल्प लेते हैं, उसे सफलतापूर्वक पूरा करते हैं। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए नशा-विरोधी अभियान के संबंध में हमारे केंद्रीय गृह मंत्री ने भी संकल्प लिया है कि हम पूरी लगन और दृढ़ संकल्प के साथ 2029 तक भारत को नशा-मुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। यदि हमारे युवाओं और हमारे राष्ट्र को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ना है, तो यह बहुत जरूरी है कि हम सब मिलकर इस नशा-विरोधी अभियान को सफल बनाएं। जो युवा खुद को नशे की लत से मुक्त करता है, वह न केवल अपनी जान बचाता है, बल्कि अपने परिवार की उम्मीदों और देश की ताकत की भी रक्षा करता है।'

नितिन नवीन ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस देश को सेवा और समर्पण के भाव से नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। उनका मानना है कि अगर इस देश को आगे बढ़ाना है, तो 140 करोड़ देशवासियों को एक साथ, एक स्वप्न और एक भाव के साथ आगे चलना होगा। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी का निरंतर 25 वर्षों का कार्यकाल पूर्ण हुआ। इन वर्षों में उन्होंने प्रदेश और देश के प्रति समर्पित होकर कार्य किया।

रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को 2-1 से हराया



विश्व केसरी ■

बार्सिलोना। ला लीगा के मुकाबले में रियल मैड्रिड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एफसी बार्सिलोना को 2-1 से शिकस्त दी। मैड्रिड के जीत के नायक किलियन एमबाप्पे रहे, जिन्होंने इस मुकाबले में 2 गोल दागते हुए क्लब की ओर से अपने 100 गोल भी पूरे किए।

मैच की शुरुआत जूड बेलिंगहम के शानदार खेल से हुई। उन्होंने बेहतरीन तरीके से गेंद को घुमाते हुए अर्दा गुलेर को पास दिया, जिन्होंने आगे एडुआर्डो कामाविंगा के लिए मौका बनाया। इसके बाद किलियन एमबाप्पे ने चतुराई दिखाते हुए गेंद को पाउ कुबारसी के पास से निकाल दिया, जिससे मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ने गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी।

पहले हाफ में रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को ज्यादा मौके नहीं दिए और उसके हमलों को अच्छी तरह रोके रखा। मैड्रिड के 1-0 की बढ़त लेने से पहले अर्दा गुलेर को भी दो अच्छे मौके मिले थे। मैच के सिर्फ चार मिनट बाद उनका पहला शॉट गोल पोस्ट से कुछ सेंटीमीटर दूर निकल गया।

14 मिनट बाद उन्हें दूसरा मौका मिला, जिसे जोन गार्सिया ने बचा लिया। 41वें मिनट में मैड्रिड की टीम ने शानदार तालमेल दिखाते हुए गोल का सूखा खत्म किया। यान डायोमांडे ने एक बेहतरीन क्रॉस दिया। हालांकि, गेंद को क्लियर करने की कोशिश में जेरार्ड मार्टिन से टकराकर गेंद एमबाप्पे के पास चली गई, जिन्होंने अपनी दाएं पैर से उसे गोल में पहुंचा दिया।

दो मिनट बाद ही बार्सिलोना ने वापसी की कोशिश की, लेकिन लामिन यमल करीब से गोल करने से चूक गए। हाफ टाइम से ठीक पहले स्कोर 0-2 हो सकता था, जब डायोमांडे सीधे जोन गार्सिया के सामने आ गए, लेकिन उनका शॉट गोल पोस्ट के किनारे (साइड नेटिंग) पर जाकर लगा।

दूसरे हाफ में भी मैच का रुख ज्यादा नहीं बदला। रियल मैड्रिड ने मजबूत डिफेंस किया और तेज जवाबी हमलों से बार्सिलोना की टीम को लगातार परेशानी में डाले रखा। 56वें मिनट में जोआओ कैंसिलो ने यान डायोमांडे की जांघ के पीछे जोरदार टक्कर मारी। इसके बाद मैड्रिड के खिलाड़ियों ने कैंसिलो को रेड कार्ड दिखाने की मांग की। चोट लगने की वजह से डायोमांडे को करीब एक मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। पांच मिनट बाद राफिन्हा ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। हालांकि, इसके ठीक दो मिनट बाद, अर्दा गुलेर ने एक मुश्किल एंगल से जोरदार शॉट मारा, जिसे जोन गार्सिया ने बड़ी मुश्किल से बचाया। कुछ ही पलों बाद, एक और शानदार बचाव देखने को मिला, जब 66वें मिनट में लुनिन ने कॉर्नर से आए जेरार्ड मार्टिन के हेडर को बेहतरीन तरीके से रोक दिया।

जैसे-जैसे मैच खत्म होने की ओर बढ़ा, 88वें मिनट में जोस मोरिन्हो की टीम ने एक शानदार मूव के जरिए 'एल क्लासिको' अपने नाम कर लिया। इसकी शुरुआत जूड बेलिंगहम के बेहतरीन रूलेट मूव से हुई। उन्होंने गेंद अर्दा गुलेर को दी, जिन्होंने आगे एडुआर्डो कामाविंगा के लिए मौका बनाया। कामाविंगा ने पाउ कुबार्सी को चकमा देते हुए गेंद किलियन एमबाप्पे तक पहुंचाई।

एमबाप्पे ने बिना गलती किए गेंद को गोल में डाल दिया और रियल मैड्रिड के लिए अपने 100 गोल पूरे कर लिए। इस गोल के बाद मैच के अंतिम क्षणों तक मैड्रिड ने अपनी बढ़त बनाए रखी। आखिरकार टीम ने कैंप नोउ में 2-1 की जीत दर्ज करते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए।

यूथ ओलंपिक 2026: 11 खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे 17 एथलीट



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने डकार 2026 समर यूथ ओलंपिक गेम्स के लिए भारतीय दल की घोषणा कर दी है। सेनेगल में होने वाले इन खेलों में 11 खेलों में कुल 17 खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। आईओए ने सभी खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि भारतीय दल डकार में देश का नाम रोशन करेगा।

31 अक्टूबर से 13 नवंबर तक चलने वाले डकार 2026 खेल, ओलंपिक आंदोलन के लिए एक ऐतिहासिक अवसर होंगे: यह अफ्रीकी महाद्वीप पर आयोजित होने वाला पहला ओलंपिक इवेंट होगा।

यूथ ओलंपिक गेम्स को उन एथलीट्स के लिए डिजाइन किया गया है जिनकी उम्र इवेंट के समय 17 वर्ष या उससे कम है। इनमें उच्च-स्तरीय प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सीखने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अवसर भी मिलते हैं। 207 प्रतिनिधिमंडलों के लगभग 2,700 युवा एथलीट्स के 25 खेलों में हिस्सा लेने की उम्मीद है।

डकार के लिए तैयारी कर रहे एथलीट्स में भारत के होनहार युवा टेबल टेनिस खिलाड़ियों में से एक, सार्थक आर्य भी शामिल हैं, जो पहले से ही अपने करियर के अगले पड़ावों के बारे में सोच रहे हैं।

सार्थक ने कहा, 'यूथ ओलंपिक मेरे सफर में एक अहम पड़ाव होगा। मेरा सपना है कि मैं 2030 में अहमदाबाद में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स और फिर 2032 में ब्रिस्बेन में होने वाले ओलंपिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करूं। इसके आगे की बात करूं तो, अगर भारत को 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का मौका मिलता है, तो अपने देश में खेलते हुए ओलंपिक मेडल जीतना वाकई बहुत खास होगा।'

ये खेल आईओए को दुनिया भर की राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों के साथ जुड़ने का मौका भी देंगे। इसके जरिए वे प्रतिभाओं की पहचान करने, एथलीट्स के विकास में सहयोग देने और युवा खेलों से लेकर एलीट स्तर तक का रास्ता तैयार करने जैसे विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान कर सकेंगे।

आईओए का कहना है कि ये बातचीत भारत के अपने खेल लक्ष्यों को आकार देने में मदद कर सकती है। देश अब अहमदाबाद 2030 और ब्रिस्बेन 2032 की ओर देख रहा है, साथ ही अगली पीढ़ी के एथलीट्स के लिए और अधिक मजबूत और टिकाऊ रास्ते तैयार करने का काम भी जारी है।

आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'डकार 2026 हमारे युवा एथलीट्स के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

वे भारतीय खेलों के भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं, और इन्हीं के बीच से ऐसे चैंपियन निकल सकते हैं जो ब्रिस्बेन 2032 और उसके बाद भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। मैं पूरे दल की सफलता की कामना करती हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि वे देश का मान बढ़ाएंगे।

जो टीम को जीतने और सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने में मदद करे, उसके लिए तैयार: मेग लेनिंग

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लेनिंग विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 12 में मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी संभालेंगी। एनाबेल सदरलैंड के दो साल तक कप्तान रहने के बाद पद छोड़ने के बाद लेनिंग के हाथों में टीम की कमान दी गई है।

लेनिंग जिन्होंने आखिरी बार 2023 में इस फ्रेंचाइजी की कप्तानी की थी अब नए कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर स्टार्स के प्रदर्शन को बेहतर बनाने का काम करेंगी। वहीं, एनाबेल सदरलैंड भी लीडरशिप ग्रुप में एक अहम भूमिका निभाती रहेंगी। लेनिंग ने बताया कि यह फैसला टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकलवाने के लिए हुई चर्चाओं के बाद लिया गया है। इसमें एक अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर के तौर पर एनाबेल सदरलैंड के वर्कलोड (काम के बोझ) को भी ध्यान में रखा गया है।

'क्रिकेट डॉट कॉम एयू' के साथ बात करते हुए लेनिंग ने कहा, 'कुछ साल पहले जब मैंने कप्तानी छोड़ी थी और एनाबेल ने जिम्मेदारी संभाली थी, तब मैंने दोबारा कप्तान बनने के बारे में नहीं सोचा था। हालांकि, इस साल जब हमने इस पर चर्चा की कि टीम के हर खिलाड़ी से कैसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाया जा सकता है, तो यह तय हुआ कि मुझे फिर से यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मुझे ऐसा करने में खुशी है - जो भी चीज टीम को जीतने और अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने में मदद करे, मैं उसके लिए तैयार हूं।'

लेनिंग ने आगे कहा, 'एनाबेल लीडरशिप ग्रुप में एक बहुत बड़ी भूमिका निभाती रहेंगी। उम्मीद है कि इससे उन्हें थोड़ा फ्री महसूस होगा, जिससे वह मैदान पर जाकर अपना बेहतरीन खेल दिखा सकेंगी।' पांच बार की विश्व कप विजेता लेनिंग, नए कोच रिचर्ड पायराह के साथ काम करेंगी। पायराह यॉर्कशायर के साथ काम करने के बाद अगले दो सीजन के लिए स्टार्स से जुड़े हैं। लेनिंग का मानना है कि उनके आने से टीम को एक स्पष्ट दिशा मिली है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 नहीं खेल पाएंगे ईशान किशन



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ मंगलवार (27 अक्टूबर) को होने वाले तीसरे टी20 मुकाबले से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। इंजरी के चलते दूसरा टी20 मिस करने के बाद ईशान किशन तीसरे टी20 में भी नहीं खेल पाएंगे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ईशान किशन के तीसरे टी20 से बाहर होने की जानकारी दी है। बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ईशान किशन अपनी दाहिनी जांघ की हल्की चोट (लो-ग्रेड एडक्टर स्ट्रेन) से अच्छी तरह उबर रहे हैं। उन्हें यह चोट न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले टी20 इंटरनेशनल मैच के दौरान लगी थी। वह अभी तक मैच खेलने के लिए पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं, इसलिए 27 अक्टूबर 2026 को वेलिंगटन में होने वाले तीसरे टी20 मैच से वह बाहर रहेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान की रिकवरी पर नजर रख रही है। कुमार कुशाग्र तीसरे टी20 मैच के लिए भी टीम के साथ बने रहेंगे।



गौरतलब है कि ईशान किशन की जगह दूसरे टी20 में वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। वैभव को नंबर तीन पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया था, लेकिन उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। वैभव 8 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए थे। हालांकि, ईशान की गैरमौजूदगी में 15 वर्षीय वैभव को ही तीसरे टी20 में भी प्लेइंग इलेवन में मौका मिल सकता है।

दूसरे टी20 में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा था। न्यूजीलैंड से मिले 181 रनों के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 6 विकेट खोकर एक गेंद शेष रहते हुए ।

जसकरण के पांच गोल, संस्कारधानी-बैलाडीला का मुकाबला 5-5 से ड्रॉ



रायपुर ■ चंद्रमणि साव

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में सोमवार को संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और बैलाडीला बुल्स के बीच रोमांचक मुकाबला 5-5 से ड्रॉ रहा। जसकरण सिंह के शानदार पांच गोलों की बदौलत बैलाडीला बुल्स ने वापसी करते हुए मैच बराबरी पर समाप्त किया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मुकाबले के पहले हाफ में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स का दबदबा रहा। आर्यन ज़ेस और आशीष तानी पूर्ति ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद जसकरण सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर और स्ट्रोक सहित लगातार गोल दागकर मैच का रुख बदल दिया। अंतिम पांच मिनट में उन्होंने शानदार टोमाहॉक शॉट से अपना पांचवां गोल किया। हालांकि, मैच समाप्त होने से दो मिनट पहले संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 5-5 कर दिया।

इस ड्रॉ के बाद बैलाडीला बुल्स दो अंकों के साथ चौथे और संस्कारधानी स्ट्राइकर्स एक अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। दोनों टीमें सेमीफाइनल की दौड़ में बनी हुई हैं।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: मिडफील्डर मनप्रीत पूरे टूर्नामेंट से बाहर; विवेक सागर को मिली जगह

विश्व केसरी ■

जालंधर। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से ठीक पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम को झटका लगा है। अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ट्रेनिंग के दौरान पिंडली में चोट लगने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर विवेक सागर प्रसाद को टीम में शामिल किया गया है।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 की शुरुआत मंगलवार से होगी, जिसमें भारत अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रहा है। खिताब के लिए भारत के अलावा मलेशिया, जापान, चीन, साउथ कोरिया और बांग्लादेश की टीमें भी हिस्सा लेंगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बताया, 'ट्रेनिंग सेशन के दौरान पिंडली में चोट लगने की वजह से मनप्रीत सिंह 'हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब 2026' से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह भारतीय टीम में विवेक सागर प्रसाद को शामिल किया गया है।'



यह चोट ऐसे समय पर लगी है जब मनप्रीत अपने घरेलू मैदान पर खेलने का इंतजार कर रहे थे। इसी मैदान पर उन्होंने किशोरावस्था में हॉकी खेलना सीखा था। साल 2011 में भारतीय सीनियर टीम के लिए डेब्यू करने के बाद से मनप्रीत 430 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने भारत के लिए दो ओलंपिक पदक और तीन एशियन गेम्स स्वर्ण पदक जीते हैं। हालांकि, इतनी बड़ी उपलब्धियों के बावजूद उन्हें अब तक अपने गृह राज्य पंजाब में प्रशंसकों के सामने खेलने का मौका नहीं मिला है।

भारत अपना पहला लीग मैच 27 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद भारत का मुकाबला चीन (29 अक्टूबर), जापान (30 अक्टूबर), मलेशिया (1 नवंबर) और साउथ कोरिया (2 नवंबर) से होगा।

जालंधर में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक चलने वाले लीग चरण के बाद, टूर्नामेंट मोहाली के 'ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम' में शिफ्ट हो जाएगा। यहां 4 और 5 नवंबर को सेमीफाइनल और मेडल के लिए मुकाबले खेले जाएंगे।

टूर्नामेंट के इस नौवें संस्करण में हिस्सा लेने वाली टीमों में से, भारत (जिसने रिकॉर्ड पांच बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीती है) के अलावा केवल साउथ कोरिया ने यह ट्रॉफी अपने नाम की है।

हमें बेहतर होने की जरूरत है, खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप से पहले अनुभव देना होगा: ब्रेंडन मैकुलम

विश्व केसरी ■

लाहौर। इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने पाकिस्तान की धरती पर खेली जा रही ट्राई-सीरीज में टीम की लगातार हार के बाद कहा कि खिलाड़ियों को दबाव के समय बेहतर फैसले लेने की जरूरत है। उन्होंने माना कि टीम में अनुभव की कमी अभी भी चिंता का विषय है, खासकर तब, जब अगले साल साउथ अफ्रीका में होने वाला वनडे वर्ल्ड कप धीरे-धीरे करीब आ रहा है।



इंग्लैंड को सबसे ताजा झटका लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ लगा, जहां वे मेजबान टीम के 9 विकेट पर 154 रन बनाने के बावजूद 241 रन का बचाव नहीं कर सकी। शादाब खान के नाबाद 113 रन और हारिस रऊफ के साथ की गई 10वें विकेट के लिए अटूट 89 रनों की शानदार साझेदारी ने इंग्लैंड को एक और दर्दनाक हार दी। इससे पहले, टीम को रावलपिंडी में 429 रन बनाने के बावजूद श्रीलंका के खिलाफ 2 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। लगातार हार पर विचार करते हुए मैकुलम ने माना कि इंग्लैंड तब पीछे रह गया जब सबसे ज्यादा जरूरत थी और उसे मुश्किल स्थितियों से निपटने के बेहतर तरीके खोजने की आवश्यकता है।

पत्रकारों से बातचीत में मैकुलम ने कहा, 'जब आप हारते हैं तो इसका मतलब है कि उस दिन आप जीतने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। ऐसे में आपको अपनी कमियों पर काम करना पड़ता है। ये दोनों मैच अलग तरह के रहे हैं। एक कोच के तौर पर मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को ऐसे मुकाबले खेलने का मौका मिला, जहां दबाव अपने चरम पर था।'

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे मौकों पर हमें यह सोचना होगा कि खिलाड़ियों को बेहतर विकल्प कैसे दिए जाएं। बात सिर्फ बल्लेबाजी, गेंदबाजी या फील्डिंग की नहीं है, बल्कि यह भी है कि दबाव में शांत कैसे रहा जाए, संतुलन कैसे बनाए रखा जाए और सही योजनाओं के साथ उन मुश्किल परिस्थितियों से कैसे निपटा जाए।

'जल संचय जन भागीदारी' अभियान से 1.55 करोड़ से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण

भू-जल रिचार्ज को मिली बड़ी मजबूती



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। देश में जल संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे 'जल संचय जन भागीदारी' (जेएसजेबी) अभियान के तहत अब तक 1.55 करोड़ से अधिक कृत्रिम जल रिचार्ज और जल भंडारण संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है। सोमवार को जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, जून से दिसंबर 2025 के बीच वर्षा संबंधी आंकड़ों के आधार पर मूल्यांकन किए गए 23 लाख जल संरचनाओं से लगभग 2.43 अरब घन मीटर भू-जल पुनर्भरण (ग्राउंडवॉटर रिचार्ज) का अनुमान लगाया गया है।

सरकार के अनुसार, सामुदायिक भागीदारी, संसाधनों के समन्वित उपयोग, डिजिटल निगरानी और जल संरचनाओं के निर्माण को एक साथ जोड़कर यह पहल जल सुरक्षा की दिशा में देश के लिए मजबूत आधार तैयार कर रही है। 'जल संचय जन भागीदारी' को जल शक्ति अभियान: कैच द रेन कार्यक्रम के साथ एकीकृत किया गया है, जिसका उद्देश्य वर्षा जल संचयन, भू-जल रिचार्ज, जल संरक्षण, जल परिसंपत्तियों का निर्माण और जनसहभागिता को बढ़ावा देना है।

अभियान के तहत स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कम लागत वाले उपायों को प्रोत्साहित किया गया है, जिससे टिकाऊ जल प्रबंधन के जरिए जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता भी मजबूत हुई है। इस पहल में पंचायत राज संस्थाएं, शहरी स्थानीय निकाय, महिला समूह, युवा संगठन, शैक्षणिक संस्थान, नागरिक समाज संगठन और स्थानीय समुदाय सक्रिय रूप से शामिल हुए हैं। ये सभी जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं के निर्माण, क्रियान्वयन और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने में योगदान दे रहे हैं।

सरकार ने बताया कि जेएसजेबी: कैच द रेन पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन ने अभियान की पारदर्शिता बढ़ाने, निगरानी को मजबूत करने और आम लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यह अभियान वर्ष 2019 में शुरू किए गए जल शक्ति अभियान की सफलता पर आधारित है, जिसके तहत देश के 256 जिलों के 1,592 जल-संकटग्रस्त ब्लॉकों में वर्षा जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण, जलग्रहण क्षेत्र विकास, जल निकायों के पुनर्जीवन, वनीकरण और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया गया था।

फैक्टशीट में आगे कहा गया है कि जल संरक्षण अब केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं रह गया है, बल्कि यह समुदाय आधारित जन आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। 'कैच द रेन' और 'जल संचय जन भागीदारी' जैसी पहलें वर्षा जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण और पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन को प्रोत्साहित कर रही हैं।

सरकार का कहना है कि वैज्ञानिक योजना, स्थानीय स्वामित्व और विभिन्न संसाधनों के प्रभावी समन्वय के माध्यम से जल सुरक्षा मजबूत हो रही है। इसके साथ ही ग्रामीण आजीविका को समर्थन मिल रहा है और जलवायु संबंधी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता भी बढ़ रही है।

क्या आप भी योग करते समय शरीर पर डालते हैं जरूरत से ज्यादा जोर? आयुष मंत्रालय ने दी चेतावनी



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग को स्वस्थ जीवनशैली का अहम हिस्सा माना जाता है। यह न केवल शरीर को लचीला और मजबूत बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और एकाग्रता बढ़ाने में भी मदद करता है। हालांकि, योग का पूरा लाभ तभी मिलता है जब इसे सही तकनीक और अपनी शारीरिक क्षमता के अनुरूप किया जाए। कई बार लोग जल्दी परिणाम पाने की कोशिश में कठिन आसनों का अभ्यास करने लगते हैं या शरीर पर आवश्यकता से अधिक दबाव डालते हैं, जिससे चोट लगने या स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने का खतरा बढ़ सकता है।

योगाभ्यास के दौरान शरीर के संकेतों को समझना और उसकी सीमाओं का सम्मान करना बेहद जरूरी है। इसी संदेश को रेखांकित करते हुए आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट साझा कर योग करते समय बरती जाने वाली जरूरी सावधानियों के बारे में जानकारी दी है।

आयुष मंत्रालय ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'योग के अभ्यास के लिए जागरूकता, कंट्रोल और अपने शरीर की क्षमता का सम्मान करना जरूरी है। धीरे-धीरे अभ्यास करें, अपने मूवमेंट्स को सहज रखें और झटके, जोर या दबाव से बचें। अगर शरीर के किसी भी हिस्से में तेज दर्द हो, तो अभ्यास तुरंत बंद कर दें। हर मूवमेंट को जागरूकता के साथ करें और माइंडफुल प्रैक्टिस को अपने योग रूटीन का जरूरी हिस्सा बनाएं। मंत्रालय के मुताबिक, योग करते समय कई लोग शुरुआत में ही मुश्किल आसन करने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि जितना ज्यादा शरीर को खींचेंगे, उतना ही जल्दी लचीलापन बढ़ेगा। लेकिन हर व्यक्ति की शारीरिक क्षमता अलग होती है। किसी का शरीर आसानी से आगे झुक सकता है, तो किसी को इसमें समय लग सकता है। ऐसे में दूसरे लोगों को देखकर अपने शरीर पर दबाव डालना सही नहीं है।

उदाहरण के लिए, अगर कोई व्यक्ति आगे झुकने वाला आसन कर रहा है और उसका शरीर ज्यादा नहीं झुक पा रहा, तो उसे जबरदस्ती हाथों से पैरों को छूने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

मन को शांत और एकाग्र करना है? रोज करें त्राटक, दूर होगी अनिद्रा और तनाव की समस्या

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां मानव मस्तिष्क हर पल सैकड़ों विचारों से घिरा रहता है, वहां मानसिक शांति और एकाग्रता पाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में, 'त्राटक' एक ऐसी सूक्ष्म साधना है, जो भटकते हुए मन को रोककर उसे एक बिंदु पर केंद्रित करने में मदद करती है।

यह हठयोग की एक प्राचीन और शक्तिशाली साधना है, जिसमें किसी एक निश्चित बिंदु, वस्तु, दीपक की लौ, मूर्ति या प्रतीक पर बिना पलक झपकाए लगातार टकटकी लगाकर देखा जाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, त्राटक क्रिया एक महत्वपूर्ण योगिक अभ्यास है, जो मानसिक स्पष्टता और नेत्र स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है। त्राटक के नियमित अभ्यास से आंखों की रोशनी में सुधार होता है, नींद अच्छी आती है और मन शांत होने लगता है।

त्राटक एक प्राचीन शुद्धिकरण क्रिया है, जिसे करने के लिए व्यक्ति को बिना पलक झपकाए किसी एक बिंदु, दीपक की लौ या वस्तु को एकाग्रता से बैठकर देखना होता है। यह केवल आंखों का व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मन को एकाग्र करने, मानसिक ऊर्जा को जागृत करने और आंतरिक शांति प्राप्त करने का एक अद्भुत मार्ग है।

त्राटक अनिद्रा, तनाव और अनावश्यक विचारों की भीड़ को कम करने में बहुत प्रभावी है। दरअसल, रात में सोते समय हमारे दिमाग में दिनभर की बातें लौटती हैं, जिस वजह से नींद की गुणवत्ता कम होती है। त्राटक करते समय दीये की लौ को एकटक देखने पर दिमाग धीरे-धीरे शांत होने लगता है। आंखों की नसों का सीधा संबंध मस्तिष्क से होता है। लौ को लगातार देखने से मेलाटोनिन हार्मोन सक्रिय होता है, जो गहरी नींद लाने में मदद करता है। रोज 10 मिनट त्राटक करने वाले लोगों को नींद की गोली की जरूरत कम पड़ने लगती है।

चश्मा लगाकर या रात के समय सूर्य त्राटक जैसी तीव्र क्रियाएं बिना किसी योग्य गुरु के मार्गदर्शन के न करें। आंखों में ज्यादा जलन या गंभीर समस्या होने पर अभ्यास तुरंत रोक दें।

रात को नींद नहीं आती? रोज करें मकरासन, अनिद्रा और चिंता से मिलेगा छुटकारा

विश्व केसरी ■

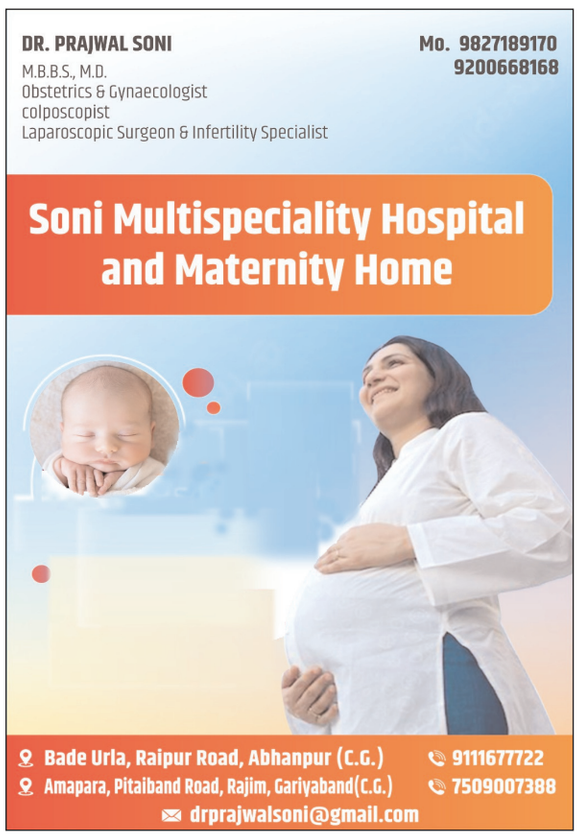
नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग बहुत जरूरी हो गया है। यह हमें तनाव से राहत देता है और सेहतमंद बनाता है। योग के कई आसनों में से एक आसन है मकरासन। ये सिर्फ एक आरामदायक मुद्रा नहीं, बल्कि तनाव, थकान और कमर दर्द से राहत पाने का एक बेहतरीन उपाय है।

'मकरासन' संस्कृत का शब्द है, जो 'मकर' और 'आसन' इन दो शब्दों से मिलकर बना है। यहां 'मकर' का अर्थ मगरमच्छ और 'आसन' का अर्थ मुद्रा से है। इस आसन को करने से पीठ और कमर का दर्द कम होता है और शरीर को आराम मिलता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, मकरासन करने से शरीर की मांसपेशियों को आराम मिलता है। खासतौर से यह पीठ, कमर और कंधों की जकड़न को दूर करता है। यह श्वसन प्रणाली के लिए भी लाभकारी माना जाता है।



















सत्यनिष्ठा की शपथ के साथ मनाया गया सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026, जेपी नड्डा ने दिलाई शपथ

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-1 में 'सत्यनिष्ठा शपथ' समारोह के साथ 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026' मनाया। इस अवसर पर मंत्रालय ने लोक प्रशासन में ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक आचरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।



केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री और आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव और केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी उपस्थित थीं। मंत्रालय के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यालयों से वर्चुअल माध्यम से इस समारोह में भाग लिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह हर साल उस सप्ताह के दौरान मनाया जाता है, जिसमें सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर आती है। इस वर्ष यह सप्ताह 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय सुशासन और संस्थानों में जन-विश्वास के लिए ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता के महत्व को रेखांकित करता है।

इस विषय के अनुरूप स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग का सतर्कता प्रभाग सतर्कता जागरूकता अभियान 2026 के तहत कई गतिविधियां चला रहा है। इसका उद्देश्य मंत्रालय और उसके अधीनस्थ कार्यालयों, संस्थानों और संगठनों के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच सतर्कता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नैतिक आचरण को बढ़ावा देना है।

इन पहलों का लक्ष्य संस्थागत जवाबदेही को मजबूत करना और एक ऐसा कार्य-वातावरण तैयार करना है, जो पारदर्शिता, जिम्मेदारी और स्थापित नियमों के पालन पर आधारित हो। सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा ने अधिकारियों और कर्मचारियों की इस प्रतिबद्धता को दोहराया कि वे कानून के शासन का पालन करेंगे, और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय ईमानदारी और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों को बनाए रखेंगे।

इस प्रतिज्ञा में जनहित में काम करने, अपने व्यक्तिगत आचरण के माध्यम से सत्यनिष्ठा प्रदर्शित करने और भ्रष्टाचार के किसी भी मामले की सूचना संबंधित अधिकारियों को देने के महत्व पर भी जोर दिया गया। प्रतिज्ञा में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए सरकार, नागरिकों और निजी क्षेत्र की सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित किया गया। इसमें सार्वजनिक जीवन के सभी क्षेत्रों में निरंतर सतर्कता बरतने और ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों का पालन करने का आह्वान किया गया।

इस आयोजन ने आधिकारिक जिम्मेदारियों को निभाते समय नैतिक आचरण और जवाबदेही के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता को फिर से स्पष्ट किया। मंत्रालय ने कहा कि यह प्रतिबद्धता पारदर्शी, जिम्मेदार और प्रभावी लोक प्रशासन के सिद्धांतों के अनुरूप है।

आत्मनिर्भरता के दूसरे चरण में अत्याधुनिक तकनीक पर होगा फोकसः राजनाथ सिंह

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि 1,900 करोड़ रुपए से अधिक के नौसैनिक अनुबंध इस बात का प्रमाण हैं कि भारत के आत्मनिर्भरता के प्रयास अब ठोस परिणाम दे रहे हैं। नौसेना का लगातार आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना इसकी पुष्टि करता है।

उन्होंने कहा कि भारत के पास ऐसी प्रतिभा है, जिसके दम पर दुनिया की किसी भी अत्याधुनिक तकनीक को देश में विकसित किया जा सकता है। राजनाथ सिंह नई दिल्ली में नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन की मौजूदगी में आयोजित 'स्वावलंबन 2026' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अब भारत को अत्याधुनिक तकनीकों पर ध्यान देना होगा और उन क्षेत्रों में भी आगे बढ़ना होगा, जिन्हें अब तक असंभव माना जाता था। यही आत्मनिर्भरता का दूसरा चरण है। उन्होंने कहा कि भारत ने पहले चरण में अच्छा प्रदर्शन किया है और अब वह दूसरे चरण में प्रवेश करने के लिए तैयार है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने बड़ी छलांग लगाई है। नौसेना की ओर से शुरू की गई 229 'आईडेक्स' चुनौतियों के लिए नवाचार करने वाले नए उद्यमों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों से 4,000 से अधिक प्रस्ताव मिले हैं। यह भारतीय प्रतिभा और उद्यमियों के उत्साह को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि नवाचार करने वालों के लिए अपने उत्पादों को वास्तविक परिचालन जरूरतों के अनुरूप तैयार करना जरूरी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा क्षेत्र की किसी भी महत्वपूर्ण चुनौती का समाधान खोजने के लिए भविष्य को ध्यान में रखकर सोचने और वैज्ञानिक अनुशासन के साथ काम करने की जरूरत होती है। उन्हें विश्वास है कि देश के नवाचार करने वाले युवा आत्मनिर्भरता के दूसरे चरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता के इस चरण में केवल देश के भीतर उत्पादन करना पर्याप्त नहीं है। उत्पादन ऐसा होना चाहिए, जो कम लागत वाला, परिचालन के लिहाज से बेहतर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो। इसके लिए उत्पादों की संख्या के साथ उनकी गुणवत्ता, कार्यक्षमता और किफायती होने पर भी ध्यान देना होगा।

रक्षा मंत्री ने शैक्षणिक संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने और उद्योगों तथा शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं को शोध के क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। इससे देश में अनुसंधान और विकास की मजबूत संस्कृति विकसित होगी और भारत अपनी जरूरतों के अनुरूप नई तकनीकें तैयार कर सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को जारी किया नोटिस

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिका पर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई), केंद्र सरकार, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किया। याचिका में मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर हटाए जाने का आरोप लगाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने आपत्तियां और दावे दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाने या अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन को रोकने के संबंध में तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और वी. मोहना की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 5 नवंबर को तय की।

अरुण आनंदगिरि ने याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने मतदाता सूची के मसौदे से नाम हटाए जाने और अपना नाम दोबारा दर्ज कराने के लिए निर्धारित प्रक्रिया पर सवाल उठाया था।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद पी. दातार ने बताया कि महाराष्ट्र के लगभग नौ करोड़ मतदाताओं में से लगभग 33 प्रतिशत यानी लगभग तीन करोड़ लोगों के नाम, मतदाता सूची के मसौदे के प्रकाशन के बाद मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि 1.22 करोड़ मतदाताओं के नाम 'तार्किक विसंगति' के आधार पर हटाए गए हैं। दातार ने तर्क दिया कि जिन मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, उनसे फॉर्म 6 जमा करने के लिए कहा जा रहा है, जो नए मतदाता पंजीकरण के लिए है, जबकि वे पिछले चुनावों में मतदान कर चुके हैं। उन्होंने तर्क दिया कि मौजूदा मतदाताओं को फॉर्म भरने के लिए बाध्य करने से उन पर झूठी घोषणा करने का आरोप लग सकता है, क्योंकि आवेदकों को यह बताना आवश्यक है।

कि वे पहले मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं थे। वरिष्ठ अधिवक्ता ने दिल्ली उच्च न्यायालय के हालिया आदेश का हवाला देते हुए कहा कि अभियोजन से बचाव का आश्वासन मूल समस्या का समाधान नहीं करता है।

दिल्ली की हवा हुई बेहतर, मनजिंदर सिरसा बोले- प्रदूषण रोकने में जनता का योगदान महत्वपूर्ण

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को कहा कि शहर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 'मध्यम' स्तर पर है और इसके लिए उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के लोगों को धन्यवाद दिया।

पर्यावरण, वन और वन्यजीव मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, 'मैं दिल्ली के लोगों को धन्यवाद देता हूं। सोमवार को भी वायु गुणवत्ता सूचकांक 'मध्यम' और लगभग 180 है जबकि रविवार को यह 153 था। दिल्ली सरकार, नगर निगम के हमारे सहयोगियों, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय नागरिकों ने लगातार जबरदस्त सहयोग दिया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, सोमवार सुबह 8 बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 187 दर्ज किया गया, जिससे राष्ट्रीय राजधानी 'मध्यम' श्रेणी में आ गई। यह आंकड़ा शहर की समग्र वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार दर्शाता है। हालांकि कई निगरानी केंद्रों पर प्रदूषण का स्तर अभी भी अधिक बना हुआ है।

विभिन्न निगरानी केंद्रों से प्राप्त आंकड़ों से शहर भर में वायु गुणवत्ता में काफी अंतर दिखाई देता है। बुराड़ी में एक्यूआई 128, उसके बाद बदरपुर में 125, नांगलोई में 150, जेएनयू में 157 और मंदिर मार्ग में 165 दर्ज किया गया। वहीं, जहांगीरपुरी (251), आरके पुरम (233), सीआरआरआई मथुरा रोड (231), पंजाबी बाग (229), नरेला (227), मुंडका (226) और विवेक विहार (240) में उच्च स्तर दर्ज किया गया।

सिरसा ने कहा कि जनता के प्रयासों के कारण वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार हुआ है और दिल्ली में इसे नियंत्रित करना केवल जनभागीदारी के कारण ही संभव हो पाया है।

सरकारी स्कूलों की बदहाली पर बोले कुलदीप कुमार- शिक्षा और सुरक्षा दोनों गायब

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली में सरकारी स्कूलों की स्थिति और विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने सरकार पर निशाना साधा। पार्टी के नेता और कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सरकारी स्कूलों को बर्बाद कर निजी स्कूलों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार के दौरान दिल्ली के सरकारी स्कूलों ने विश्वस्तर पर पहचान बनाई थी, लेकिन अब इन स्कूलों में न तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है और न ही बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो पा रही है।

कुलदीप कुमार ने दिल्ली सरकार की शिक्षा नीति और स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कृष्णा नगर के एक स्कूल में छात्रा की मौत का मामला उठाते हुए कहा कि इतनी गंभीर घटना के बावजूद सरकार के किसी मंत्री ने पीड़ित परिवार से मिलकर सांत्वना देने की जरूरत नहीं समझी। उन्होंने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री पर भी घटना के बाद स्कूल का दौरा नहीं करने का आरोप लगाया।

कुलदीप कुमार ने बताया कि दो दिन पहले कृष्णा नगर के एक स्कूल में एक छात्रा ने कथित तौर पर अपने ऊपर कोई पदार्थ छिड़ककर आग लगा ली थी, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। उन्होंने सवाल उठाया कि स्कूल में शिक्षक, प्रधानाचार्य, सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी कैमरे मौजूद होने के बावजूद ऐसी घटना कैसे हो गई। आप नेता ने कहा कि स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी है। यदि स्कूल परिसर में इस तरह की घटना होती है।

पशु कल्याण कार्यकर्ता जागृति मिश्रा से जुड़े मामले में एमसीडी का बड़ा एक्शन, जेई निलंबित

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। पशु कल्याण कार्यकर्ता जागृति मिश्रा से जुड़े मामले में दिल्ली नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की है। बाहरी उत्तरी क्षेत्र में तैनात जूनियर इंजीनियर (भवन) विकास कुमार गुप्ता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में उपायुक्त कार्यालय, बाहरी उत्तरी क्षेत्र, नरेला ने आदेश जारी किया है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए इस कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'पशु कल्याण कार्यकर्ता जागृति मिश्रा से जुड़े मामले में शामिल जूनियर इंजीनियर को निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मैं बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहती हूं। सार्वजनिक पद पर रहने वालों की यह जिम्मेदारी है कि वे नागरिकों की सेवा संवेदनशीलता और ईमानदारी के साथ करें।'

सीएम ने लिखा कि हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि हर शिकायत की निष्पक्ष जांच हो और उचित प्रक्रिया का पालन किया जाए। जांच के दौरान यदि कोई कदाचार साबित होता है, तो कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एमसीडी द्वारा जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, विकास कुमार गुप्ता, जूनियर इंजीनियर (बिल्डिंग), आउटर नॉर्थ जोन, एमसीडी जिनकी बीएमआईडी 40033050 है, को तत्काल प्रभाव से निलंबन में रखा गया है, क्योंकि उक्त अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही विचाराधीन है।

आदेश में कहा गया है कि उक्त अधिकारी को नियमानुसार निर्वाह भत्ता दिया जाएगा और वह निलंबन अवधि के दौरान बिना अनुमति के स्टेशन नहीं छोड़ेंगे। निलंबन अवधि के दौरान अधिकारी का मुख्यालय अधीक्षण अभियंता, बाहरी उत्तरी क्षेत्र का कार्यालय होगा।

जामिया में छात्र संघ चुनाव की मांग तेज, संविधान बनाने का अल्टीमेटम; जारी रहेगी भूख हड़ताल

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्र संघ के गठन और चुनाव कराने की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन जारी है। छात्रों ने 26 अक्टूबर को कुलपति को अपनी मांगों का एक औपचारिक पत्र सौंपा। छात्रों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक भूख हड़ताल और शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रहेगा। छात्रों की सबसे प्रमुख मांग है कि विश्वविद्यालय प्रशासन 20 दिसंबर तक छात्र संघ का संविधान तैयार कर उसे मंजूरी दे। इसके बाद संविधान को मंजूरी मिलने के 15 दिनों के भीतर छात्र संघ चुनाव की तारीख की औपचारिक घोषणा की जाए।

छात्रों का कहना है कि उन्हें केवल आश्वासन नहीं, बल्कि चुनाव कराने की स्पष्ट समय सीमा चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रों पर की गई कार्रवाई वापस लेने की मांग भी की है। छात्रों ने आंदोलन के सिलसिले में की गई सभी अनुशासनात्मक कार्रवाइयों को तत्काल वापस लेने की मांग भी उठाई है। छात्रों के मुताबिक इनमें इसमें कारण बताओ नोटिस, निलंबन, परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध और विश्वविद्यालय से निष्कासन जैसी कार्रवाइयां शामिल हैं। उन्होंने यह भी मांग की है कि इस विरोध प्रदर्शन के संबंध में आगे कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई न की जाए। मांगपत्र में छात्रों ने मुख्य सुरक्षा सलाहकार के इस्तीफे की मांग भी रखी है। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है और इसके लिए किसी भी प्रदर्शनकारी छात्र से माफी मांगने की अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। कुलपति को सौंपे गए पत्र में छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से सभी मांगों पर स्पष्ट रुख अपनाने और छात्र संघ के गठन की प्रक्रिया को तय समयसीमा के भीतर पूरा करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि आंदोलन समाप्त करने के लिए प्रशासन की ओर से ठोस व सकारात्मक प्रतिबद्धता जरूरी है। छात्रों का जोर एक लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए छात्र संघ के गठन पर है।

छात्र चाहते हैं कि चुनाव की प्रक्रिया केवल आश्वासनों तक सीमित न रहे बल्कि इसके लिए संविधान को मंजूरी देने से लेकर चुनाव की तारीख घोषित करने तक की समयसीमा तय हो।

बैंक धोखाधड़ी के दोषी को 7 साल का कारावास

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को एक बयान में बताया कि नई दिल्ली के राउज एवेन्यू स्थित एक विशेष सीबीआई अदालत ने बैंक धोखाधड़ी के आरोपी संजीव दीक्षित उर्फ संजय शर्मा को दोषी ठहराते हुए सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोषी पर 1.6 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

सीबीआई के अनुसार, 11 जुलाई 2013 को मेसर्स शंकर मेटल्स के मालिक दीक्षित, मेसर्स सुपर मशीन्स के मालिक संजय शर्मा, इंदिरा रानी और कुछ अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

आरोपियों ने एक आपराधिक साजिश के तहत जाली प्रॉपर्टी दस्तावेजों का इस्तेमाल करके पंजाब नेशनल बैंक की नई दिल्ली स्थित जोर बाग शाखा से 4 करोड़ रुपये की कैश क्रेडिट सुविधा धोखाधड़ी से हासिल की।

सीबीआई के बयान में कहा गया है कि लोन की रकम का इस्तेमाल उन उद्देश्यों के लिए नहीं किया गया, जिनके लिए यह क्रेडिट सुविधा मंजूर की गई थी, बल्कि इसे कहीं और डायवर्ट कर दिया गया।

सीबीआई ने बताया कि 2016 में एक अन्य मामले के सिलसिले में सोनीपत की अदालत में पेशी के दौरान दीक्षित न्यायिक हिरासत से भाग गया था। इसके बाद वह फरार हो गया और 23 नवंबर 2017 को ट्रायल कोर्ट ने उसे 'घोषित अपराधी' करार दे दिया।

जनवरी 2026 में सीबीआई को जानकारी मिली कि यह घोषित अपराधी वडोदरा में 'पंकज भारद्वाज' (ब्रज मोहन भारद्वाज का बेटा) के नाम से एक फर्जी पहचान बनाकर रह रहा है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415